राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार 05 दिसंबर 2024 वर्ष-7,अंक-309 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

11 जनवरी को होगा राम मंदिर की पहली मंजिल का उद्घाटन?

जुलाई 2025 तक पूरा हो जाएगा अयोध्या में मंदिर का निर्माण

अयोध्या। अयोध्या में जनवरी 2025 में राम दरबार की औपचारिक प्राण प्रतिष्ठा होगी, जिसमें भगवान राम, माता सीता, हनुमान, भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न की 4.5 फुट ऊंची मूर्तियां शामिल होंगी। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के मुताबिक अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण जुलाई 2025 तक पूरा हो जाएगा। 70 एकड़ के राम जन्मभूमि परिसर में 18 अन्य मंदिरों के निर्माण के लिए मार्च से अगस्त 2025 तक की समय-सीमा तय की गई है। ट्रस्ट के एक सदस्य ने कहा कि राम मंदिर का भूतल बनकर तैयार है और पहली और दूसरी मंजिल का काम जारी है। ट्रस्ट की योजना राम मंदिर के उद्घाटन की पहली वर्षगांठ के साथ 11 जनवरी, 2025 को राम मंदिर की पहली मंजिल का उद्घाटन करने की है।

इसरो ने टाली लॉन्चिंग..........सैटेलाइट में आई खराबी

नई दिल्ली। यूरोपियन स्पेस एजेंसी (ईएसए) के प्रोबा-3 सैटेलाइट में गड़बड़ी के चलते इसरो ने सैटेलाइट की लॉन्चिंग कल तक के लिए टाल दी है। अब इसरो इसकी लॉन्चिंग 5 दिसंबर गुरुवार की शाम 04 बजकर 12 मिनट पर करेगा। यह लॉन्चिंग श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर के लॉन्च पैड एक से पीएसएलवी-एक्सएल रॉकेट से की जानी है। फिलहाल इसरो और यूरोपियन स्पेस एजेंसी दोनों की ओर से यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि सैटेलाइट में किस तरह की खराबी आई है या क्या गड़बड़ी हुई है, जिसके कारण लॉचिंग को एक दिन के लिए टालना पड़ा है।

महाराष्ट्र के लोगों का बीजेपी-एनडीए में है विश्वास : सीएम सैनी

चंडीगढ़। हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी दिल्ली से चंडीगढ़ पहुंचे। यहां पर उन्होंने पत्रकारों के सवालों के जवाब दिए। सीएम सैनी ने एक सवाल के जवाब में कहा कि महाराष्ट्र के लोगों का बीजेपी और एनडीए में बड़ा विश्वास है। 5 दिसंबर को महाराष्ट्र में शपथ ग्रहण समारोह है। मैं महाराष्ट्र के लोगों को शुभकामनाएं और बधाई देता हूं। पीएम नरेंद्र मोदी के साथ मिलकर डबल इंजन की सरकार महाराष्ट्र के विकास की गति को तेजी से आगे बढ़ाएगी। पत्रकारों ने पूछा कि क्या आप महाराष्ट्र जलेबी लेकर जाएंगे। इस पर उन्होंने कहा कि बिल्कुल यहां से जलेबियां वहां खूब बंटी हैं और कल भी वहां खूब बंटेगी। बता दें कि महायुति के प्रचंड बहुमत हासिल करने बाद भी सीएम के नाम को लेकर बीते कई दिनों से मंथन चल रहा था। इस बीच महाराष्ट्र के सीएम पद के लिए शपथ ग्रहण समारोह की तैयारी जारी है। समारोह 5 दिसंबर को मुंबई के आजाद मैदान में होगा। इस कार्यक्रम में 40 हजार लोगों के जुटने की उम्मीद है।

भारत ने खरीदा मल्टीरोल हैलिकॉप्टर यह कई टास्क को एक साथ देगा अंजाम

अमेरिका ने रोमियों से जुड़े आधुनिक उपकरणों की बिक्री को दी मंजूरी

नई दिल्ली। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने भारतीय नौसेना के लिए अमेरिका में बने एमएच-60 रोमिया मल्टीरोल हेलीकॉप्टर डील का एलान किया था और अब दूसरी बार ट्रंप के राष्ट्रपति बनने से पहले ही अमेरिका ने रोमियों से जुड़े आधुनिक उपकरणों को बिक्री को मंजूरी दे दी। एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट ने फॉरन मिलेट्री सेल के तहत 1.17 बिलियन डॉलर कीमत के कम्युनिकेशन, सेंसर और लॉजेस्टिक भारतीय नौसेना के रोमियो हैलिकॉप्टर की ताक़त को और बढ़ाएगी। नौसेना के लिए करोड़ 2.6 बिलियन की कीमत से 24 एमएच-60 रोमिया मल्टीरोड हेलीकॉप्टर की खरीद की है। रोमियो हैलिकॉप्टर चौथी जेनेरेशन के हैलिकॉप्टर में सबसे बेहतर तकनीक है। ये एक मल्टीरोल हैलिकॉप्टर यानी एक साथ कई टास्क को अंजाम दे सकता है। रडार और सोनार इस हैलिकॉप्टर को दुनिया में पंडुब्बियों के लिए सबसे ख़तरनाक बनाती है। इसे एंटी-सबमरीन एडवांस हैलिकॉप्टर के तौर पर जाना जाता है। इसकी दो सबसे बड़ी खासियत यह है कि पानी में छिपी पनडुब्बियों पर हमला करना और एयर टू सरफेस यानी हवा से जमीन पर हमला करना है। वहीं हेलफायर एयर टू सरफेस मिसाइल जहाजों को निशाना बनाती है। ख़ास बात है कि जिस तरह के कॉनफ़िगरेशन को अमेरिका नेवी इस्तेमाल में लाती है। पहले 9 हैलिकॉप्टर जो भारत में आए है वह उसी कॉनफ़िगरेशन के साथ हैं। बाकी के हैलिकॉप्टर में कुछ बदलाव भी किए जा सकते है। अभी तक भारतीय नौसेना को 9 हैलिकॉप्टर मिले हैं और इसका पहला स्क्वाड्रन कोच्चि में स्थापित भी किया जा चुका है। चीन लगातार अपनी मौजूदगी भारतीय समुद्री इलाक़ों में बढ़ा रहा है। ऐसे में हमारी समुद्री सीमाओं को सुरक्षित रखने के लिए उन्नत हथियारों की जरूरत है। उसी में मद्देनज़र नौसेना को उन्नत तकनीक वाले एक मल्टी रोल हैलिकॉप्टर की जरूरत थी। और वह जरूरत खत्म हुई एमएच-60 रोमिया मल्टीरोल हेलीकॉप्टर के तौर पर दरअसल नौ सेना के बेड़े में शामिल ब्रिटेन के बने सी किंग हैलिकॉप्टर की फ्लीट पुरानी हो चुकी है उनकी जगह ले रहे है ये नए रोमियो हैलिकॉप्टर।

जजों की बर्खास्तगी का मामला: महिलाओं के साथ भेदभावपूर्ण रवैया न्यायोचित नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-पुरुषों को भी मासिक धर्म होता तो वह महिलाओं का दर्द समझते

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश हाई कोर्ट द्वारा छह महिला सिविल जजों की सेवाएं समाप्त करने के फैसले पर नाराजगी जताई है। जस्टिस बी वी नागरत्ना और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की युगलपीठ ने इस मामले में टिप्पणी करते हुए कहा कि यदि पुरुषों को मासिक धर्म होता तो वह महिलाओं की शारीरिक और मानसिक चुनौतियों को बेहतर ढंग से समझ सकते। पीठ ने कहा कि महिलाओं के साथ भेदभावपूर्ण रवैया न्यायोचित नहीं है। जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि यदि महिलाएं किसी शारीरिक या मानसिक कारण से पीड़ित हैं, तो यह कहना उचित नहीं कि वे धीमी हैं और उन्हें बर्खास्त कर दिया जाए। यह समान मानदंड पुरुष जजों पर लागू करें, तब वास्तविकता का पता चलेगा।

बता दें मध्य प्रदेश में छह महिला सिविल जजों को उनके प्रोबेशन पीरियड के दौरान असंतोषजनक प्रदर्शन के आधार पर सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले पर सवाल उठाते हुए इसे महिला न्यायिक अधिकारियों के प्रति असंवेदनशीलता का परिचायक बताया। इससे पहले 23 जुलाई 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश हाई कोर्ट को इन बर्खास्तगी के फैसलों पर फिर से विचार करने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने साफ कहा था कि पीड़ित जजों के अभ्यावेदन पर निष्पक्ष और नए सिरे से विचार किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट की आलोचना करते हुए कहा कि जिला न्यायपालिका के लिए टारगेट यूनिट बनाने जैसे उपाय उचित नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 12 दिसंबर को इस मामले की अगली सुनवाई तय की है। यह मामला न केवल महिला जजों के साथ न्यायिक प्रणाली में भेदभाव को उजागर करता है, बल्कि इस बात पर भी प्रकाश डालता है कि महिलाओं के लिए समान अवसर और सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण क्यों जरुरी है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी ने इस विषय पर व्यापक बहस का आधार तैयार कर दिया है।

भोपाल में बुधवार को बंगलादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ भारत माता डिपो चौराहे पर सकल हिंदू समाज द्वारा आयोजित विराट प्रदर्शन में हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए।

किसान नेता राकेश टिकैत गिरफ्तार, यमुना एक्सप्रेसवे पर हुआ हाई-वोल्टेज ड्रामा

नई दिल्ली।

भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत को बुधवार को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। अलीगढ़ पुलिस ने उन्हें उस वक्त हिरासत में लिया जब वो किसान नेताओं से मिलने ग्रेटर नोएडा जा रहे थे। टिकैत को यमुना एक्सप्रेसवे पर रोका गया और फिर टप्पल थाने ले जाया गया। इस घटनाक्रम के बाद से इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है ताकि स्थिति नियंत्रण में रहे। पुलिस द्वारा टिकैत को हिरासत में लेने के दौरान यमुना एक्सप्रेसवे पर काफी हाई-वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। टिकैत, जो पुलिस से बचने की कोशिश कर रहे थे, एक्सप्रेसवे पर भागते हुए एक ट्रक के पास पहुंचे।

उन्होंने ट्रक को रुकवाया और उसमें बैठ गए। हालांकि, पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए उन्हें ट्रक में सवार होने से पहले ही हिरासत में ले लिया। इस पूरे घटनाक्रम ने न केवल सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया, बल्कि इलाके में तनाव का माहौल भी पैदा कर दिया। टिकैत की हिरासत के बाद से टप्पल थाने और आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

पुलिस ने किसान नेता टिकैत को हिरासत में लिए जाने के कारणों का स्पष्ट रूप से उल्लेख नहीं किया, लेकिन माना जा रहा है कि यह कदम संभावित विरोध प्रदर्शनों और जनसमूह को जुटाने की आशंका के चलते उठाया गया है। टिकैत लंबे समय से किसानों के मुद्दों पर मुखर रहे हैं और अक्सर सरकार की नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन का नेतृत्व करते रहे हैं।

टिकैत की प्रतिक्रिया

राकेश टिकैत ने हिरासत में लिए जाने के दौरान कहा कि वह केवल किसानों से मिलने जा रहे थे और पुलिस की यह कार्रवाई अनुचित है। उन्होंने इसे किसानों के अधिकारों को दबाने का प्रयास बताया। वहीं भारतीय किसान यूनियन और अन्य किसान संगठनों ने इस घटना की कड़ी निंदा की है। संगठन के प्रवक्ता ने कहा कि किसान नेताओं को इस तरह हिरासत में लेना उनके लोकतांत्रिक अधिकारों का उल्लंघन है। संभावना व्यक्त की जा रही है कि किसान संगठनों द्वारा इस घटना के विरोध में प्रदर्शन भी किया जा सकता है। राकेश टिकैत की गिरफ्तारी ने एक बार फिर किसान आंदोलन से जुड़े मुद्दों को चर्चा में ला दिया है।

देवेंद्र फडणवीस ने माना जनता और गठबंधन का आभार

मुंबई।

महाराष्ट्र में फिर देवेंद्र फडणवीस को बीजेपी विधायक दल का नेता चुन लिया है। नेता चुने जाने के बाद देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र में बीजेपी की बड़ी जीत एकता का परिणाम है। उन्होंने इस जीत के लिए जनता, गठबंधन के नेताओं एकनाथ शिंदे और अजित पवार का आभार व्यक्त किया है। फडणवीस ने विश्वास जताया कि नई सरकार महाराष्ट्र को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। मुंबई में हुई बैठक में केंद्रीय पर्यवेक्षक के तौर पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने हिस्सा लिया। बैठक की शुरुआत में विजय रुपाणी ने विधायकों से मुख्यमंत्री पद के लिए नाम प्रस्तावित करने की अपील की। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि कोई भी विधायक अपने नाम का प्रस्ताव नहीं कर सकता। रुपाणी की इस टिप्पणी पर सभी विधायक ठहाके मारकर हंस पड़े और सभागार का माहौल खुशगवार हो गया। इसके बाद सुधीर मुनगंटीवार और चंद्रकांत पाटिल ने देवेंद्र फडणवीस के नाम का प्रस्ताव रखा। अन्य विधायकों ने भी उनके नाम का समर्थन किया। किसी अन्य नाम का प्रस्ताव न होने पर विजय रुपाणी ने देवेंद्र फडणवीस को विधायक दल का नेता घोषित कर दिया।

राजस्थान के कई जिलों में गिरा तापमान, माउंट आबू में बढ़ी ठंड

दिसंबर के दूसरे सप्ताह में 2 से 3 डिग्री गिर सकता है तापमान

जयपुर।

दिसंबर के पहले सप्ताह में राजस्थान में ठंड बढ़ रही है। माउंट आबू में ठंड ने दस्तक दे दी है, जबकि जयपुर समेत अन्य जिलों में तापमान में मामूली गिरावट आई है। माउंट आबू, जो राज्य का एकमात्र हिल स्टेशन है वहां न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री सेल्सियस से गिरकर 6.0 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। ठंड के इस बढ़ते प्रकोप के साथ सुबह और रात में सर्दी का असर दिखा रहा है। जयपुर में न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई। सोमवार को यह 14.0 डिग्री सेल्सियस था, जो मंगलवार रात को 12.8 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। बुधवार सुबह 7 बजे जयपुर का तापमान 14.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। ठंड के लिए मशहूर फतेहपुर, चूरू, सीकर, और गंगानगर जैसे शहरों में न्यूनतम तापमान में मामूली बढ़ोतरी हुई। दिन के समय धूप खिलने से ठंड का कम अहसास हुआ।

मौसम केंद्र जयपुर के निदेशक ने कहा कि दिसंबर का पहला सप्ताह सामान्य रहेगा। ठंडी हवाओं की संभावना कम है, और सर्दी ज्यादा परेशान नहीं करेगी। दूसरे सप्ताह में तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आ सकती है। तीसरे और चौथे सप्ताह में कंपाने वाली सर्दी पड़ सकती हैं, जब तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट हो सकती है। सुबह और रात के समय खासतौर पर ऊनी कपड़े पहनें। घरों और ऑफिस में तापमान बनाए रखने के लिए हीटर का इस्तेमाल करें। ठंड से बचाव के लिए चाय, सूप आदि का सेवन करें।

हिंसा का सभ्य समाज में कोई स्थान नहीं, बादल पर हमले की नेताओं ने की निंदा

अमृतसर।

स्वर्ण मंदिर के एंट्री गेट पर पूर्व उपमुख्यमंत्री और शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल पर गोली चलाने की घटना ने पंजाब में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बहस छेड़ दी है। इस घटना पर कई राजनीतिक दलों और संगठनों ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। आप नेता और राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि हिंसा का सभ्य समाज में कोई स्थान नहीं है। सुखबीर बादल सुरक्षित हैं पंजाब पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हमलावर को पकड़ लिया, इसके लिए पुलिस धन्यवाद की पात्र है। वहीं पंजाब कांग्रेस नेता त्रिपत राजिंदर सिंह बाजवा ने घटना को निंदनीय बताया और कहा कि पंजाब में बिगड़ती कानून-व्यवस्था को लेकर आप सरकार पर निशाना साधा। बाजवा ने कहा कि यदि संदिग्ध व्यक्ति पर नजर थी, तो पहले से सावधानी क्यों नहीं बरती गई? पंजाब मुख्यमंत्री कार्यालय ने घटना पर स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि हमलावर नारायण सिंह चौरा को पुलिस ने समय रहते पकड़ लिया, जिससे सुखबीर बादल सुरक्षित रहे। पुलिस ने घटना स्थल पर पहले से सुरक्षा घेरा बना रखा था और स्थिति को नियंत्रित किया। एसजीपीसी अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी ने कहा कि हम इस मामले की अपनी जांच करेंगे। गुरु की कृपा से सुखबीर सिंह बादल सुरक्षित रहे। हम सुरक्षा व्यवस्था की पुन: समीक्षा करेंगे। पंजाब पुलिस ने कहा है कि हमलावर से पूछताछ की जा रही है और घटना के सभी पहलुओं की जांच की जाएगी। घटना से जुड़े और भी खुलासे होने की संभावना है।

शिंदे और पवार के साथ फडणवीस ने सरकार बनाने का दावा किया पेश

तीसरी बार सीएम पद की लेंगे शपथ

मुंबई।

भाजपा कोर कमेटी की बैठक के बाद हुई विधायक दल की बैठक में सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद देवेंद्र फडणवीस सरकार बनाने का दावा पेश करने एकनाथ शिंदे और अजित पवार के साथ राजभवन पहुंचे। राज्यपाल से मुलाकात के बाद महायुति के नेता गुरुवार को शपथग्रहण समारोह की तैयारी में जुट गए हैं।

गौरतलब है कि बुधवार को भाजपा विधायक दल की बैठक में देवेंद्र फडणवीस को सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुना गया है। इसके साथ ही राज्यपाल से मिलकर देवेंद्र फडणवीस ने सरकार बनाने का दावा भी पेश कर दिया है। कल 05 दिसंबर गुरुवार को शाम 05 बजे दक्षिण मुंबई के आजाद मैदान में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित है। इस समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अनेक केंद्रीय मंत्री और एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्री भी मौजूद रहने की उम्मीद है। इस तरह देवेंद्र फडणवीस तीसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

नागपुर में जश्न का माहौल

देवेंद्र फडणवीस गुरुवार को तीसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले हैं। इससे पहले ही नागपुर में जश्न का माहौल देखने को मिल रहा है। भाजपा विधायक दल के नेता देवेंद्र फडणवीस के नागपुर स्थित आवास के बाहर लोगों का जमावड़ा लगा हुआ है और जश्न का माहौल बना हुआ है। देवेंद्र पहली बार 2014 में मुख्यमंत्री बने थे। उन्होंने अपना कार्यकाल पूर्ण किया। इसके बाद 2019 में वो महज 80 घंटे के ही सीएम रहे। यहां बताते चलें कि एकनाथ शिंदे की सरकार में उन्होंने डिप्टी सीएम की भी भूमिका सफलता के साथ निभाई थी। अब एक बार फिर वो मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं, जिसे लेकर उनके निवास पर जश्न का माहौल है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

स्वयंसेवक रचते हैं सेवा एवं संस्कृति के नये स्वस्तिक

(लेखक - ललित गर्ग)

अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस 5 दिसंबर, 2024 पर विशेष)

भले ही लाखों स्वयंसेवक हों, लेकिन दुनिया को हमेशा और अधिक की आवश्यकता है। आज देश एवं दुनिया के विभिन्न विश्वविद्यालयों में जिस स्वयंसेवक संगठन की उपयोगिता एवं सार्थकता की चर्चा है, जिसकी विलक्षणताओं एवं विशेषताओं पर शोध हो रहा है, वह है भारत का शताब्दी वर्ष मना रहा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जो दुनिया सबसे बड़ा स्वयंसेवी संगठन है। संघ देश की सरकारों तथा गैर-सरकारी संस्थाओं को आर्थिक तथा सामाजिक विकास के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक विरासत को प्रोत्साहन देने एवं राष्ट्रीय अस्तित्व एवं अस्मिता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का स्मरण कराता है।

सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस 5 दिसंबर को प्रतिवर्ष दुनिया भर में मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 17 दिसंबर, 1985 को स्वयंसेवक दिवस मनाने की घोषणा की। तब से, अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस संयुक्त राष्ट्र प्रणाली, सरकारों, नागरिक समाज संगठनों आदि द्वारा प्रतिवर्ष मनाया जाने लगा। यह दिवस उन लोगों और संगठनों का सम्मान करता है जो दूसरों के जीवन को बेहतर बनाने एवं जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए अपना समय और ऊर्जा स्वेच्छा से देते हैं। स्वयंसेवकों को मान्यता देने के साथ-साथ, इस दिन का उद्देश्य परोपकार, सेवा एवं सहायता के रूप में स्वयंसेवा को बढ़ावा देना भी है। यह स्वयंसेवकों से जुड़े संगठनों और व्यक्तिगत स्वयंसेवकों को स्वयंसेवा को बढ़ावा देने, सरकारों को स्वयंसेवी प्रयासों का समर्थन करने के लिए प्रोत्साहित करने और स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की उपलब्धि में स्वयंसेवकों के योगदान को मान्यता देने का अवसर प्रदान करता है। पूरी दुनिया में 970 मिलियन स्वयंसेवक हैं। भले ही लाखों स्वयंसेवक हों, लेकिन दुनिया को हमेशा और अधिक की आवश्यकता है। आज देश एवं दुनिया के विभिन्न विश्वविद्यालयों में जिस स्वयंसेवक संगठन की उपयोगिता एवं सार्थकता की चर्चा है, जिसकी विलक्षणताओं एवं विशेषताओं पर शोध हो रहा है, वह है भारत का शताब्दी वर्ष मना रहा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जो दुनिया सबसे बड़ा स्वयंसेवी संगठन है। संघ देश की सरकारों तथा गैर-सरकारी संस्थाओं को आर्थिक तथा सामाजिक विकास के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक विरासत को प्रोत्साहन देने एवं राष्ट्रीय अस्तित्व एवं अस्मिता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का स्मरण कराता है।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भारत का एक दक्षिणपंथी, हिन्दू राष्ट्रवादी, अर्धसैनिक, स्वयंसेवक संगठन हैं, जो भारत के सत्तारूढ़ दल भारतीय जनता पार्टी का व्यापक रूप से पैतृक संगठन माना जाता हैं। यह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अपेक्षा संघ या आर.एस.एस. के नाम से अधिक प्रसिद्ध है। बीबीसी के अनुसार संघ विश्व का सबसे बड़ा स्वयंसेवी संस्थान है। इसकी स्थापना सन् 27 सितंबर 1925 को विजयदशमी के दिन मोहिते के बाड़े नामक स्थान पर डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार ने की थी। संघ के 5 स्वयंसेवकों के साथ शुरू हुई विश्व की पहली शाखा आज 50 हजार से अधिक शाखाओ में बदल गई और ये 5 स्वयंसेवक आज करोड़ों स्वयंसेवकों के रूप में हमारे समाने हैं, जो स्वयं में एक विलक्षण एवं अद्भूत उदाहरण है। संघ आर्थिक असंतुलन, सांस्कृतिक उन्नयन एवं गरीबी को दूर करने एवं समतामूलक समाज की स्थापना के लिये प्रतिबद्ध है। राष्ट्र कई क्षेत्रों में प्रगति करने के बाद भी देश में गरीबी एक राक्षस के रूप में खड़ी है। जिस तरह हम विजयादशमी के दिन राक्षस रूपी पुतला का वध कर बुराई पर अच्छाई को स्थापित करने का संकल्प लेते हैं उसी तरह हमें इस गरीबी पर विजय पाने का प्रण लेना होगा। इसके लिए देश में सभी को नौकरी सरकार या निजी संस्थाएं दे नहीं सकती हैं। इसलिए हमें स्वरोजगार एवं स्व उद्यमिता पर जोर देना होगा। स्वदेशी जागरण मंच की ओर से स्वावलंबी भारत के लिये संघ प्रयासरत है। संघ की विचारधारा में राष्ट्रवाद, हिंदुत्व, हिंदू राष्ट्र, राम जन्मभूमि, अखंड भारत, समान नागरिक संहिता जैसे विषय हैं, जो देशवासियों को देश की समरसता की ओर ले जाते हैं। 1975 के बाद से धीरे-धीरे इस संगठन का न केवल सामाजिक-सांस्कृतिक बल्कि राजनीतिक महत्व बढ़ता गया और इसकी परिणति भाजपा जैसे राजनीतिक दल के रूप में हुई जिसे आमतौर पर संघ की राजनीतिक शाखा के रूप में देखा जाता है। संघ की स्थापना के 75 वर्ष बाद सन् 2000 में प्रधानमन्त्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में एनडीए गठबंधन की सरकार भारत की केन्द्रीय सत्ता पर आसीन हुई। इसके पश्चात 2014 एवं 2019 में नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री नेतृत्व इसकी सरकार बनी हैं। संघ का मूल उद्देश्य भारत को उसकी अपनी सभ्यता एवं संस्कृति के परिप्रेक्ष्य में पहचान प्रदान करना है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ संघ या आरएसएस के नाम से अधिक लोकप्रिय है। इसका मुख्यालय महाराष्ट्र के नागपुर में है। संघ के छोटे बड़े लगभग 55 स्वस्थ समाज निर्माण में जुटे संगठन एवं गतिविधियां हैं जो संसारभर में फैले हैं। महात्मा गाँधी ने 1934 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शिविर की यात्रा के दौरान वहाँ पूर्ण अनुशासन, समर्पण देखा और छुआछूत की अनुपस्थिति पायी। इससे प्रभावित होकर उन्होंने संघ की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ संसार का अकेला ऐसा संगठन है जिसमें आज तक भ्रष्टाचार, पदलिप्सा या अनैतिकता की स्थिति नहीं आई। इस समय संघ द्वारा करीब 25,028 सेवा-प्रकल्प चलाए जा रहे हैं। ये प्रकल्प देश के 30 प्रांतों में 11,498 स्थानों पर चल रहे हैं। ये सेवा कार्य भिन्न-भिन्न क्षेत्रों पर केन्द्रित हैं, जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक, आर्थिक विकास, कौशल विकास, गोसेवा आदि। भौगोलिक दृष्टि से 16,101 सेवा कार्य ग्रामीण क्षेत्रों में, 4,266 वनवासी क्षेत्रों में, 3,412 सेवा बस्तियों में और शेष स्थानों पर 1,249 सेवा कार्य चल रहे हैं। संघर्षों से जूझने की क्षमता संघ को अपने उदयकाल से ही प्राप्त है। इसके सामने प्रारंभ से जैसी संघर्षपूर्ण परिस्थितियां रही है, साधारण व्यक्ति या संस्था उसके सामने टिकने का साहस नहीं कर पाता। किन्तु जिसकी जन्मघूंटी के साथ ही अनुशासन, सहिष्णुता, संगठन, राष्ट्रीयता के संस्कार मिल जाये, वह कभी हार नहीं सकता। अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस मनाते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थितियों का आकलन इस दिवस की सार्थकता को व्यक्त करता है। आरएसएस में स्वयंसेवक इस शब्द का अर्थ होता है- स्वेच्छा से काम करने वाला। संघ के विचारों को मानने वाले और नियमित तौर पर शाखा में जाने वाले लोगों को संघ का स्वयंसेवक कहा जाता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रमुख शैक्षणिक प्रवृत्ति एवं संगठनात्मक उपक्रम है विद्या भारती। जो आज 20 हजार से ज्यादा स्कूल चलाता है, लगभग दो दर्जन शिक्षक प्रशिक्षण कॉलेज, डेढ़ दर्जन कॉलेज, 10 से ज्यादा रोजगार एवं प्रशिक्षण संस्थाएं चलाता है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद को विश्व के सबसे बड़ा छात्र संगठन के रूप में भी जाना जाता है। विद्यार्थी परिषद का नारा है- ज्ञान, शील और एकता। स्वास्थ्य के क्षेत्र में संघ के कुल प्रकल्पों की संख्या 3,112 है। भारतीय किसान संघ की स्थापना 4 मार्च 1979 को राजस्थान के कोटा शहर में महान भारतीय तत्त्वचिंतक, आंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त मजदूर नेता श्री दत्तोपंतजी ठेंगडी ने भारतीय किसानों के उत्थान हेतु की। इस सम्पूर्ण संगठन के पीछे की मूल भावना यह है कि निहित स्वार्थों की जगह सामूहिक हित, राष्ट्रीयता की भावना, स्व-संस्कृति एवं स्व-पहचान को प्राथमिकता देना है। इतनी अकल्पित उपलब्धियों से भरा-पूरा संघ सम्पूर्ण राष्ट्र को एक नई शक्ति, नई ताजगी, नया विश्वास देने वाला है। इसकी सफलता में संघ के शीर्ष नेतृत्व के साथ-साथ कार्यकर्ताओं, जन साधारण का उत्साह, हौसला एवं पुरुषार्थ का योग है। सुदृढ़ संगठन इसकी विरल विशेषता है, संगठन के क्षेत्र में ऐसा कोई दूसरा उदाहरण नहीं है। यही कारण है कि आज संघ की तेजस्विता, वर्चस्विता एवं प्रखरता की चर्चा आम आदमी के मुंह पर है। सूरज की एक किरण को देखकर सूरज बनने का सपना संजोने वाला संगठन महान होता है। वह और अधिक महान होता है, जो सूरज बनने का सपना देखकर परिपूर्ण सूरज बन जाता है। शताब्दियों के बाद कोई-कोई संगठन ऐसा होता है। वह अपनी रोशनी से एक समूची परंपरा एवं संस्कृति को उद्भासित कर देता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ऐसा ही अनूठा स्वयंसेवी संगठन है। संघ का काम व्यक्ति, समाज एवं राष्ट्र निर्माण का है। व्यक्ति से समाज एवं समाज से राष्ट्र निर्मित होता हैं। प्रत्येक संघी यानी स्वयंसेवक समाज में आचरण में परिवर्तन लाने का प्रयास करते हैं। यह स्वावलंबी पद्धति से, सामूहिकता से चलने वाला काम है। आइए संघ के हाथों स्वयंसेवक परम्परा को इतना मजबूत और विश्वसनीय बनायें कि निर्माण का हर क्षण इतिहास बने। नये एवं सशक्त भारत का निर्माण हो, जिसका हर रास्ता मुकाम तक ले जाये। सबकी सबके प्रति मंगलभावनाएं मन में बनी रहे। आज देश ने राष्ट्रीयता के ईमान को, कर्त्तव्य की ऊंचाई को, संकल्प की दृढ़ता को और मानवीय मूल्यों को सुरक्षित रखने के लिये 'यशस्वी भारत' एवं 'सशक्त भारत' के रूप में स्वयंसेवक की इस परम्परा ने फिर आह्वान किया है।

संपादकीय

मुफ़्त की बड़ी कीमत

सत्ता हासिल करने के लिये शॉर्टकट रास्ता अख्तियार कर मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की कीमत अब पंजाब और हिमाचल चुका रहे हैं। दोनों राज्य फिलहाल गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रहे हैं। निश्चित तौर पर यह आर्थिक संकट चुनावी अभियानों के दौरान किए गए लोकलुभावन वायदों के चलते ही उत्पन्न हुआ है। जिसके कारण पिछले दिनों हिमाचल में कर्मचारियों को वेतन व सेवानिवृत्त कर्मियों को पेंशन देने में व्यवधान देखा गया। पंजाब में विधानसभा चुनाव के दौरान आम आदमी पार्टी ने मतदाताओं को तीन सौ यूनिट बिजली मुफ्त देने का वायदा किया था। सत्ता में आने पर राज्य सरकार ने अपने वायदे को अमली जामा पहनाया। जिसके चलते चालू वित्त वर्ष के लिये बीस हजार करोड़ से अधिक सब्सिडी बिल आया है। इसी तरह कांग्रेस के नेतृत्व वाली हिमाचल सरकार ने सरकारी कर्मचारियों को खुश करने के लिये पुरानी पेंशन लागू करने का वायदा किया। यह तय था कि इस घोषणा से राज्य की अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। इस आसन्न संकट को महसूस करते ही विगत में केंद्र सरकार ने पुरानी पेंशन योजना से हाथ खींच लिया था। लेकिन अब हिमाचल सरकार द्वारा पुरानी पेंशन योजना यानी ओपीएस को पुनर्जीवित करने से, पहले से ही संकटग्रस्त सरकारी खजाने पर एक बड़ा बोझ और बढ़ गया है। वहीं पंजाब में सब्सिडी भुगतान में देरी से पंजाब की स्थिति और खराब हो गई है। लंबित बिल साढ़े चार हजार करोड़ से अधिक हो गए हैं। वहीं दूसरी ओर पंजाब स्टेट पॉवर कॉरपोरेशन लिमिटेड यानी पीएसपीसीएल की बिल संग्रह दक्षता में भारी गिरावट आई है। दरअसल, पीएसपीसीएल पहले ही ट्रांसमिशन घाटे में वृद्धि के संकट से जूझ रहा है। हालांकि, पंजाब स्टेट पॉवर कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिजली के बिल के बकायादारों और कतिपय सरकारी विभागों से बकाया धनराशि वसूलने से राजस्व बढ़ाने के प्रयासों में कुछ राहत जरूर मिली है। लेकिन कुल मिलाकर स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। जिसकी कीमत कालांतर राज्य की आर्थिकी को ही चुकानी होगी। निश्चित तौर पर पंजाब को मुफ्त की बिजली देने से उत्पन्न संकट से जल्दी राहत मिलने के आसार नजर नहीं आते। राज्य फिलहाल उधार हासिल करने की सीमा के करीब पहुंच गया है। जिसके चलते मुफ्त बिजली योजना चलती रह सकेगी, इसमें संदेह है। कमोबेश हिमाचल प्रदेश भी ऐसे ही संकट से दो चार है। राज्य की वित्तीय बदहाली इस बात की गवाह है। पुरानी पेंशन योजना की बहाली ने राज्य के वित्तीय दायित्वों को बढ़ा दिया है। जिसके चलते वेतन और पेंशन से जुड़ी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिये मासिक रूप से दो हजार करोड़ की अतिरिक्त आवश्यकता होती है। जो वित्तीय दिक्कतों की अंतहीन श्रृंखला को जन्म दे रही है। राज्य 6200 करोड़ की अपनी ऋण सीमा समाप्त होने के बाद, अपने रोजमर्रा के खर्चों को प्रबंधित करने के लिये भविष्य की उधारी पर निर्भर होता जा रहा है। आर्थिक मामलों के जानकार चिंता जता रहे हैं कि राज्य की आर्थिक स्थिति और खराब हो सकती है क्योंकि अगले वित्तीय वर्ष में केंद्र का राजस्व घाटा अनुदान आधा होने की बात कही जा रही है।

मानव जनसंख्या की वृद्धि आवश्यक है

(लेखक-संजय गोस्वामी)

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने हिंदुओं का नाम लिए बिना भारत में उनकी घटती आबादी पर चिंता जताई है. उन्होंने कहा कि यदि समाज की जनसंख्या वृद्धि दर 2.1 प्रतिशत से कम हो जाये तो समाज को किसी को नष्ट करने की आवश्यकता नहीं है, वह स्वयं ही नष्ट हो जायेगा। इसलिए कम से कम तीन बच्चे पैदा करना जरूरी है। यह कथन सही है क्योंकि आंकड़े बताते हैं प्राकृतिक पर्यावरण अपनी वहन क्षमता के माध्यम से जनसंख्या वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जिस तरह कोरोना और किसी भी रोगो से मृत्यु हुई है उसका जन्म भी होना चाहिए पर्यावरण में जीवन-निर्वाह संसाधन सीमित हैं और व्यक्तिगत प्रजातियों के सदस्यों के लिए अधिक जनसंख्या घनत्व और अन्य प्रजातियों से प्रतिस्पर्धा, अन्य कारकों के अलावा कम हो सकते हैं। इसके अलावा, प्रजनन क्षमता, मृत्यु दर और प्रवास सभी खाद्य उपलब्धता, साथी की उपलब्धता और प्रदूषण और प्राकृतिक आपदाओं जैसे पर्यावरणीय तनाव कारकों से प्रभावित होते हैं।विश्व की मानव जनसंख्या ने 18वीं शताब्दी से घातीय वृद्धि का अनुभव किया, लेकिन 20वीं शताब्दी के उत्तरार्ध से वृद्धि दर में गिरावट आ रही है। हालाँकि देशों के बीच जनसंख्या वृद्धि दर में काफी भिन्नता है और कुछ क्षेत्रों में वृद्धि दर में वृद्धि जारी है, लेकिन समग्र वृद्धि दर घट रही है।नवंबर 2024 में दुनिया की मानव आबादी 8.2 बिलियन तक पहुँच गई और 2080 तक 10.4 बिलियन तक पहुँचने और सदी के अंत तक उस स्तर पर बने रहने का अनुमान है। हालाँकि मानव मृत्यु दर औसतन कम हो रही है, लेकिन घटती जनसंख्या वृद्धि दर का मुख्य कारण कम प्रजनन क्षमता है। प्रजनन व्यवहार पैटर्न के आधार पर प्रजनन क्षमता भिन्न होती है, जो बदले में सांस्कृतिक परंपराओं, सामाजिक आर्थिक स्थितियों, गर्भनिरोधक तक पहुँच और जनसंख्या घनत्व जैसे पारिस्थितिक चर जैसे कारकों पर निर्भर करती है।जनसंख्या वृद्धि, जनसंख्या पारिस्थितिकी में, किसी विशेष समय अवधि के दौरान किसी विशेष स्थान पर किसी निश्चित पौधे या पशु प्रजाति के सदस्यों की संख्या में परिवर्तन। जनसंख्या वृद्धि को प्रभावित करने वाले कारकों में प्रजनन क्षमता, मृत्यु दर और जानवरों में प्रवास शामिल हैं - यानी किसी विशेष स्थान पर आप्रवास या प्रवास। समय के साथ जनसंख्या में औसत परिवर्तन को जनसंख्या वृद्धि दर कहा जाता है। सकारात्मक वृद्धि दर जनसंख्या वृद्धि को इंगित करती है, और नकारात्मक वृद्धि दर जनसंख्या में कमी को इंगित करती है। किसी दिए गए वातावरण में जनसंख्या की ऊपरी सीमा, जिसे पर्यावरण की वहन क्षमता कहा जाता है, उस जनसंख्या के लिए जीवन-निर्वाह करने वाले संसाधनों की मात्रा और उपलब्धता से निर्धारित होती है।किसी दिए गए स्थान और समय अवधि में जनसंख्या वृद्धि दर की गणना जनसंख्या हानि, या मृत्यु दर और प्रवास की संयुक्त दरों को जनसंख्या लाभ, या प्रजनन क्षमता और आप्रवास की संयुक्त दरों से घटाकर की जा सकती है। प्रजनन क्षमता एक निश्चित पर्यावरणीय परिस्थितियों में एक व्यक्तिगत प्रजाति के सदस्य द्वारा समय अवधि में औसतन पैदा की गई संतानों की संख्या है। प्रजनन क्षमता को प्रजनन क्षमता से भ्रमित नहीं किया जाना चाहिए - किसी प्रजाति के सदस्य द्वारा किसी निश्चित समय अवधि में पैदा की जा सकने वाली संतानों की सैद्धांतिक अधिकतम संख्या। जनसंख्या का लिंग अनुपात और आयु संरचना प्रजनन दर को प्रभावित करती है, क्योंकि वे प्रजनन करने में सक्षम व्यक्तियों की संख्या को सीमित करते हैं।जनसंख्या वृद्धि गतिशीलता को एस-आकार के वक्र में ग्राफ़िक रूप से दर्शाया जा सकता है, जिसे लॉजिस्टिक वक्र के रूप में जाना जाता है। लॉजिस्टिक वक्र (दाएं) विकास में प्रारंभिक अंतराल, घातीय वृद्धि का विस्फोट और अंत में जनसंख्या वृद्धि में गिरावट का प्रतिनिधित्व करता है। जब जनसंख्या घनत्व अधिक होता है, तो संसाधनों के लिए प्रतिस्पर्धा, शिकार या बीमारी के बढ़ते संक्रमण के कारण मृत्यु दर में वृद्धि होती है, जिसके परिणामस्वरूप वक्र के अंत में वृद्धि में पठार होता है। पर्यावरण में मौसमी विविधताओं के साथ सहसंबंध में जनसंख्या वृद्धि दर में भी उतार-चढ़ाव हो सकता है। उदाहरण के लिए, गहरी झीलों में, वसंत के पिघलने से झील की सतह पर ठंडा, गहरा पानी ऊपर उठता है, जिससे पोषक तत्व निकलते हैं जो फिर शैवाल, बैक्टीरिया और प्रोटोजोआ (पानी का खिलना देखें) सहित प्लवक की वृद्धि में तेजी लाते हैं।विभिन्न प्रजातियों की जनसंख्या वृद्धि शिकारी-शिकार संबंधों द्वारा भी निर्धारित की जा सकती है - उदाहरण के लिए, जूप्लैंकटन (सूक्ष्म जलीय जानवर) की आबादी में वृद्धि के बाद, उनके शैवाल शिकार की आबादी कम हो सकती है या धीमी दर से बढ़ सकती है। इसके परिणामस्वरूप जनसंख्या पैटर्न में उतार-चढ़ाव होता है, जैसे कि स्नोशू हरे और लिंक्स की आबादी का चक्रीय उतार-चढ़ाव, होते हैं। हाल के दशकों में मनुष्यों में घटती मृत्यु दर ने जनसंख्या की आयु संरचना को बदल दिया है। संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक मामलों के विभाग के जनसंख्या प्रभाग द्वारा यह भविष्यवाणी की गई है कि 2050 तक दुनिया की 65 वर्ष या उससे अधिक आयु के लोगों की आबादी 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों की आबादी से दोगुनी हो जाएगी। इसका मतलब है कि आने वाले दशकों में आनुपातिक रूप से कम लोग प्रजनन आयु के होंगे, जो जनसंख्या वृद्धि में गिरावट में योगदान देगा। वहन क्षमता और घातीय बनाम तार्किक जनसंख्या वृद्धि एक आदर्श वातावरण में (जिसमें कोई सीमित कारक नहीं होते) जनसंख्या घातीय दर से बढ़ती है। इन आबादियों का विकास वक्र चिकना है और समय के साथ तेजी से बढ़ता जाता है (बाएं)। हालांकि, सभी आबादियों के लिए, खाद्य पदार्थों की कमी, अन्य संसाधनों के लिए प्रतिस्पर्धा या बीमारी जैसे कारकों के कारण घातीय वृद्धि कम हो जाती है। जैसे-जैसे प्रतिस्पर्धा बढ़ती है और संसाधन तेजी से दुर्लभ होते जाते हैं, आबादी अपने पर्यावरण की वहन क्षमता (च) तक पहुँच जाती है, जिससे उनकी वृद्धि दर लगभग शून्य हो जाती है।

(चिंतन-मनन)

अपना दृष्टिकोण

एक कन्या ने अपने पिता से कहा, मैं किसी पुरातत्वविद् से विवाह करना चाहती हूं। पिता ने पूछा, क्यों? कन्या बोली, पिताजी! पुरातत्वविद् ही एक ऍसा व्यक्ति होता है जो पुरानी चीजों को ज्यादा मूल्य देता है। मैं भी ज्यों-ज्यों पुरानी होती जाऊंगी, बूढ़ी होती जाऊंगी, मेरा मूल्य भी बढ़ता जाएगा। वह मेरे से नफरत भी नहीं करेगा। पुरातत्वविद् यह नहीं देखता कि वस्तु कितनी सुन्दर है, कितनी असुन्दर है। वह इतना देखता है कि वस्तु कितनी पुरानी है। यह उसके मूल्यांकन की दृष्टि होती है। कहने का अर्थ यह कि मूल्यांकन का अपना-अपना दृष्टिकोण होता है। मूल्यांकन का हमारा भी एक दृष्टिकोण है। अध्यात्म की साधना करने वाले व्यक्ति का अपना एक दृष्टिकोण होता है मूल्यांकन का और वह उसका स्वयं का दृष्टिकोण होता है, किसी से उधार लिया हुआ नहीं। उसका दृष्टिकोण बदले, चरित्र बदले। वह पुराना ही न रहे, नया बने। पुरानेपन का आग्रह छूटे। साधना में पुरातत्वविद् की दृष्टि काम नहीं देती। वहां नयेपन का आयाम खुलता है और सदा नया बना रहने की आकांक्षा बनी रहती है। प्रत्येक समझदार आदमी का प्रयत्न सप्रयोजन होता है। ध्यान की साधना करने वाले व्यक्ति का साध्य है- रूपान्तरण दृष्टि का रूपान्तरण, चरित्र का रूपान्तरण। अहं को अर्हम् में बदलना। अहं और अर्हम् में केवल एक मात्रा का अन्तर है। साधक अहं को छोड़कर अर्हम् बनना चाहता है। एक मात्रा का अर्जन करना है। अहम् पर ऊर्ध्व र लगे, ऐसा प्रयत्न करना है। तब साधना सफल हो जाती है।

विचार मंथन

ज्वलंत समस्याओं के हल की वाट जोहता देश

(लेखक - डॉ हिदायत अहमद खान)

आजादी पूर्व के जननेताओं की राजनीति और वर्तमान राजनीति में जमीन-आसमान का अंतर है। तब देश के ज्यादातर नेता आजादी को मुख्यउद्देश्य मानकर राजनीति करते थे। ऐसा करते हुए हमारे नेतागण तब अंग्रेजी हुकूमत के जुल्मों-सितम का शिकार होते थे, गोलियां खाते थे या फिर जेल जाया करते थे। इससे उलट आज की राजनीति स्वयं व पार्टी के वर्चस्व को कायम रखने पर केंद्रित होती दिखाई देती है। आजादी के 77 वर्ष बाद भी गरीबी, बेरोजगारी, शिक्षा और स्वास्थ्य के मामले राजनीतिक रोटियां सेंकने के काम आ रहे हैं। किसान अपने हालात सुधारने जी-जान से प्रयास करते हैं और समस्याओं के समाधान के लिए सरकार से गुहार भी लगाते हैं। ऐसे में जब उनकी सुनवाई नहीं होती तो वो दिल्ली कूच कर, देश और दुनियां का ध्यान अपनी ओर खींचते नजर आते हैं। मतलब साफ है कि किसानों के मुद्दे पर भी राजनीति होती है और मामला जस का तस खड़ा किसानों को मुंह चिढ़ाता दिखता है। इस सियासी माहौल में मंदिर-मस्जिद मामलों को गरमाने का भी काम बदस्तूर जारी है। उत्तर प्रदेश इसका केंद्र बना हुआ है। अयोध्या राम जन्म भूमि के बाद अब संभल जामा मस्जिद सर्वे पर जो हिंसा हुई है, उसने सभी को हिला कर रख दिया है। इस हिंसा में जहां पांच लोगों ने अपनी जान गंवा दी वहीं शांति बहाली के लिए तैरान पुलिसकर्मी भी बड़ी संख्या में घायल हो गए। हिंसा और पुलिस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में तनाव और मातम का माहौल होने की बात कही जा रही है। इसी बीच कुछ विपक्षी नेताओं ने संभल जाने और हालात का जायजा लेने के साथ ही दुःखियों के आंसू पोंछने और उन्हें ढांढस बंधाने की बात कही, जिसे सरकार व प्रशासन ने सिरे से खारिज कर दिया।

यहां मामले की गंभीरता को देखते हुए कांग्रेस सांसद व लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और वायनाड सांसद प्रियंका गांधी संभल जाने के लिए काफिले के साथ निकल पड़ते हैं। ये नेता हिंसा में मारे गए लोगों के परिजनों से मुलाकात कर उनके दुःख-दर्द को साझा करना चाहते हैं, उन्हें संबल देना चाहते हैं, लेकिन इससे पहले उनके काफिले को प्रशासन ने गाजीपुर बॉर्डर पर ही रोक दिया। इस पर राजनीति शुरु हो गई जहां एक तरफ राहुल समर्थकों के बयान आए वहीं समाजवादी पार्टी नेता रामगोपाल यादव कहते सुने गए कि कांग्रेस पार्टी संसद में तो संभल मुद्दा उठा नहीं रही है और राहुल गांधी संभल जा रहे हैं, इसे अब क्या कहा जाए? कांग्रेस औपचारिकता निभा रही है और पुलिस उन्हें जाने नहीं देगी। अब इन्हें कौन बताए कि इससे पहले तो खुद समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल संभल जाने को आतुर था। सपा अध्यक्ष व सांसद और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर पार्टी का 15 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल संभल का दौरा करना चाह रहा था, लेकिन वह भी कामयाब नहीं हुआ। इसके बाद अब राहुल और प्रियंका ने यह कदम उठाया है। इस पर कांगेस नेता जयराम रमेश का बयान आता है कि राहुल और प्रियंका को संभल नहीं जाने देना तानाशाही है, जबकि वहां जाना हमारे नेताओं का संवैधानिक अधिकार है। इसी तरह की बात अखिलेश यादव भी कर चुके हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म में एक पोस्ट करते हुए कहा था कि संभल जाने पर प्रतिबंध लगाना भाजपा सरकार के शासन, प्रशासन और सरकारी प्रबंधन की नाकामी है। इस पोस्ट में एक महत्वपूर्ण बात यह कही गई है कि यह प्रतिबंध यदि सरकार उन लोगों पर पहले ही लगा देती, जिन्होंने दंगा-फसाद करवाने का सपना देखा और उन्मादी नारे लगवाए तो संभल में सौहार्द्-शांति का वातावरण नहीं बिगड़ता। वाकई राजनीतिक रोटियां सेंकने की बजाय देशहित में यदि मामलों को शांतिपूर्ण ढंग से हल किया जाता तो न हिंसा होती और न ही किसी को अपनी जान से ही हाथ धोना पड़ता। इस मामले में शासन-प्रशासन फेल रहा है, लेकिन विपक्ष भी इसे लेकर दूध का धुला नहीं कहा जा सकता है। आखिर मामले को विस्फोटक होने तक का इंतजार विपक्ष क्यों करता है? उससे पहले ही शासन-प्रशासन की आंखें खोलने के लिए जिम्मेदारी के साथ फैसले क्यों नहीं लिए जाते हैं और विरोधी कदम क्यों नहीं उठाए जाते हैं। जनहित में मामलों को उठाना और उस पर सार्थक बहस करना और जनता तक ले जाना विपक्ष की जिम्मेदारी होती है। उसे अपने गिरेबान में भी झांकने की जरुरत है। आखिर कांग्रेस नेता राहुल गांधी जैसे विपक्ष में कितने नेता मौजूद हैं जो बिना स्वंय के लाभ-हानि को देखे, देश की मूल समस्या को हल करने हजारों किलोमीटर का सफर पैदल तय कर रहे हैं। आखिर कब तक मुद्दों को बनाए रखने और राजनीतिक रोटियां सेंके जाने का खेल देश में जारी रहेगा? यह सवाल विचारणीय है, क्योंकि आजादी से पहले जो अमीर-गरीब के बीच खाई मौजूद थी वो आज और भी चौड़ी हो चली है, लेकिन हमारे देश के कर्ता-धर्ताओं को तो वह खाई दिखाई ही नहीं दे रही है। यह वह जख्म है जिसका यदि वक्त रहते इलाज नहीं किया गया तो यह नासूर बन जाएगा।

शेयर बाजार हल्की तेजी के साथ बंद

मुम्बई।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेत मिलने के साथ ही लिवाली से बाजार में ये बढ़त आई। एचडीएफसी और आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों में खरीदारी से भी बाजार ऊपर आया । दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स सेंसेक्स 110.58 अंक करीब14 फीसदी बढ़त लेकर 80,956.33 पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 0.04 फीसदी तकरीबन 10.30 अंक बढ़कर 24,467.45 के स्तर पर बंद हुआ। आज सेंसेक्स की कंपनियों में एचडीएफसी बैंकअपने नए शीर्ष स्तर पर पहुंच गया। एचडीएफ़सी 1.82 फीसदी उछलकर 18 60.05 रुपये पर बंद हुआ। यह शेयर पिछले एक महीने में 8.52 फीसदी बढ़ा है। वहीं पिछले छह महीने के दौरान इसमें 25 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई है। इसके अलावा एनटीपीसी, टेक महिंद्रा, आईटीसी, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, इंफोसिस, लार्सन एंड टुब्रो, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस के शेयर भी उछले हैं। वहीं भारती एयरटेल के शेयर में आज सबसे अधिक गिरावट रही । इसके अलावा टाटा मोटर्स, अदानी पोर्ट्स, पावर ग्रिड, मारुति, रिलायंस के शेयर भी नीचे आकर बंद हुए। एचडीएफसी बैंक और आईटी स्टॉक्स के शेयरों में खरीदारी से भी बाजार में आज उछाल आया है। इसके अलावा विदेशी निवेशकों की हालिया खरीदारी से भी बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। , एशिआई बाजारों में गिरावट के बाद भी घरेलू बाजारों में मजबूती रही।

वहीं गत सत्र में भी बाजार में तेजी रही थी। इससे पहले आज सुबह बुधवार बढ़त के साथ खुले। सेंसेक्स करीब 190 अंक की बढ़त लेकर 81,036.22 पर खुला। इसी तरह निफ्टी-50 भी बढ़त में खुला और 24,500 के पास पहुंच गया।

सीमेंट की कीमत पांच साल के निचले स्तर पर

- भविष्य में भी किसी महत्वपूर्ण मूल्य वृद्धि की उम्मीद नहीं

मुंबई।

सीमेंट की कीमतों में गिरावट से खुशखबरी मिली है क्योंकि यह सभी उम्मीदवारों के लिए आकर्षक है, जो अपने सपनों के घर की नींव रखने की सोच रहे हैं। सीमेंट सेक्टर में तेज प्रतिस्पर्धा से कंपनियों के बीच मूल्य घटाने की चुनौती देने वाली है। पिछले पांच साल के निचले स्तर पर पहुंचने से यह बड़ी कामयाबी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि मांग में कमी के कारण सीमेंट की कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है, जो कंपनियों के लिए मूल्य निर्धारण में चुनौती बना रही है। इसे स्थिति भविष्य में भी बनी रहने की संभावना है, और किसी महत्वपूर्ण मूल्य वृद्धि की उम्मीद नहीं है। रिपोर्टे के अनुसार वित्तीय वर्ष 25-26 तक मांग में सुधार की संभावना है, जो इंफ्रास्ट्रक्रर परियोजनाओं, आवास मांग में पुनरुद्धार और रियल एस्टेट गतिविधियों से प्रेरित होगी। यह सीमेंट उद्योग के लिए बड़ी खुशखबरी है जिससे डिमांड-सप्लाई के बैलेंस में सुधार होगा। सीमेंट उद्योग की क्षमता में वृद्धि की उम्मीद है, जो वित्त वर्ष 25 और वित्त वर्ष 30 के बीच लगभग 90 मिलियन टन सीमेंट क्षमता जोड़ने की संभावना है। वित्त वर्ष 27 और वित्त वर्ष 28 तक क्षमता चाहे 703 मिलियन टन और 723 मिलियन टन तक पहुंच सकती है। इस पूरे सेक्टर में सीमेंट की कीमतों में गिरावट और उद्योग की क्षमता में वृद्धि के अनुसार लोगों के लिए अपने सपनों के घर की निर्माण में नए आसानियां खुली है।

भारत में 20 प्रतिशत साइबर अपराधों में हमलावरों ने डार्क वेब का किया इस्तेमालः रिपोर्ट

– पिछले साल एम्स पर रैंसमवेयर हमलों के लिए भी डार्क वेब का इस्तेमाल हुआ था

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में कम से कम 20 प्रतिशत साइबर अपराधों को डार्क वेब का इस्तेमाल करके किया जा रहा है, एक रिपोर्ट में उजागर किया गया है।

डार्क वेब एक मंच है जिसे उपयोगकर्ता विशेष उपकरणों का इस्तेमाल करके पहुंच सकते हैं, पहचान करना और स्थान पता लगाना मुश्किल होता है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में करीब 20 प्रतिशत साइबर अपराधों में हमलावरों ने डार्क वेब का सहारा लिया है। ये अपराध डेटा सेंधमारी, हैकिंग, रैंसमवेयर आदि जैसे गंभीर अपराधों की ओर संकेत कर रहे हैं। गुरुग्राम स्थित लिसिएंथस टेक के सीईओ ने बताया कि एक व्यक्ति को डार्क वेब के माध्यम से गांजा बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पिछले साल, एम्स पर रैंसमवेयर हमलों के लिए भी डार्क वेब का इस्तेमाल हुआ था। रिपोर्ट के मुताबिक डार्क वेब का इस्तेमाल पिछले दशक में दोगुना हो गया है। साइबर सुरक्षा के मामले में उपयोगकर्ताओं को अलर्ट रहने की जरूरत है।

आंध्र प्रदेशः अदाणी ग्रीन सौर ऊर्जा परियोजना में मंजूरी का मुद्दा

- ग्रामीण इलाकों और कृषि क्षेत्रों को सस्ती बिजली मुफ्त मिलने की योजना का मामला

मुंबई।

आंध्र प्रदेश के पिछले मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी के शासनकाल में 2021 में विवादास्पद अदाणी ग्रीन सौर ऊर्जा परियोजना को नियामकीय मंजूरी मांगी गई थी। इस परियोजना के तहत ग्रामीण इलाकों और कृषि क्षेत्रों को सस्ती बिजली मुफ्त मिलने की योजना थी लेकिन इस परियोजना के चारों ओर विवाद उभरने लगे हैं। 2021 से 2024 के बीच, आंध्र प्रदेश विद्युत नियामक आयोग (एपीईआरसी) और केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (सीईआरसी) के बीच हुई जानकारियों से पता चलता है कि प्रोजेक्ट की शर्तों में ग्रामीण इलाकों को मुफ्त बिजली की 9 घंटे मिलने का दावा किया गया था। इसके साथ ही भारत सरकार के निर्धारित 500 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य को पाने में योगदान देने की बात की गई थी। अदाणी ग्रीन और सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (सेकी) के साथ हस्ताक्षरित बिजली बि ी समझौते में तो यह सभी उद्देश्य शामिल थे, लेकिन यह समझौता एक विवाद की मंजूरी से गुजरना पड़ा। एसईसी की जांच के अनुसार, अदाणी ग्रीन और एज्योर पावर के अधिकारियों ने राज्य के अधिकारियों को रिश्वत की पेशकश की थी। इस कार्रवाई में कई कानूनी मामलों का सामना करना पड़ा है। सीईआरसी ने 2022 में आंध्र प्रदेश और अन्य राज्यों के बीच बिजली खरीद-बि ी अनुबंध पर मंजूरी दी थी, जिसमें से 7 गीगावॉट बिजली आंध्र प्रदेश के लिए थी। बाकी भाग के अथवा पूरी खरीद को संभावित वारंट के कारण रोक दिया गया था। आंध्र प्रदेश सरकार ने अपने लिए इस परियोजना को ग्रामीण इलाकों में सीधे बिजली आपूर्ति करने के लिए एपी रूरल एग्रीकल्चर पावर सप्लाई कंपनी के साथ संपर्क स्थापित किया था। इस सभी विवादों और उलझनों से जगन मोहन रेड्डी की सरकार को उठने वाले चुनौतियों का सामना करना होगा। इस मुद्दे पर सरकार और नियामक संस्थानों के बीच सहयोग और सहयोग की आवश्यकता है ताकि सवालों का सही समाधान निकाला जा सके।

भारत के लिए 2025 के बजट की तैयारी शुरू

- इस बार का बजट होगा मोदी सरकार 3.0 का पहला बजट होगा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने अपने तीसरे कार्यकाल के लिए 2025 के बजट की तैयारी की शुरूआत कर दी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विभिन्न सेक्टरों के साथ बजट पूर्व परामर्श बैठकें शुरू की हैं। इन बैठकों में सरकार ने विभिन्न उद्योग संगठनों और विशेषज्ञों से राय लेने का फैसला किया है। वित्त मंत्री ने बताया कि वर्तमान वित्त वर्ष में भारत की अर्थव्यवस्था 5.4 प्रतिशत तक की दर से नीचे रही है और आगामी बजट में इस स्थिति को सुधारने की योजना बनाई जा रही है। इसके अलावा वित्त मंत्री ने किसान संगठनों, कृषि अर्थशास्त्रियों और एमएसएमई क्षेत्र से भी मिलकर बजट के मुद्दों पर चर्चा करने की योजना बताई है। इस बार का बजट होगा मोदी सरकार 3.0 का पहला बजट, जिसका ध्यान विकसित भारत के लक्ष्यों को हासिल करने पर होगा। वित्त मंत्री की बैठकों में श्रमिक संगठनों, वित्तीय क्षेत्रों और सेवा क्षेत्रों के प्रतिनिधियों से भी मिलने की संभावना है। बजट सरकार के लिए अहम दस्तावेज होता है जो आय और खर्च के लेखाजोखे के साथ-साथ राष्ट्रीय विकास की दिशा में महत्वपूर्ण नीतियों को जारी रखता है। इस साल का बजट संसद में एक फरवरी को पेश किया जाने की संभावना है, जिसमें विकसित भारत के सपने की मद्दद करने वाली महत्वपूर्ण योजनाएं हो सकती हैं।

रुपया डॉलर के मुकाबले 84.68 पर स्थिर

- रुपया मंगलवार को चार पैसे की बढ़त के साथ 84.68 पर बंद हुआ

मुंबई (ईएमएस)। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 8 4.68 पर स्थिर रहा। विदेशी मुद्राओं के मुकाबले डॉलर में मजबूती और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में ब्रेंट क्रूड में तेजी ने स्थानीय मुद्रा की बढ़त को सीमित किया, जबकि घरेलू शेयर बाजारों में तेजी की वजह से रुपये को थोड़ा समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.66 प्रति डॉलर पर खुला जो पिछले बंद भाव के मुकाबले दो पैसे की बढ़त को दिखाता है। शुरुआती सौदों के बाद पिछले बंद भाव के बराबर 84.68 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। रुपया मंगलवार को चार पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.68 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.13 प्रतिशत की बढ़त के साथ 106.50 पर रहा।

क्रिसमस और नए साल में हवाई किराए में तेजी नहीं

- भारतीय विमानन कंपनियां दिसंबर में हर सप्ताह 22,645 उड़ानों का संचालन करेंगी

नई दिल्ली (ईएमएस)।

इस साल क्रिसमस और नए साल के दौरान यात्रा के लिए हवाई किराये में खास बढ़ोतरी नहीं हुई है। विमान ईंधन की कीमतों में नरमी, विभिन्न उड़ानों की मांग में तेजी की उेमीद के कारण फिलहाल किराये नियंत्रण में दिख रहे हैं।

यात्रा वेबसाइट इग्जिगो के आंकड़ों के अनुसार 24 दिसंबर से 1 जनवरी के बीच यात्रा के लिए दिल्ली-गोवा मार्ग पर औसत हवाई किराया 9,301 रुपये रहा है, जो पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले महज 2 फीसदी अधिक है। यह किराया 30 दिन पहले बुक किए गए टिकटों के हैं। दिल्ली-कोलकाता मार्ग भारत के सबसे व्यस्त मार्गों में शामिल है जहां हर सप्ताह 160 से अधिक उड़ानों का संचालन होता है। इग्जिगो के अनुसार 24 दिसंबर से 1 जनवरी के बीच इस मार्ग पर औसत हवाई किराये में एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले 29.7 फीसदी की कमी दर्ज की गई है। ये किराये प्रस्थान से 30 दिन पहले बुक किए गए टिकटों के हैं।

विमानन कंपनियों के अधिकारियों ने कहा कि हालिया सप्ताहों के दौरान लोड फैक्टर में लगातार मजबूती बनी हुई। उन्होंने कहा कि आगामी सप्ताहों में भी लोड फैक्टर में मजबूती बरकरार रहने के आसार हैं। एक अधिकारी ने कहा`कि विमानों के जमीन पर खड़े होने एवं अन्य कारणों से कुछ क्षमता प्रभावित हुई है, लेकिन हवाई किराये में काफी हद तक स्थिरता बनी हुई है। आने वाले दिनों में क्रिसमस सप्ताह के लिए मांग बढ़ने की उेमीद है। विमानन विश्लेषण फर्म सिरियम के अनुसार, भारतीय विमानन कंपनियां दिसंबर में हर सप्ताह 22,645 उड़ानों का संचालन करने वाली हैं जो पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले करीब 8 फीसदी अधिक है।

ओला इलेक्ट्रिक स्कूटर की 33प्रतिशत कम हुई सेल

नई दिल्ली।

वाहन पोर्टल के डेटा के अनुसार, नवंबर 2024 में ओला इलेक्ट्रिक के 27,746 वाहनों का पंजीकरण हुआ, जो अक्टूबर की तुलना में 33प्रतिशत कम है। त्योहारी सीजन में रिकॉर्डतोड़ बि ी के बाद इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में नवंबर का महीना कुछ निराशाजनक साबित हुआ है। प्रमुख ईवी निर्माता ओला इलेक्ट्रिक की मासिक बि ी में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। अक्टूबर में यह आंकड़ा 40,000 यूनिट्स से अधिक था, जो कंपनी के लिए अब तक का एक बड़ा माइलस्टोन था। पंजीकरण में आई गिरावट ने ओला इलेक्ट्रिक के बाजार हिस्सेदारी पर भी असर डाला। नवंबर में कंपनी का मार्केट शेयर घटकर 24 प्रतिशत रह गया, जो अक्टूबर में 30प्रतिशत था। हालांकि, इसके बावजूद, ओला इलेक्ट्रिक दोपहिया ईवी बाजार में अपनी अग्रणी स्थिति बनाए हुए है। विश्लेषकों का मानना है कि बि ी में इस गिरावट का कारण बढ़ती प्रतिस्पर्धा, प्रोडक्ट क्वालिटी से जुड़ी शिकायतें और खराब सर्विस का होना है। ओला इलेक्ट्रिक के अलावा, अन्य प्रमुख ईवी निर्माताओं की बि ी भी प्रभावित हुई। टीवीएस मोटर के ईवी दोपहिया वाहनों के पंजीकरण में नवंबर के दौरान 13प्रतिशत की गिरावट आई और यह संख्या 26,036 यूनिट्स रही। हालांकि, टीवीएस की बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 23प्रतिशत हो गई, जो अक्टूबर में 21.5प्रतिशत थी। बजाज ऑटो की स्थिति भी इसी तरह की रही। कंपनी ने नवंबर में 24,978 ईवी दोपहिया वाहनों का पंजीकरण किया, जो मासिक आधार पर 12प्रतिशत कम है। हालांकि, बाजार हिस्सेदारी में वृद्धि हुई और यह 20प्रतिशत से बढ़कर 22प्रतिशत हो गई। एथर एनर्जी ने नवंबर में 12,217 यूनिट्स का पंजीकरण किया, जो अक्टूबर के 16,148 यूनिट्स के मुकाबले 24प्रतिशत कम है।

लगातार गिरती बि ी ने कंपनी की बाजार स्थिति को प्रभावित किया है। बड़ी कंपनियों की बिक्री में गिरावट का असर कुल ईवी बाजार पर भी पड़ा। नवंबर में इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों का कुल पंजीकरण 1.14 लाख यूनिट्स रहा, जो अक्टूबर की तुलना में 18प्रतिशत कम है। हालांकि, सालाना आधार पर यह संख्या 23.5प्रतिशत अधिक रही, जिससे यह संकेत मिलता है कि लंबी अवधि में ईवी बाजार का प्रदर्शन सकारात्मक है। त्योहारी सीजन के बाद की यह मंदी दर्शाती है कि इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में प्रतिस्पर्धा लगातार बढ़ रही है।

देश में सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में नवंबर महीने में मामूली गिरावट

- रोजगार वृद्धि 2005 के बाद सबसे तेज

नई दिल्ली। देश में सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में नवंबर महीने में मामूली गिरावट दर्ज की गई है, हालांकि रोजगार में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है। एचएसबीसी इंडिया सेवा व्यवसाय गतिविधि सूचकांक ने अक्टूबर से नवंबर तक मामूली गिरावट सांकेतिक है। इस गिरावट से अंग्रेजी भाषा के प्रीमियम सूचकांक में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से होता है। एचएसबीसी के एक मुख्य अर्थशास्त्री ने इस वृद्धि दर को तारीफ की और बताया कि रोजगार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह गति अत्यंत तेज बढ़ी है, जो इस सर्वेक्षण के शुरू होने के बाद सबसे अच्छी है। उन्होंने कहा कि कारोबारी आत्मविश्वास में सुधार, नए ऑर्डर में वृद्धि और अंतरराष्ट्रीय मांग का जोरदार दिखावा है। सर्वेक्षण में शामिल लोगों ने निर्यात ऑर्डरों में सुधार का संकेत देते हुए यह बताया कि मांग में इजाफा देखा गया है। लेकिन कच्चे माल की कीमतों का वृद्धि और श्रम लागत की बढ़त से मुद्रास्फीति पर दबाव बना रहा है।

अमेजन ने फाउंडेशन मॉडल की नई पीढ़ी 'नोवा' की घोषणा की

- नए सेट में अमेजन नोवा माइक्रो, अमेजन नोवा लाइट और अमेजन नोवा प्रो शामिल

लास वेगास। अमेजन ने एडब्ल्यूएस के वार्षिक कार्यक्रम 'रीइन्वेंट' में एक बड़ी घोषणा की है। उन्होंने एक नई पीढ़ी के अक्षमता श्रृंखला नोवा का बोलबाला किया है। अमेजन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) की क्लाउड कंप्यूटिंग शाखा का फाउंडेशन मॉडल को 'नोवा' कहा जा रहा है। इस नई सेट में अमेजन नोवा माइक्रो, अमेजन नोवा लाइट और अमेजन नोवा प्रो शामिल हैं, जो अब उपलब्ध हैं। अमेजन नोवा प्रीमियर की भी जल्दी होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि हम अपने फ्रंटियर मॉडल पर काम कर रहे हैं जो पिछले कुछ महीनों में बहुत प्रगति कर रहा है। हमारी उम्मीद है कि यह नया मॉडल भी हमें सफलता देगा। एडब्ल्यूएस के पूर्व सीईओ ने एक और धमाकेदार घोषणा की, जिसमें इमेज-जनरेशन मॉडल, अमेजन नोवा कैनवस और वीडियो-जनरेटिंग मॉडल शामिल हैं। इस नयी नई पीढ़ी ने तकनीकी दुनिया को दी है नई उम्मीदें।

एंटलर इंडिया 2025 में 50 स्टार्टअप में निवेश करेगा

– 2.5 करोड़ डॉलर का निवेश किया जाएगा

नई दिल्ली। एंटलर इंडिया एक व्यापक उद्यम पूंजी कंपनी ने एक एम्बिशनस प्लान की घोषणा की है कि 2025 में 50 स्टार्टअप कंपनियों में 2.5 करोड़ डॉलर का निवेश किया जाएगा। कंपनी ने इस प्लान के बारे में बुधवार को जानकारी दी। पिछले साल, एंटलर इंडिया ने अपने पहले 7.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर के कोष के माध्यम से 30 स्टार्टअप कंपनियों में निवेश किया था। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उनकी योजना अगले साल निवेश को और बढ़ाने की है, और 2025 में 50 स्टार्टअप में निवेश करने की है। अधिकारी ने कहा कि वर्ष 2024 में वे 30 कंपनियों में निवेश कर चुके हैं, जिन्हें ने उनकी कंपनी के विचारों को सत्यापित करने और मजबूत दल बनाने का मौका दिया। इसके अलावा, उन्होंने बताया कि उन्हें शुरुआती ग्राहकों को प्राप्त करने का अवसर मिला। एंटलर इंडिया की इस योजना से स्थानीय उद्यमियों और नौजवान उद्यमकर्ताओं के लिए एक साफ़ संकेत मिल रहा है कि भविष्य में वे अधिक संभावना से उनके सपनों को पूरा कर सकते हैं।

देश में वर्ष 2030 तक 3.12 करोड़ किफायती आवासों की होगी कमीः रिपोर्ट

किफायती आवासों का संभावित बाजार आकार 67 लाख करोड़ है

नई दिल्ली। भारत में 2030 तक 3.12 करोड़ किफायती आवासों की कमी होने का अनुमान है, जिसका संभावित बाजार आकार 67 लाख करोड़ रुपये है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और रियल एस्टेट सलाहकार ने एक संयुक्त रिपोर्ट में इस अंतिमता का मापदंड रखा। नाइट फ्रैंक इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि किफायती आवास की कमी अभी से मौजूद है और यह एक बड़ा व्यावसायिक अवसर है, विशेषकर रियल एस्टेट डेवलपरों के लिए। उन्होंने कहा कि इस खंड में आवास वित्त संस्थाएं के लिए भी कई अवसर हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि किफायती आवास क्षेत्र वित्तीय संस्थाओं के लिए 45000 अरब रुपये तक का संभावित वित्तपोषण प्रदान कर सकता है। इससे भारतीय उद्योग में वृद्धि दर्शायी जा सकती है, जो इस खंड में मौजूदा ऋण मात्रा से तीन गुणा है। सारांश में, भारत में किफायती आवासों की कमी ने नए व्यापारिक अवसरों का संकेत दिया है, जिससे रियल एस्टेट उद्योग में वृद्धि की संभावना है।

टेस्ला के सीईओ एलन मस्क का फिर से खारिज किया गया पैकेज

- टेस्ला के शेयर मूल्य में 1.4 फीसदी की गिरावट आई

नई दिल्ली। अमेरिका के डेलावेयर की एक अदालत ने टेस्ला की माननीय सीईओ एलन मस्क के अत्यधिक सैलरी पैकेज को एक बार फिर से खारिज कर दिया है। इस विवादित पैकेज को टेस्ला के शेयरधारकों ने पुनर्विचार करने के लिए मतदान किया था, लेकिन जज कैथलीन मैककॉर्मिक ने अपने पहले फैसले को वापस नहीं लिया। 2018 में टेस्ला के बोर्ड ने मस्क के 2.6 बिलियन के सैलरी पैकेज को मंजूर किया था, लेकिन अब इसकी कीमत 56 बिलियन डॉलर तक पहुंच गई थी। इस फैसले के बाद टेस्ला के शेयर मूल्य में 1.4 फीसदी की गिरावट आई। लेकिन मस्क के पास इस फैसले के खिलाफ अपील करने का अधिकार है। जज ने फैसले में कहा कि मस्क का प्रस्तावित सैलरी पैकेज अत्यधिक है और यह शेयरहोल्ड्स के हित में नहीं है। टेस्ला की तरफ से भ्रामक जानकारी भी दी गई थी जिसके कारण जज ने यह फैसला सुनाया। इस फैसले के बाद मस्क और टेस्ला के वकीलों को 345 मिलियन डॉलर का मुआवजा देने का भी आदेश दिया गया है। वकीलों ने 10 बिलियन डॉल्र की मांग की थी।

लोकसभा में बैंकिंग लॉ अमेंडमेंट बिल 2024 पास

- बैंक खाते में अब एक की जगह जोड़ सकेंगे 4 नॉमिनी

नई दिल्ली। लोकसभा में बैंकिंग अमेंडमेंट बिल 2024 पारित हो गया है, जिससे भारतीय बैंक कार्यप्रणाली में कई महत्वपूर्ण सुधार होंगे। यह बिल बारह साल में बैंक खाते में चार नॉमिनी की स्थापना की अनुमति देता है, जिससे निवेशकों की सुरक्षा में सुधार होगा। अब निवेशक आईईपीएफ के माध्यम से डिविडेंड, शेयर, इंटरेस्ट और बॉन्ड की रकम का दावा कर सकेंगे। बिल द्वारा स्थापित किए गए नियमों के अनुसार, बैंक खाताधारकों को पैसे देने के लिए दो विकल्प उपलब्ध होंगे। इन नियमों के माध्यम से अनक्लेम्ड धन को सही उत्तराधिकारी तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। बैंकिंग अमेंडमेंट विधेयक के लागू होने से सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक के डायरेक्टर्स को अब स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक में भी काम करने की अनुमति मिलेगी। डायरेक्टर्स का कार्यकाल अब 10 साल तक बढ़ा दिया गया है। इस अद्यतनीकरण के माध्यम से सरकारी बैंकों को ऑडिटर्स की फीस तय करने और उच्चस्तरीय प्रतिष्ठित कामगारों को भर्ती करने की अनुमति होगी। यह बदलाव बैंक की ऑडिट क्षमता को मजबूत करेगा। साथ ही बैंकों को भारतीय रिजर्व बैंक को रिपोर्ट देने की समय सीमा में बदलाव करने की भी अनुमति होगी। इससे बैंकों को रिपोर्ट प्रस्तुत करने में अधिक विश्वसनीयता और सुचारूति मिलेगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईसीसी रैंकिंग में यशस्वी जायसवाल और विराट कोहली को बड़ा नुकसान, बुमराह की बादशाहत कायम

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी ने ताजा टेस्ट रैंकिंग जारी कर दी है। इस रैंकिंग में भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और विराट कोहली को नुकसान हुआ है। जबकि जसप्रीत बुमराह की बादशाहत कायम है। दरअसल, पिछले हफ्ते के अपडेट में दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका के बीच खेले गए पहले टेस्ट के अलावा न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के बीच खेले गए पहले टेस्ट को भई शामिल किया गया है।

वहीं टेस्ट रैंकिंग की बात करें तो, इंग्लैंड के जो रूट पहले स्थान पर बने हुए हैं जबकि इंग्लैंड के ही हैरी ब्रूक दो स्थान के फायदे से दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। न्यूजीलैंड के केन विलियमसन तीसरे स्थान पर हैं तो भारत के यशस्वी जायसवाल दो स्थान के नुकसान के साथ चौथे नंबर पर खिसक गए हैं। श्रीलंका के कमिंडू मेंडिस दो स्थान के फायदे से अब सातवें नंबर पर हैं तो साउथ अफ्रीका के टेम्बा बावुमा 14 स्थान के जबरदस्त फायदे से सीधे 10वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

इसके अलावा भारतीय सलामी बल्लेबाज विराट कोहली टॉप 10 से बाहर हो गए हैं, उन्हें एक स्थान का नुकसान हुआ और वह अब 14वें स्थान पर हैं। श्रीलंका के धनंजय डी सिल्वा एक स्थान के फायदे से 15वें तो दिनेश चंडीमल दो स्थान के फायदे से 17वें पर पहुंच गए हैं। इंग्लैंड के ओली पोप आठ स्थान के फायदे से 32वें नंबर पर तो बेन स्टोक्स सात स्थान के फायदे से 34वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

हालांकि, टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में भारतीय गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पहले और दक्षिण अफ्रीका के कगिसो रबाडा उनके बाद दूसरे स्थान पर कायम हैं। श्रीलंका के प्रभात जयसूर्या तीन स्थआन के नुकसान से आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं डरबन टेस्ट में 11 विकेट अपने नाम करने वाले दक्षिण अफ्रीका के मार्को यानसेन 19 स्थान के जबरदस्त फायदे से सीधे 9वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

सचिन की बेटी सारा तेंदुलकर बनी एसटीएफ इंडिया फाउंडेशन की डायरेक्टर

मुम्बई (एजेंसी)। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का फाउंडेशन (एसटीएफ इंडिया) मुख्य रूप से गरीब बच्चों को शिक्षा, स्वास्थ्य और खेल से जोड़ने का काम करता है की कमान अब उनकी बेटी सारा तेंदुलकर संभालेंगी। सचिन ने सोशल मीडिया पर बताया कि उनकी बेटी सारा अब इस फाउंडेशन में डायरेक्टर के पद पर काम करेंगी।

तेंदुलकर ने अपने पोस्ट में कहा, मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि मेरी बेटी सारा तेंदुलकर एसटीएफ इंडिया में डायरेक्टर के तौर पर शामिल हो गई हैं। अब सारा भारत में खेल, स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा के माध्यम से समाज को सशक्त बनाने की यात्रा पर निकल रही हैं।

सचिन ने यह भी साझा किया कि सारा तेंदुलकर ने फाउंडेशन के कार्यों में अपनी भागीदारी शुरू कर दी है और उन्होंने कुछ तस्वीरें भी शेयर की हैं, जिनमें सारा बच्चों के साथ समय बिताती हुई नजर आ रही हैं। तस्वीरों में सारा बच्चों के साथ बैठी हुई मस्ती करती दिखाई दे रही हैं, जो यह दर्शाती है कि वह न केवल एक नेतृत्वकर्ता के रूप में, बल्कि एक प्रेरणादायक और सहयोगात्मक भूमिका में भी सक्रिय हैं।

सचिन की इस फाउंडेशन का उद्देश्य भारत के गरीब बच्चों को शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं और खेल के माध्यम से एक बेहतर भविष्य देना है। इस फाउंडेशन के को-फाउंडर और डायरेक्टर सचिन और उनकी पत्नी अंजलि तेंदुलकर हैं। अब सारा के इस महत्वपूर्ण पद पर आसीन होने से फाउंडेशन के कार्यों को और गति मिलेगी और यह उम्मीद जताई जा रही है कि वह अपने पिता के दृष्टिकोण और मिशन को और आगे बढ़ाएंगी।

सब जूनियर खिलाड़ियों के साथ अनुभव अच्छा रहा : रानी

रोहतक (एजेंसी)। पिछले महीने माह ही हॉकी को अलविदा भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान रानी रामपाल आजकल जूनियर महिला टीम की कोच के तौर पर काम कर रही हैं। इसी को लेकर रानी ने कहा, ''सब जूनियर खिलाड़ियों के साथ काम करने का मेरा

अनुभव बहुत अच्छा रहा और मैंने इससे काफी कुछ सीखा। वे युवा लड़कियां थीं जो मेरे जैसी ही पृष्ठभूमि से आती हैं। उनकी परेशानियों को समझना और उनका मार्गदर्शन करना आसान था।'' उन्होंने कोच के तौर पर अपने अनुभव के बारे में कहा,''मैंने उनसे कहा कि अगर मैं सफल हो सकती हूं तो आप भी हो सकती हो। उन्हें मार्गदर्शन की जरूरत है और मैंने उनके साथ अपने अनुभव साझा करके उन्हें वह मार्गदर्शन देने का प्रयास किया है।'' वह आगामी हॉकी इंडिया लीग में सूरमा हॉकी क्लब के लिए मेंटर (मार्गदर्शक) के रूप में भी काम करेंगी। इसमें पहली बार महिलाओं का टूर्नामेंट भी होगा। रानी ने साल 2008 में 14 साल की उम्र में ओलंपिक क्वालीफायर में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदार्पण किया था। इसलिए उन्हें पता है कि एक युवा खिलाड़ी किस तरहके दबाव का अनुभव करता है। उन्होंने कहा,''मैं सूरमा क्लब की मेंटर बनने जा रही हूं इसलिए मैं अपनी सर्वश्रेष्ठ क्षमता से उस भूमिका को निभाने का प्रयास करुंगी। युवा खिलाड़ियों पर मानसिक और भावनात्मक रूप से प्रदर्शन करने का बहुत दबाव होता है। मैं इसमें उनकी मदद करना चाहूंगी। वहीं सीनियार हॉकी टीम को इस पूर्व कप्तान कहा है कि एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर भारतीय टीम ने एक प्रकार से 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों के लिए अपनी तैयारी शुरु कर दी है। इससे पता चलता है कि टीम सही दिशा में आगे बढ़ रही है। रानी ने कहा, ''एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी की जीत हमारी महिला हॉकी टीम को और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगी। यह अच्छी शुरुआत है। इससे तय है कि कोच हरेंद्र सिंह के नेतृत्व में टीम अच्छा प्रदर्शन करेगी।''

भारतीय महिला टीम के सामने ऑस्ट्रेलिया को उसके गढ़ में हराने की कड़ी चुनौती

ब्रिसबेन (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया की पुरूष टीमों के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी को लेकर बनी हाइप के बीच दोनों देशों की महिला क्रिकेट टीमें बृहस्पतिवार से यहां एलेन बॉर्डर फील्ड पर तीन मैचों की वनडे श्रृंखला खेलेगी तो हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम की नजरें ऑस्ट्रेलिया में अपना रिकॉर्ड दुरूस्त करके अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप की तैयारियों का आगाज करने पर होंगी।

अक्टूबर में टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बनाने में विफल रही भारतीय टीम ने पिछले महीने न्यूजीलैंड को घरेलू वनडे श्रृंखला में 2-1 से हराया। ऑस्ट्रेलिया की चुनौती हालांकि भारत के लिये हमेशा कठिन रही है जिसने यहां अब तक सोलह वनडे में से चार ही जीते हैं। पिछली बार 2021 में यहां तीन मैचों की श्रृंखला में आस्ट्रेलिया ने भारत को 2-1 से हराया था।

वहीं पिछले करीब 9 महीने से इस प्रारूप में नहीं खेली गत चैम्पियन ऑस्ट्रेलिया की नजरें अगले साल भारत में होने वाले वनडे विश्व कप से पहले खुद को आजमाने पर लगी होंगी। भारत की उम्मीदों का दारोमदार हालांकि अनुभवी सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना पर रहेगाा जिन्होंने पिछले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ निर्णायक वनडे में शतक जमाकर भारत को जीत दिलाई। उन पर इस लय को कायम रखते हुए भारत को ठोस शुरुआत देने की जिम्मेदारी रहेगी। उन्होंने पिछले छह वनडे में सत्तर से ऊपर की औसत से 448 रन बनाए हैं।

दूसरी ओर आस्ट्रेलिया को कप्तान एलिसा हीली की कमी खलेगी जो घुटने की चोट के कारण बाहर हैं। यह श्रृंखला आईसीसी महिला चैम्पियनशिप का हिस्सा है जिसमें आस्ट्रेलिया फिलहाल 18 में से 13 वनडे जीतकर पहले स्थान पर है। इस चैम्पियनशिप से मेजबान भारत के अलावा पांच टीमों को अगले साल होने वाले विश्व कप में स्वतः जगह मिलेगी। हीली की जगह क्वींसलैंड और सिडनी थंडर्स की बल्लेबाज जॉर्जिया वोल को पदार्पण का मौका दिया गया है। हरफनमौला ताहलिया मैकग्रा टीम की कमान संभालेंगी जिनके प्रदर्शन पर बहुत कुछ निभर करेगा।

मैकग्रा ने कहा, 'भारतीय टीम में कई बड़े खिलाड़ी है। उनके खिलाफ हर मुकाबला कड़ी टक्कर वाला होता है। मैच में कई अहम क्षण होते हैं। हमारे घरेलू मैचों में भी भारतीय टीम को दर्शकों का काफी समर्थन मिलता है।' भारतीय टीम को विकेटकीपर बल्लेबाज यास्तिका भाटिया की कमी खलेगी जो महिला बिग बैश लीग के दौरान मेलबर्न स्टार्स के लिये खेलते हुए कलाई की चोट का शिकार हो गई। उनकी जगह टीम में शामिल की गई युवा विकेटकीपर उमा छेत्री अपनी पहली वनडे श्रृंखला में छाप छोड़ना चाहेंगी।

टीम

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, उमा छेत्री, हरलीन देयोल, रिचा घोष, तेजल हसाबनिस, मिन्नू मनी, प्रिया मिश्रा, प्रिया पूनिया, अरूंधति रेड्डी, जेमिमा रौड्रिग्स, टिटास साधू, दीप्ति शर्मा, रेणुका सिंह ठाकुर, साइमा ठाकौर, राधा यादव।

ऑस्ट्रेलियाः ताहलिया मैकग्रा (कप्तान), एशले गार्डनर, डार्सी ब्राउन, किम गार्थ, अलाना किंग, फोबे लिचफील्ड, सोफी मोलिनू, बेथ मूनी, एलिसे पैरी, मेगान शट, अनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

बुमराह का सामना करने तैयार हैं : कैरी

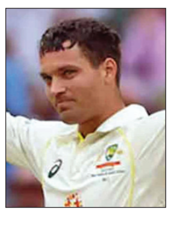

एडीलेड। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज एलेक्स कैरी ने कहा कि उनकी टीम छह दिसंबर से यहां शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच में भारतीय गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का सामना करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। कैरी ने कहा कि गुलाबी गेंद से खेले जाने वाले दिन-रात के इस मैच में बुमराह सहित अन्य भारतीय गेंदबाजों का सामना सामना करने वह बेहतर रणनीत के साथ उतरेंगे। बुमराह ने पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट मैच में आठ विकेट लेकर मेजबान टीम की बल्लेबाजों को ढ़हा दिया था। कैरी ने कहा,'' बुमराह निश्चित तौर पर शानदार गेंदबाज हैं और वह पिछले कई वर्षों से लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है पर हमारे बल्लेबाज भी किसी भी आक्रामण का जवाब देने का तरीका खोज ही लेते हैं।'' उन्होंने कहा,''हमने उसकी गेंदबाजी का आंकलन किया है। उम्मीद है कि हम उसके पहले दूसरे स्पेल का सामना करने में सफल रहेंगे। हमने पहले टेस्ट मैच की दूसरी पारी में देखा था कि किस तरह से ट्रैविस हेड ने उसे जवाब दिया था।'' उन्होंने कहा,''हमें अपने बल्लेबाजों पर पूरा भरोसा है। हम केवल बुमराह ही नहीं, उनके अन्य गेंदबाजों का सामना करने के लिए तरीका खोज लेंगे। भारतीय टीम पहले टेस्ट मैच में कुछ नए गेंदबाजों के साथ उतरी थी और उन्होंने भी अच्छी गेंदबाजी की थी।'' वहीं जोश हेज़लवुड के बल्लेबाजों को लेकर दिये बयान के बाद जहां टीम में दरार की बात की जा रही है वहीं कैरी ने इससे साफ इंकार करते हुए कहा कि ड्रेसिंग रूम में किसी तरह का कोई तनाव नहीं है। उन्होंने कहा कि सभी बल्लेबाज बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं और मैदान पर उतरने के बाद उनका लक्ष्य शतक लगाना रहता है।

यशस्वी जायसवाल वहीं खड़ा है जहां मैं 10 साल पहले था : केएल राहुल

एडीलेड। लोकेश राहुल को 22 वर्षीय यशस्वी जायसवाल में अपनी झलक दिखती है जो अपने पहले ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उसी स्थिति में नजर आ रहे हैं जैसे वह 10 वर्ष पूर्व अपनी शुरुआती ऑस्ट्रेलिया दौरे पर थे। राहुल ने 2014-15 की

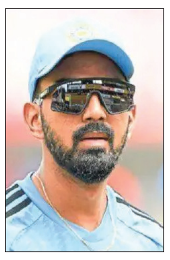

श्रृंखला में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर पदार्पण करते हुए छठे नंबर पर बल्लेबाजी की थी और तीन तथा एक रन की पारी खेली थी। उन्होंने हालांकि अगले ही मैच में सलामी बल्लेबाज के रूप में जोरदार वापसी करते हुए सिडनी में 110 रन बनाकर सभी का ध्यान खींचा था। सिडनी में दूसरी पारी में राहुल नर्वस दिखे थे जहां उन्होंने मुरली विजय के साथ एक घंटा बल्लेबाजी करते हुए 16 रन बनाए थे। राहुल जायसवाल के साथ वही भूमिका निभाने की कोशिश कर रहे हैं जो पूर्व सलामी बल्लेबाज और राष्ट्रीय टीम के सीनियर साथी विजय ने उनके साथ निभाई थी। राहुल और जायसवाल ने पर्थ में पहले टेस्ट की दूसरी पारी में पारी का आगाज करते हुए 201 रन की साझेदारी की थी जो भारतीय रिकॉर्ड है। जायसवाल ने पर्थ में शतक जड़ा था जबकि राहुल ने 77 रन बनाए थे। जायसवाल के साथ अपनी बातचीत के बारे में पूछे जाने पर राहुल ने कहा, 'मैंने उसमें खुद को देखा, जैसा कि मैं 10 साल पहले था, पहली बार पारी का आगाज कर रहा था, बहुत सारे संदेह, बहुत सारी घबराहट और आप अपने खेल पर संदेह करते रहते हैं और आपके दिमाग में बहुत कुछ चलता रहता है और इसलिए आप बस इतना कर सकते हैं कि चीजों को धीमा करने की कोशिश करें, कुछ गहरी सांसें लेने की कोशिश करें।'

वेस्टइंडीज में 15 साल बाद टेस्ट जीती बंगलादेश, यह क्रिकेटर बना हीरो

किंग्स्टन (एजेंसी)। तैजुल इस्लाम (5 विकेट), नाहिद राणा (5 विकेट) और जाकेर अली (91) रनों की शानदार पारी के दम पर बंगलादेश की टेस्ट टीम ने इतिहास रचते हुए 15 साल बाद वेस्टइंडीज को उसी के घर में दूसरे टेस्ट मैच में 101 रनों से शिकस्त दी है। इसी के साथ बंगलादेश ने दो टेस्ट मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली है। टेस्ट में यह तीसरा बार है जब बंगलादेश ने वेस्टइंडीज को उसी के घर में हराया है। इससे पहले उसने 2009 में किंग्स्टन में 97 रनों तथा सेंट जॉर्ज में 4 विकेट से हराया था। बंगलादेश ने दूसरी पारी में जाकिर अली ने (91) की महत्वूपर्ण पारी की बदौलत वेस्टइंडीज के सामने 287 रन का लक्ष्य रखा।

दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की ओर से केवल कावेम हॉज (55) और कप्तान क्रैग ब्रैथवेट (43) संघर्षपूर्ण पारी खेली। जस्टिन ग्रीव्स (20), केसी कार्टी (14) और जॉशुआ डासिल्वा (12) रन बनाए। बंगलादेश के गेंदबाजी आक्रमण के आगे वेस्टइंडीज के 6 बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। बंगलादेश के गेंदबाजों ने वेस्टइंडीज की पूरी टीम 50 ओवर में 185 रनों पर समेट कर 101 रनों से मुकाबला जीत लिया। बंगलादेश की ओर से तैजुल इस्लाम ने 5 विकेट लिए। हसन महमूद और तसकीन अहमद को 2-2 विकेट मिले। नाहिद राणा ने एक बल्लेबाज को आउट किया। तैजुल इस्लाम को शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया%।

तैजुल इस्लाम ने दूसरे टेस्ट की पहली पारी में एक विकेट और दूसरी पारी में 5 विकेट झटकते हुए कुल 6 विकेट लिए। इससे पहले बंगलादेश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 71.5 ओवर में 164 रन ही बना सकी थी। बंगलादेश के लिए पहली पारी में शादमान इस्लाम (64) शहादत हुसैन दीपू (22), कप्तान मेहदी हसन मिराज (36), महमूदुल हसन जॉय (3), लिटन दास (एक) और जेकर अली (एक) रन बनाकर आउट हुए। वेस्टइंडीज की ओर जेडेन सील्स ने 4 और शमार जोसेफ ने 3 विकेट लिए। केमार रोच को 2 विकेट मिले।

अल्जारी जोसेफ ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज को नाहिद राणा (पांच विकेट) की घातक गेंदबाजी के दम पर बंगलादेश ने 65 ओवर में 146 रन पर ढेर कर दिया। वेस्टइंडीज के लिए क्रेग ब्रैथवेट (39), केसी कार्टी (40), मिकाइल लुईस (12) रनों की पारी खेली। 8 बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। बंगलादेश की ओर से नाहिद राणा ने पांच विकेट लिए। हसन महमूद को 2 विकेट मिले। तसकीन अहमद, तैजुल इस्लाम और मेहदी हसन मिराज ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

बंगलादेश ने दूसरी पारी में जाकेर अली (91),शादमान इस्लाम (46), कप्तान मेहदी हसन मिराज (42), शहादत हुसैन (28), लिटन कुमार दास (25) और तैजुल इस्लाम (14) के योगदान से 268 रन बनाये और पहली पारी में मिली बढ़त के साथ वेस्टइंडीज को 287 रन का लक्ष्य दिया। वेस्टइंडीज की ओर से अल्जारी जोसेफ और केमार रोच ने तीन-तीन विकेट लिए। शमार जोसेफ ने दो बल्लेबाजों को आउट किया। जेडेन सील्स और जस्टिन ग्रीव्स को एक-एक विकेट मिला था।

अल-साद ने अल-नासर को हराकर चैंपियंस लीग फुटबॉल के प्लेऑफ में प्रवेश किया

दोहा। कतर के क्लब अल-साद ने सऊदी अरब के क्लब अल-नासर को 2-1 से हराकर एएफसी चैंपियंस लीग एलीट फुटबॉल फुटबॉल टूर्नामेंट के प्लेऑफ में प्रवेश किया। ये जीत अल-साद के लिए इसलिए भी अहम है क्योंकि इस मैच में उसके स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डों शामिल नहीं थे। रोनाल्डो को इस मैच में आराम दिया गया था। अल-साद ने हाफ टाइम के 8 मिनट बाद अकरम अफीफ के गोल से 1-0 की बढ़त हासिल की। वहीं खेल समाप्त होने के कुछ मिनट पहले ही अल-नासर के रोमेन सैस ने एक गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबरी पर ला दिया। अल-साद टीम को इंजरी टाइम में पेनल्टी मिली जिसपर के एडम ओनास ने गोल कर उसकी बढ़त 2-1 कर दी। इस जीत से उत्साहित अल-साद के कोच फेलिक्स सांचेज़ ने कहा कि, ये एक मुश्किल मुकाबला था। हमने अल-नासर को गोल रोकने के लिए और उनके घरेलू स्टेडियम में जीत हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत की। इस दौरान सभी खिलाड़ियों ने एकजुट होकर प्रयास किये। गौरतलब है कि ईरान के एस्टेघलाल क्लब द्वारा साऊदी अरब को 2-2 से बराबरी पर रखने के बाद अल अहली क्लब पहले स्थान पर था। जेद्दा में अल अहली के लिए दोनों गोल इवान टोनी ने किए। वहीं राफेल सिल्वा ने 42 मिनट के बाद ईरान टीम के लिए गोल किया पर टोनी ने एक गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। मोहम्मद होसैन एल्सामी ने एक बार फिर गोल कर एस्टेघलाल को बराबरी पर ला दिया।

विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के लिए अभी किसी टीम का स्थान पक्का नहीं हुआ

मुम्बई। आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) फाइनल के लिए अभी 15 मैच बाकी हैं पर किसी भी टीम की जगह अभी पक्की नहीं हुई है। न्यूजीलैंड की इंग्लैंड के खिलाफ हार के बाद जहां एक प्रकार से फाइनल की रेस से वह बाहर हो गयी है। वहीं भारत, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका की टीमें रेस में बनी हुई हैं। इंग्लैंड ओर न्यूजीलैंड टेस्ट तक के अंकों के आधार पर अंतिम दो स्थानों के लिए अभी भी 6 टीमें रेस में बनी हुई हैं। हालांकि टूर्नामेंट के दौरान अंकों पर टीमों की संभावना को नुकसान भी पहुंचा सकती है। चैम्पियनशिप की शुरुआत टीमों के साथ हुई थी, जिनमें से बांग्लादेश, वेस्टइंडीज और इंग्लैंड बाहर हो गयी हैं। इन दिनों वेस्टइंडीज और बांग्लादेश के बीच आपसी श्रृंखला खेली जा रही है, लेकिन उसके नतीजे का असर विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप की अंक तालिका पर नहीं पड़ेगा।

भारत – ऑस्ट्रेलिया से अगर भारतीय टीम तीन मैच जीतती है तो भारतीय टीम का जीत प्रतिशत 62.28 हो जाएगा और सिर्फ दक्षिण अफ्रीका आगे निकलने की स्थिति में रहेगा। यदि टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया से 2-3 से हारती भी है, तो भी लगातार तीसरे फाइनल का मौका बन सकता है। इसके लिए उसे न्यूजीलैंड-इंग्लैंड, अफ्रीका-श्रीलंका और अफ्रीका-पाक सीरीज 1-1 से ड्रॉ होनी चाहिए तथा दुआ करनी होगी कि ऑस्ट्रेलिया-श्रीलंका के बीच दो मैचों की सीरीज 0-0 पर खत्म हो।

दक्षिण अफ्रीका – श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट की सीरीज के पहले मैच में मिली जीत से अफ्रीका ने फाइनल की ओर एक और कदम बढ़ा दिया है। अफ्रीकी टीम के तीन मैच बचे हैं। इन सभी को जीतकर टीम निश्चित रूप से फाइनल में होगी। वहीं अफ्रीकी टीम अगर एक मैच भी हार जाती है तो 61.11 प्रतिशत अंक तक पहुंच सकेगी और फाइनल के लिए अन्य टीमों पर निर्भर हो जाएगी। इतने अंकों पर ऑस्ट्रेलिया, भारत और श्रीलंका के पास उससे आगे निकलने का मौका रहेगा।

ऑस्ट्रेलिया– ऑस्ट्रेलिया को अपने बल पर फाइनल में पहुंचने के लिए बचे 6 मैचों में कम से कम 4 जीत और 1 ड्रॉ चाहिए। ऐसा होने पर सिर्फ दक्षिण अफ्रीका उससे आगे जा सकता है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया अगर भारत के खिलाफ 2-3 से हारता भी है, तो श्रीलंका को 2-0 से स्वीप कर फाइनल में पहुंच सकता है। इस स्थिति में ऑस्ट्रेलिया भारत के 58.77 अंक से आगे 60.53 पर समाप्ति करेगा। यहां अब उसे केवल दक्षिण अफ्रीका पछाड़ सकता है।

श्रीलंका– श्रीलंका भी दक्षिण अफ्रीका जैसी स्थिति में है। उसके तीन मैच बचे हैं और ये सभी जीतकर टीम 61.54प्र. अंकों के साथ फाइनल में पहुंच सकती है। इस स्तर पर भारत या ऑस्ट्रेलिया में से कोई एक ही उससे आगे निकलने की स्थिति में होगा। वहीं एक मैच भी हारे तो चार अन्य टीम आगे निकल सकेंगी।

टी20 में मोहित अहलावत के नाम है तिहरे शतक का रिकार्ड

नई दिल्ली। युवा बल्लेबाज मोहित अहलावत के नाम टी20 क्रिकेट में तिहरे शतक का रिकार्ड है। मोहित ने दिल्ली के स्थानीय टूर्नामेंट फ्रेंड्स प्रीमियर लीग में मावी इलेवन की ओर से फ्रेंड्स इलेवन के खिलाफ 302 रन की नाबाद पारी खेली थी। मोहित ने इस मुकाबले में 39 छक्के लगाये। इससे पहले टी20 की एक पारी में किसी टीम के लिए सबसे ज्यादा छक्के 21 थे। ट्वेंटी20 के इतिहास में सबसे ज्यादा छक्के की बात करें तो रिकॉर्ड 34 छक्कों का था। अहलावत ने सभी को पीछे छोड़ दिया। मोहित की इस पारी से मावी इलेवन ने दो विकेट पर 416 रन बनाये। यह किसी भी ट्वेंटी20 मैच में एक रिकॉर्ड है। मावी इलेवन की ओर से पारी की शुरुआत करने उतरे मोहित अहलावत ने इस मैच में 234 रन बनाये। मोहित के तिहरे शतक की सहायता से मावी इलेवन ने 20 ओवरो में 416 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करने उतरी फ्रेंड्स इलेवन 216 रन से हार गयी। इससे पहले ट्वेंटी20 में सबसे बड़ा टीम स्कोर 263/5 था जो रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने 2013 आईपीएल में सहारा पुणे वॉरियर्स के खिलाफ बनाया था। वहीं एक बल्लेबाज का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर 175 रन जो क्रिस गेल ने बनाया था। मोहित दिल्ली की तरफ से खेलते हैं।

ऋषभ पंत ने टेस्ट क्रिकेट को ऐसे अपनाया जैसे 'बत्तख पानी पर तैरती' है : राहुल द्रविड़

मुंबई (एजेंसी) पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ का मानना है कि भारतीय क्रिकेट टीम में महेंद्र सिंह धोनी के संन्यास से पैदा हुई कमी को ऋषभ पंत ने तुरंत भर दिया जिन्होंने टेस्ट क्रिकेट को ऐसे अपनाया जैसे 'बत्तख पानी पर तैरती' है। दिसंबर 2022 में कार दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज पंत ने गाबा में चौथे टेस्ट में 89 रन की मैच विजयी पारी खेली और श्रृंखला में 274 रन बनाकर 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारत की 2-1 की जीत में अहम भूमिका निभाई।

द्रविड़ ने कहा, 'धोनी के जाने के बाद आपको लगा होगा कि शायद किसी को भी उसकी जगह लेने में समय लगेगा। मैं यह नहीं कह रहा कि उसने उनकी जगह ले ली है लेकिन निश्चित रूप से टेस्ट क्रिकेट में उसका प्रदर्शन शानदार रहा है, अविश्वसनीय प्रदर्शन।' भारत के पूर्व कप्तान और कोच ने कहा, 'पंत को गाबा में उस टेस्ट मैच को जीतने के लिए 89 रन बनाते हुए देखना, जब सब कुछ दांव पर लगा हुआ था और टीम इतनी कमजोर थी, उस तरह के दबाव में उस तरह का प्रदर्शन करना - बेहद शानदार... वह कितने विशेष क्रिकेटर हैं। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट को पानी में बत्तख की तरह अपनाया है। यह बस अभूतपूर्व है।'

उस दौरे पर पंत ने पांच पारियों में दो अर्धशतक की मदद से 68.50 की औसत से रन बनाए और भारत ऑस्ट्रेलिया में लगातार दो टेस्ट श्रृंखला जीतने वाली पहली एशियाई टीम बनी। भारत ने पर्थ में पहला टेस्ट 295 रन से जीतकर मौजूदा टेस्ट श्रृंखला में भी 1-0 की बढ़त बना ली है। भारत ने पिछले कुछ समय में ऑस्ट्रेलिया पर दबदबा बनाया है लेकिन 2003 में एडीलेड में द्रविड़ की 233 रन की पारी प्रशंसकों की पसंदीदा है। इस पारी के संदर्भ में द्रविड़ ने स्वीकार किया कि उन्हें अब भी श्रृंखला नहीं जीत पाने का मलाल है।

द्रविड़ ने कहा, 'मुझे लगता है कि भारत ने ऑस्ट्रेलिया में पिछली दो श्रृंखला में जिस तरह का प्रदर्शन किया है - वहां श्रृंखला जीतना बहुत मायने रखता है। मेरा या भारत का प्रदर्शन चाहे कितना भी शानदार रहा हो, हम श्रृंखला नहीं जीत पाए। हम करीब पहुंच गए थे लेकिन सिडनी में अंतिम दिन हमें वो विकेट नहीं मिल पाए जिनकी हमें जरूरत थी।' इस 51 वर्षीय खिलाड़ी ने उस घटना को याद किया जिसमें उन्होंने गलती से अपने कप्तान सौरव गांगुली को रन आउट कर दिया था। द्रविड़ ने स्वीकार किया कि यह 'गलती' उनकी थी। उन्होंने कहा, 'मैं सोच रहा था कि मैंने कप्तान को रन आउट करवा दिया है। मुझे कुछ सार्थक करना चाहिए। सौरव को रन आउट करवाना पूरी तरह से मेरी गलती थी। मैं इसे स्वीकार करता हूं - यह मेरी गलती थी।' द्रविड़ ने कहा, 'लेकिन मुझे लगता है

कि आप सिर्फ बल्लेबाजी करने की कोशिश कर रहे हैं, आप सिर्फ साझेदारी बनाने की कोशिश कर रहे हैं, आप सिर्फ लक्ष्य तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

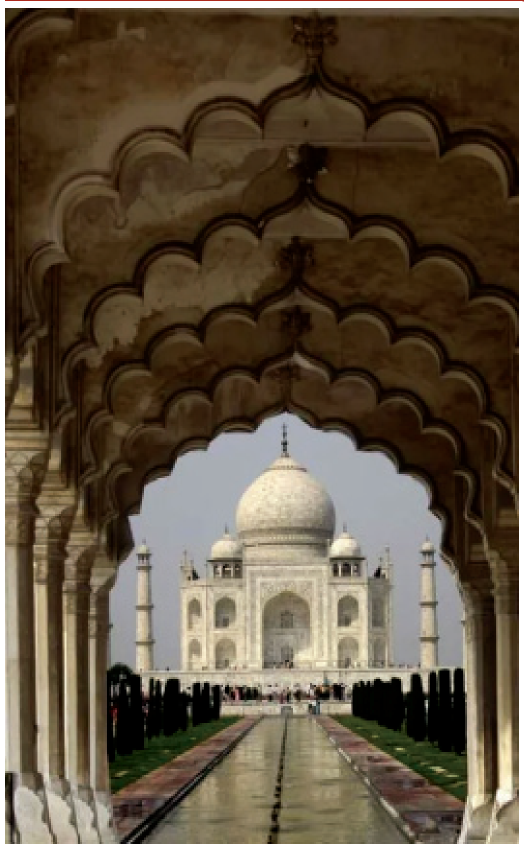

ताजमहल दुनिया के 7 अजूबों में से एक है। ताजमहल की खूबसूरती को देखने के लिए दुनियाभर से लोग आते हैं और अगर आप भारत में रहकर भी अब तक ताजमहल नहीं देख पाए हैं तो अब और देर न करिए। जितनी जल्दी हो सके जाएं और देखकर आएं, इस ऐतिहासिक इमारत की खूबसूरती ने दुनियाभर के लोगों को अपना दीवाना बनाकर रखा है। इससे पहले की आप ताजमहल घूमने का प्लान बनाएं, हम यहां आपको इससे जुड़ी कुछ जरूरी बातें बता देना चाहते हैं, जिससे की आपकी यह यात्रा बिना किसी परेशानी बिल्कुल आराम से बीते...

ताजमहल कैसे पहुंचें?

आगरा भारत का एक प्रमुख शहर है। इसलिए हवाई मार्ग हो या रेल मार्ग हो या फिर सड़क मार्ग। आगरा भारत वर्ष के सभी प्रमुख शहरों से सभी मार्ग द्वारा भंलीभांति जुड़ा है।

हवाई मार्ग

अगर आप हवाई मार्ग द्वारा आगरा जा रहे है तो आगरा का पंडित दीनदयाल उपध्याय हवाई अड्डा ताज महल से 16 किमी की दूरी पर स्थित है। यहां से आप आसानी से टैक्सी या आटो द्वारा आसानी से ताजमहल पहुंच सकते है। महानगर होने के नाते यहा काफी ट्रैफिक रहता है। जिसके कारण आपको आगरा एयर पोर्ट से ताजमहल पहुंचने में लगभग 40 मिनट लग सकते हैं, अगर ट्रैफिक न हो तो यह मार्ग सिर्फ 20-25 मिनट का है।

रेल मार्ग

यदि आप रेल मार्ग द्वारा आगरा जा रहे हैं तो आगरा फोर्ट रेलवे स्टेशन से ताजमहल की दूरी लगभग 2.5 किमी है। रेलवे स्टेशन से ताजमहल के लिए ऑटो और रिक्शा वालों की काफी भीड़ लगी रहती है। अगर आपके पास भारी लगेज नहीं है तो आप आगरा के किले का बाहरी भाग के दर्शन करते हुए किले के सामने से होते हुए शिवाजी चौक से ताजमहल पहुंच सकते हैं। शिवाजी चौक से ताजमहल का सेप्रेट रास्ता गया है, जो पश्चिमी गेट पर जाता है। कार, टैक्सी या ऑटो से आने वाले यात्री भी इसी मार्ग से जाते हैं। इसी सेपरेट मार्ग पर कुछ दूरी पर ताजमहल कार पार्किंग है।

सड़क मार्ग

अगर आप कार द्वारा दिल्ली से आगरा जा रहे हैं तो नोयडा आगरा एक्सप्रेस वे से जा सकते हैं। यह सुविधाजनक एवं फास्टेट रूट है। इसके आलावा आप दिल्ली से मथुरा होते हुए पुराने हाइवे से भी आगरा पहुंच सकते हैं।

कार पार्किंग

ताजमहल कार पार्किंग से ताजमहल की दूरी लगभग 700-800 मीटर है। आप चाहे एयर पोर्ट से टैक्सी से जाएं या रेलवे स्टेशन से ऑटो से जाएं या फिर अपनी कार से जाएं पहुंचना आपको कार पार्किंग में ही है। कार पार्किंग पर पहुंचते ही आपको ऊंट गाड़ी और बैट्री गाड़ी वाले घेर लेंगे, क्योकि कार पार्किंग से ताजमहल के बीच की इस दूरी में बैट्री गाड़ियां व ऊंट गाड़ियां चलती हैं, जो बीस से तीस रुपए प्रति सवारी लेते हैं। कार पार्किंग से आगे किसी भी तरह के प्राइवेट वाहनों के जाने की अनुमति नहीं होती है। आप कार पार्किंग से ताजमहल गेट तक पैदल भी जा सकते हैं। 700 मीटर की दूरी कोई ज्यादा नहीं होती है।

अमानती घर

मार्ग के रास्ते में स्थित अमानती घर में आप अपना सामान रख सकते हैं, क्योंकि ताजमहल के अंदर किसी भी प्रकार का अटैची, बेग (हैंड बेग को छोड़कर) किसी भी तरह का खाने-पीने का सामान खाना, बिस्कुट, चिप्स, पान, बीड़ी, सिगरेट (पानी की बोतल को छोड़कर) किसी भी तरह का हथियार चाकू व नशीले पदार्थ आदि अंदर ले जाना मना है। मोबाइल और कैमरा ले जा सकते हैं। बाकी आपके पास जो सामान है, उसे आप अमानती घर में सुरक्षित रख सकते हैं।

शूज कवर

यही टिकट खिड़की के पास ही आपको शूज कवर बेचने वाले भी मिल जाएंगे। उनसे आप बीस रुपए देकर शूज कवर खरीद लें, क्योंकि ताजमहल के संगमरमर के चबूतरे पर जूते-चप्पल लेकर जाना मना है। वही टिकट खिड़की के पास आपको गाइड और फोटोग्राफर घेर लेंगे, जो आपको कई तरह के प्रलोभन भी देंगे (जैसे - सॉटकट से अंदर ले जाना का) क्योंकि एंट्री गेट पर चैकिंग प्वाइंट पर काफी लंबी कतार होती है या तो आप उनसे सही एवं पहले ही मोल-भाव कर तय कर लें या फिर टिकट कांटर से पर्यटन विभाग द्वारा गाइड हायर कर सकते हैं। चैकिंग प्वाइंट पर महिला, पुरुष व विदेशियों की अलग-अलग लाइनें होती हैं। यहां ज्यादा समय नही लगता 20-25 मिनट में आप अंदर पहुंच सकते हैं।

अलग-अलग प्रवेश द्वार

ताजमहल में एंट्री करने के लिए तीन गेट्स हैं, जो पूर्व, पश्चिम और दक्षिण में मौदूद हैं। इन तीनों गेट्स में जिस गेट पर लोगों की भीड़ सबसे कम होती है वह है इसका पश्चिमी गेट। इस गेट से आप आसानी से ताजमहल के परिसर में एंट्री कर सकते हैं।

शुक्रवार को न जाएं ताजमहल

आमतौर पर ताजमहल रोजाना सुबह 6 से शाम 7 बजे तक खुला रहता है, लेकिन शुक्रवार को इसे नमाज के लिए बंद रखा जाता है। पूर्णमासी के दिन ताजमहल के गेट्स रात 8.30 बजे से 12.30 बजे तक खुले रहते हैं। चांद की रोशनी में ताजमहल बेहद खूबसूरत लगता है। यहां ध्यान रखने वाली बात यह है कि रमजान के पवित्र महीने में आप रात के वक्त ताजमहल का दीदार नहीं कर सकते।

आगरा घूमने आए हैं तो ताजमहल को लास्ट में देखें

यहां हम आपको एक ट्रिक बता रहे हैं, जिससे आप ताजमहल के टिकट पर थोड़ा डिस्काउंट प्राप्त कर सकते हैं। अगर आप आगरा में दो-तीन दिन के लिए हैं तो ताजमहल घूमने का प्लान अपनी यात्रा के आखिरी दिन रखिए। दरअसल अगर आगरा के किसी और टूरिस्ट डेस्टिनेशन जैसे आगरा फोर्ट से ताजमहल की टिकट खरीदते हैं तो आपको इस पर कुछ छूट मिल सकती है। यहां आपको इस बात का ध्यान रखना है कि जारी किए गए टिकट पर उसी दिन का स्टैंप हो जिस दिन आपको ताजमहल जाना है।

अलग लोगों के लिए अलग कीमत

अगर आप भारतीय हैं तो आपको ताजमहल देखने के लिए 50 रुपए की टिकट खरीदनी पड़ेगी। 15 साल से कम के बच्चों के लिए एंट्री फ्री है। विदेशी पर्यटकों के लिए टिकट का दाम 1100 रुपए है। आप इन टिकटों को एक दिन अडवांस में सुबह 10 से शाम 6 बजे के बीच आर्केलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के ऑफिस से ले सकते हैं।

क्या लेकर नहीं जा सकते ?

सुरक्षा कारणों से कुछ ऐसी चीजे हैं, जिनके साथ आप ताजमहल के अंदर नहीं जा सकते। ट्राईपॉड, मोबाइल फोन चार्जर, खाने-पीने की वस्तुएं व तंबाकू जैसी चीजें यहां बैन है। हालांकि यहां एक लॉकर रूम है, जहां आप अपने सामान को सुरक्षित तरीके से जमा कर सकते हैं और वापस लौटने पर यहां से अपने सामान को ले सकते हैं।

यह है बेस्ट सीजन

अगर मुमकिन हो तो ठंड के मौसम में ताजमहल घूमने का प्लान न बनाएं, क्योंकि कोहरे के कारण इसकी खूबसूरती खिल के बाहर नहीं आती। ताजमहल घूमने का बेस्ट सीजन होता है मार्च से जून। अगर आप ताजमहल घूमने का प्लान बना रहे हैं तो बस ऊपर बताई गई इन टिप्स का ध्यान रखें और अपनी ताज यात्रा को यादगार बनाएं।

ताजमहल के बारे में रोचक बातें, जो आपको नहीं होंगी पता

ताजमहल मुगल वास्तुकला का सबसे उत्कृष्ट नमूना है। मोहब्बत की इस निशानी को शाहजहां ने अपनी बेगम मुमताज के लिए बनाया था। दुनियाभर से करोड़ों की संख्या में पर्यटक ताजहमल देखने के लिए आगरा आते हैं। हर प्रेमी जोड़े की ख्वाहिश होती है कि वह ताजमहल जाकर अपनी प्रेमिका के साथ तस्वीर खिंचवाए। इश्क की इस निशानी को निहारे, संगमरमर की इमारत की खूबसूरती को अपनी स्मृतियों में कैद कर लें। आइए आपको ताजमहल के बारे में 10 रोचक बातें बताते हैं जो आपको सोचने पर मजबूर कर देंगी।

- ताजमहल के निर्माण में 22 साल लगे थे।
- 22,000 से ज्यादा मजदूरों ने ताजमहल के निर्माण में काम किया था।
- 1,000 हाथियों के जरिए ताजमहल के निर्माण सामग्री को लाया गया था।
- ताजमहल के निर्माण में उस वक्त 3.2 करोड़ रुपए का खर्च आया था।
- ताजमहल के निर्माण के लिए विभिन्न एशियाई देशों से बहुमूल्य पत्थरों को लाया गया था।
- 28 तरह के रत्नों को श्रीलंका से लेकर चीन और भारत के विभिन्न राज्यों से लाया गया था।
- संगमरमर के सफेद पत्थर को राजस्थान से लाया गया था।
- तिब्बत से नीला रत्न, श्रीलंका से पन्ना, पंजाब से जैस्पर और क्रिस्टल को चीन से मंगाया गया था।
- ताजमहल की वास्तु शैली में फारसी, तुर्क, भारतीय और इस्लामी वास्तुकला का मिश्रण है।
- ताजमहल का निर्माण 1632 ईश्वी में शुरू हुआ था और 1653 में गुम्बद बनकर तैयार हुआ।
- अगर आप भी मुहब्बत की इस सबसे विश्व प्रसिद्ध निशानी को देखना चाहते हैं तो ताजमहल जरूर जाएं।
- आप दिल्ली में रहते हैं तो सिर्फ ताज एक्सप्रेस हाईवे से सिर्फ साढ़े तीन घंटे में आगरा पहुंच सकते हैं।

बड़ी अद्भुत है ताजमहल के निर्माण की कहानी

यमुना नदी के किनारे सफेद पत्थरों से निर्मित अलौकिक सुंदरता की तस्वीर ताजमहल आज न केवल भारत में, बल्कि पूरे विश्व में अपनी पहचान बना चुका है। प्यार की इस निशानी को देखने के लिए दूर देशों से हजारों सैलानी यहां आते हैं। प्यार का प्रतीक माने जाने वाले ताजमहल की खूबसूरती जितनी चर्चा में रहती है, उतनी ही इसके बनने की कहानियां चर्चा में रहती हैं। ताजमहल को बनाने को लेकर अलग-अलग मिथ हैं। कहा जाता है कि मुमताज की याद में बनायी गई इस खूबसूरत इमारत जैसी कोई और इमारत न बने, इसलिए शाहजहां ने कारीगरों के हाथ कटवा दिए थे। ताजमहल को बनाने में करीब 20 हजार मजदूरों ने योगदान दिया था। और इसका काम करीब 22 साल तक चला।

हालांकि कारीगरों के हाथ कटवाने की एक और भी कहानी बताई जाती है। माना जाता है कि शाहजहां ने कारीगरों के हाथ नहीं कटवाए थे, बल्कि उनसे ताउम्र काम न करने का वादा लिया था, जिसके बदले में उन्हें जिंदगी भर वेतन दिया गया था। वहीं एक मिथक ये भी है कि शाहजहां ने ताजमहल ख्वाब में देखकर बनवाया था, लेकिन ताजमहल के नक्शे के हिसाब से इतिहासकारों की मानें तो इसके डिजाइन के लिए पूरी दुनिया के वास्तुशास्त्रों की मदद ली गई थी, लेकिन इसका सटीक डिजाइन किसने तैयार किया था, इसके बारे में कोई सबूत नहीं है। ताजमहल को लेकर ऐसे ही कई मिथक हैं जिनके बारे में कई तरह की कहानियां कही जाती हैं। बता दें कि ताजमहल शाहजहां की तीसरी बेगम मुमताज महल की मजार है। मुमताज के

गुजर जाने के बाद उनकी याद में शाहजहां ने ताजमहल बनवाया था। कहा जाता है कि मुमताज महल ने मरते वक्त मकबरा बनाए जाने की ख्वाहिश जताई थी, जिसके बाद शाहजहां ने ताजमहन बनावाया। ताजमहल को सफेद संगमरमर से बनवाया गया है। इसके चार कोनों में चार मीनारे हैं। शाहजहां ने इस अद्भुत चीज को बनवाने के लिए बगदाद और तुर्की से कारीगर बुलवाए थे। माना जाता है कि ताजमहल बनाने के लिए बगदाद से एक कारीगर बुलवाया गया, जो पत्थर पर घुमावदार अक्षरों को तराश सकता था।

इसी तरह बुखारा शहर से कारीगर को बुलवाया गया था, वह संगमरमर के पत्थर पर फूलों को तराशने में दक्ष था। वहीं गुंबदों का निर्माण करने के लिए तुर्की के इस्तम्बुल में रहने वाले दक्ष कारीगर को बुलाया गया और मिनारों का निर्माण करने के लिए समरकंद से दक्ष कारीगर को बुलवाया गया था और इस तरह अलग-अलग जगह से आए करीगरों ने ताजमहल बनाया था।

आगरा के अन्य दर्शनीय स्थल

आगरा में ताजमहल के अलावा अन्य दर्शनीय स्थल हैं, जो बरबस यहां आने वाले पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। इनमें प्रमुख हैं-

आगरा का लाल किला: जिस स्थान पर आगरा का किला स्थित है, बहुत समय पहले यहां बादलगढ़ का किला हुआ करता था। हालांकि समय के साथ-साथ वह किला नष्ट हो गया था। मुगल सम्राट अकबर ने 1563 ई. से 1573 ईस्वी तक लगभग 8 वर्षों में बादलगढ किले के ध्वंस अवशेषों पर इस किले का निर्माण करवाया था। मुगल सम्राट अकबर ने इस किले में अकबरी महल, जहांगीरी महल, प्राचीर तथा प्रवेश द्वार अकबर ने बनवाए थे, जबकि शीश महल, खास महल, दीवाने आम और दीवाने खास तक मोती मस्जिद का निर्माण अकबर के पोते सम्राट शाहजहां ने करवाया था। इस किले में दिल्ली दरवाजा, अमरसिंह दरवाजा, दरियाई दरवाजा तथा दर्शनी दरवाजा नामक चार दरवाजे हैं। पर्यटको के लिए प्रवेश द्वार के रूप में अमर सिंह दरवाजा ही खुला होता है। किले के अंदर तीन मस्जिदें भी हैं – मीना मस्जिद, शाही मस्जिद और नगीना मस्जिद जो दर्शनीय है।

रामबाग: यह बाग अपनी हरियाली और सुंदरता से यहां आने वाले पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। बाबर द्वारा बनाए गए इस बाग के बारे में कहा जाता है कि यह भारत का पहला मुगल उद्यान था। इस बाग के सौंदर्य को पास बहती यमुना नदी और भी मनमोहक बना देती है।

प्यार की निशानी ताजमहल की ये 5 बातें आपको कर देंगी हैरान

ताजमहल, उसकी खूबसूरती और उससे जुड़ी खूबसूरत यादों के बारे में सभी बातें करते हैं। मगर इस धरोहर के बारे में जितना सुनों उतना कम ही लगता है, परंतु इसमें से कुछ हकीकत और कुछ फसाना भी हैं। हम यहां आपको ताजमहल से जुड़ी ऐसी 5 बातें बता रहे हैं, जो संभवत: आप नहीं जानते होंगे-

आगरा में नहीं बनना था ताजमहल

ताजमहल का निर्माण आगरा में नहीं होने वाला था, मुमताज महल जिसके लिए ताजमहल बनवाया गया था, उनकी मौत दरअसल आगरा में हुई ही नहीं थी, उनकी मौत बुरहानपुर में हुआ था, जो आज के समय में मध्य प्रदेश में है। शाहजहां ने ताज महल के लिए बुरहानपुर में ताप्ती नदी के ठीक किनारे एक जगह पसंद की थी, लेकिन बुरहानपुर में जरूरत के अनुसार सफेद मार्बल नहीं पहुंच सके, इसलिए बाद में ताजमहल आगरा में बनाने का फैसला किया गया। बुरहानपुर में ताप्ती नदी के किनारे आज भी वह जगह विरान पड़ी है।

क्या सच है कि काला ताजमहल भी होता ?:

ताजमहल के बारे में कहा जाता है कि शाहजहां यमुना के किनारे काले संगमरमर में ताजमहल की प्रतिकृति बनाना चाहते थे। शाहजहां को यह विचार जीन-बैप्टिस्ट टैवर्नियर नाम के एक यूरोपीय यात्री ने दिया था, जो 1665 में आगरा में था। दावा यह भी किया जाता है कि औरंगजेब के कारण शाहजहां की योजना पूरी नहीं हो सकी, क्योंकि औरंगजेब ने अपने पिता शाहजहां को कैद कर लिया था। यमुना नदी से लगे महताब बाग में कुछ काले मार्बल देखे भी गए थे, लेकिन बाद में जांच परख के बाद इतिहासकारों और आर्केलॉजिस्ट सोसाइटी ने इस बात का खुलासा किया कि दरअसल महताब बाग में मिले काले मार्बल गंदगी के कारण काले पड़ गए हैं। वह मूल रूप से सफेद ही थे, इसलिए यह बात अफवाह से कम नहीं कि शाहजहां काले ताजमहल भी बनवाना चाहता था।

क्या सचमुच कारीगरों के हाथ काटे गए थे?

ताजमहल के बारे में यह कहा जाता है कि उसने ताजमहल बनाने वाले सभी कारीगरों के हाथ काट दिए थे और कुछ को मार भी दिया था, लेकिन इतिहास में कहीं भी इस बात का साक्ष्य नहीं पाया गया।

ताजमहल को उजाड़ना चाहते थे अंग्रेज?

ताजमहल से जुड़ी कहानियों में एक नाम और आता है, भारत के गर्वनर जनरल लॉर्ड विलियम बेनटिंक का। कहा जाता है कि लॉर्ड ताजमहल को गिराना चाहता था और उसके मार्बल की नीलामी करना चाहता था। इस बात के भी कहीं सबूत नहीं पाए गए। हालांकि उसके बायोग्राफर जॉन रोसेली ने अपनी किताब में एक जगह लिखा है कि आगरा फोर्ट को बनाने के बाद बचे हुए मार्बल्स को लॉर्ड ने नीलाम कर दिया था।

ताजमहल में लगा है एक लैंप

ताजमहल में एक लैंप लगा हुआ है। कहा जाता है कि इसे बनाने में दो वर्ष का वक्त लगा था। इसे खास ताजमहल की नक्काशी को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया था। इसे मिश्र के कुछ कलाकार और टोड्रोस बदीर नाम के आर्टिस्ट ने मिलकर बनाया था।

ताजमहल के रहस्य

- आपको यह जानकर हैरानी होगी की ताजमहल का आधार (नीव) लकड़ी पर टिकी है। इस लकड़ी की खासियत यह है कि यह लकड़ी जितनी पानी में रहती है, उतनी ही ज्यादा मजबूत होती है। यमुना नदी का पानी आज भी इस लकड़ी को मजबूत करता है।
- ताजमहल की छत में एक छेद है, जिसमें से बरसात के समय आज भी पानी टपकता है। इसके बारे में एक दंतकथा प्रचलित है कि शाहजहां ने ताजमहल बनने के बाद सभी कारीगरों के हाथ कटवाने का ऐलान कर दिया था। ऐसा माना जाता है कि शाहजहां चाहते थे कि ऐसी खूबसूरत इमारत दोबारा न बनाई जा सके। शाहजहां के इस फैसले से कारीगर नाराज हो गए, जिसके फलस्वरूप कारीगरों ने जानबूझकर ताजमहल के गुंबद में एक छेद छोड़ दिया था। हालांकि इस कहानी का कोई ऐतिहासिक सत्य नहीं है। ताजमहल का इतिहास में बस यह एक प्रचलित कथा है।
- सन् 1983 में ताजमहल को यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर घोषित किया गया।
- ताजमहल का इतिहास का सबसे बड़ा पुरस्कार है कि ताजमहल दुनिया के सात अजूबो में शामिल है।
- ताजमहल में लगे फव्वारे किसी भी पाइप लाईन से नहीं जुड़े हैं। बल्कि हर फव्वारे के नीचे एक तांबे का टैंक बना हुआ है, जो सभी एक ही समय पर भरते हैं और दबाव बनने पर एक साथ सभी फव्वारे चल जाते हैं।
- ताजमहल वर्ल्ड में एक दिन में सबसे ज्यादा देखी जानी वाली इमारत है। ताजमहल को एक दिन में लगभग 12000 सैलानी देखते हैं।
- ताजमहल की कलाकृति में 28 तरह के कीमती पत्थरों को लगाया गया है।
- ताजमल की चारों मीनारें एक दूसरे की ओर झुकी हुई हैं।
- शाहजहां ने जब पहली बार ताजमहल का दीदार किया तो उसने कहा कि ये सिर्फ प्यार की कहानी बयां नहीं करेगा, बल्कि उन सबको दोष मुक्त भी करेगा, जो इस पाक जमीं पर अपने कदम रखेंगे और चांद सितारे इसकी गवाही देंगे।
- द्वितीय विश्व युद्ध 1971 भारत-पाक युद्ध के समय इस भव्य इमारत को सुरक्षा की दृष्टि से ताजमहल के चारों ओर बांस का सुरक्षा घेरा बनाकर उसे हरे रंग की चादर से ढक दिया गया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिल्ली–मुंबई हाईवे निर्माण को लेकर झालोद में 14 गांवों के किसानों ने किया उग्र प्रदर्शन

दाहोद। भारतमाला परियोजना के तहत गुजरात में दिल्ली–मुंबई के बीच हाईवे का निर्माण कार्य चल रहा है। इस निर्माण कार्य के खिलाफ दाहोद जिले की झालोद तहसील के 14 गांवों के किसानों ने जमकर प्रदर्शन किया और निर्माण कार्य रुकवा दिया। बता दें कि भारतमाला परियोजना के तहत दिल्ली और मुंबई के बीच एक हाइवे का निर्माण किया जा रहा है। यह हाइवे मध्य गुजरात और दक्षिण गुजरात के कुछ जिलों से होकर गुजरने वाला है। लेकिन इस हाइवे के निर्माण कार्य शुरू होने के बाद से ही विवाद चल रहा है। पहले वहीं भूमि अधिग्रहण को लेकर विवाद था। अब प्रशासन की ओर से दिए गए आश्वासन के मुताबिक सुविधा नहीं मिलने से स्थानीय लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। भारतमाला परियोजना के अंतर्गत बन रहे दिल्ली–मुंबई हाईवे के विरोध में दाहोद जिले की झालोद तहसील के 14 गांवों के किसानों ने प्रदर्शन किया है। किसानों का आरोप है कि भारतमाला प्रोजेक्ट के तहत बन रहे हाईवे के कारण उन्हें कोई बुनियादी सुविधा नहीं मिल रही है। पूर्व में कई बार ज्ञापन देने के बावजूद भी प्रशासन ने कोई सुविधा नहीं दी है। किसानों ने बुनियादी सुविधाओं और कुछ लंबित मांगों के साथ एक आवेदन प्रस्तुत किया। हाईवे निर्माण के कारण किसानों को बुनियादी सुविधाएं भी नहीं मिल रही हैं। जिससे किसान नाराज हैं। ऐसा नहीं है कि किसान पहली बार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इससे पहले भी इसी मुद्दे पर प्रदर्शन किया था, लेकिन उस समय अधिकारियों ने प्रदर्शन पर जबरन रोक लगा दी थी। हालाँकि इस बार किसान अधिक नाराज थे और उन्होंने विरोध प्रदर्शन किया क्योंकि उन्हें आश्वासन के बाद भी कोई सुविधा नहीं मिली। जिससे गुस्साए किसानों ने भारतमाला परियोजना के तहत राजमार्ग का काम रोक दिया।

माहौल बिगाड़ना चाहती हैं सपा–कांग्रेस : मंत्री अग्रवाल

लखनऊ। संभल को लेकर सियासत जारी है और बयानबाजी भी। उप्र में योगी कैबिनेट के मंत्री नितिन अग्रवाल ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बुधवार को संभल दौरे राजनीतिक पर्यटन बताया है। उन्होंने कहा कि संभल में सामान्य हो रही स्थिति को कांग्रेस और सपा के नेता बिगाड़ना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष ने संभल जाने की घोषणा की है, मुझे लगता है कि वे वहां जाकर शांति व्यवस्था जो बहाल हुई है उसे बिगाड़ने व अराजकता फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। बता दें, संभल में हुए बवाल के दौरान मारे गए लोगों से मिलने के लिए राहुल गांधी के बुधवार को संभल जाने की आशंका है। उनके आने की खबर के बाद पुलिस प्रशासन भी सतर्क हो गया है। इस बारे में पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने बताया कि जिले की सीमाओं पर चौकसी को बढ़ा दिया गया है, क्योंकि 10 दिसंबर तक किसी भी बाहरी व्यक्ति के संभल में आने पर रोक है। कोई भी नेता अगर कानून व्यवस्था के साथ खिलवाड़ करेगा या माहौल खराब करने का प्रयास करेगा तो हमारी सरकार कड़ी से कड़ी कार्रवाई करेगी। नितिन अग्रवाल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी व उसके नेता जहां भी इस तरह की घटना होती है केवल राजनीतिक पर्यटन के लिए जाते हैं। संभल जामा मस्जिद का सर्वे कोर्ट के आदेश पर हो रहा था। इसके बाद भी सपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने वहां पर स्थिति बिगाड़ी और हिंसा की। संभल में प्रशासन ने पूरी तत्परता के साथ काम किया है।

आगरा पुलिस ने ठगी करने वाले गैंग का पर्दाफाश किया

– पांच शातिर सदस्यों को किया गिरफ्तार

आगरा । आगरा पुलिस ने 110 करोड़ रुपये की ठगी करने वाले गैंग का पर्दाफाश किया है। इस गैंग के पांच शातिर सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया गया है। गैंग भारत के साथ ही दक्षिण एशियाई देशों और यूएई का भी निशाना बनाते थे। इनका धंधा था लोगों को इन्वेस्टमेंट के नाम पर ठगना। आगरा के रहने वाले विनय आहूजा का केस 4 अक्टूबर, 2024 को साइबर सैल थाने में दर्ज हुआ था। साइबर फ्रॉड करने वाले गैंग के सदस्यों ने इसके पूरे गैर कानूनी प्रयोग को खुलासा किया। उन्होंने बताया कि वे लोगों को धोखे से इन्वेस्टमेंट करवाकर ठगते थे। यह गैंग अब गिरफ्तार हो चुका है और उनके साथ से बहुत सारी चीजें बरामद की गई हैं। पुलिस का कहना है कि अन्य सदस्यों को भी जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। सभी बैंक अकाउंट को सीज कर दिया गया है। अब चौंकाने वाली जानकारी यह है कि इस गैंग ने विवेचना के दौरान 239 ट्रांजेक्शन करके लगभग 110 करोड़ रुपये की ठगी कर चुके हैं। इनके पास अनेक फर्जी बैंक अकाउंट भी थे जिनमें पैसा ट्रांसफर होता था। पु?लिस अ?धिकारी ने इस मामले पर कहा ?कि यह घटना साइबर थाने में दर्ज हुई और अब सामने आई चौंकाने वाली जानकारी है। इन लोगों ने अपनी घटनाओं से 110 करोड़ रुपये का फ्रॉड किया है। पुलिस इस मामले में गैंग के अन्य सदस्यों की तलाश में है। आरोपियों के पास से 85 बैंक खातों की डिटेल मिली है। जब इन बैंक खातों को साइबर पोर्टल पर रन कराया गया तो हैरान करने वाली जानकारी सामने आई। कुल 239 ठगी की घटनाओं का पैसा इनके खातों में आया है।

लापता हुए कॉमेडियन सुनील पाल 24 घंटे के अंदर मिले

मुंबई। जाने–माने कॉमेडियन सुनील पाल मंगलवार को लापता हो गए थे। इसकी सूचना सुनील की पत्नी ने मुंबई के सांताक्रुज पुलिस थाने में दी। आख़िरकार पुलिस ने सुनील पाल से संपर्क किया और बातचीत में उन्होंने कहा कि वह आज (बुधवार) को मुंबई आएंगे। मालूम हो कि कॉमेडियन सुनील पाल अपनी कॉमेडी को लेकर हमेशा चर्चा में रहते हैं। लेकिन फिलहाल वह एक निजी कारण से चर्चा में हैं। सुनील पाल की पत्नी ने उनके लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। सुनील पाल की पत्नी सरिता पाल ने मुंबई के सांताक्रूज पुलिस स्टेशन में मंगलवार को अपने पति की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। सरिता पाल की ओर से दर्ज शिकायत में कहा गया, सुनील पाल आज घर नहीं आए। उनका फोन भी बंद है। उनसे कोई संपर्क नहीं हो सका है। इसलिए मैं पुलिस में शिकायत दर्ज करा रही हूं। चूंकि सुनील पाल एक कॉमेडियन हैं इसलिए वह कई बार शो के लिए मुंबई से बाहर जाते रहते हैं। अब इस घटना को लेकर सरिता पाल ने कहा है कि, उनके पति सुनील पाल संपर्क में हैं। मेरी सुनील पाल से बात हुई है। उन्होंने पुलिस से भी बात की है।

एकनाथ शिंदे 6 माह के लिए बनना चाह रहे थे मुख्यमंत्री, शाह के दो टूक जवाब से हो गए चुप

मुंबई(एजेंसी)। महाराष्ट्र में आज विधायक दल की बैठक में मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान हो जाएगा। इससे पहले दस दिन से अधिक चली रस्साकसी को लेकर कई तरह की खबरें आ रहीं है। बताया जा रहा है कि कार्यवाहक सीएम एकनाथ शिंदे ने केंद्रीय गृहमंत्री से मुलाकात कर 6 माह के लिए सीएम का पद मांगा था, लेकिन शाह की दो टूक से वे चुप हो गए। रिपोर्ट एक वरिष्ठ नेता के हवाले से बताया गया है कि भाजपा ने 6 महीने सीएम वाली बात को खारिज कर दिया था। पार्टी का कहना था कि इससे एक गलत मिसाल कायम होगी। उन्होंने कहा, 6 महीने के लिए सीएम नियुक्त करने का कोई सिस्टम नहीं है। यह गलत फैसला होगा और प्रशासन पर इसका गलत असर पड़ेगा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से शिंदे समेत अन्य नेताओं की मुलाकात 28 नवंबर को हुई थी।

वरिष्ठ नेता ने बताया कि शिंदे से यह भी कहा गया कि वह खुद को भाजपा अध्यक्ष की जगह पर रखकर देखें। उन्होंने बताया कि बैठक में, भाजपा नेतृत्व ने शिंदे से पूछा कि अगर आप स्पष्ट बहुमत हासिल कर लेते तो क्या मुख्यमंत्री पद पर दावा छोड़ देते। इस पर शिंदे निशब्द हो गए थे। बुधवार को भाजपा की बैठक होनी है, जिसमें विधायक दल के नेता का चुनाव किया जाएगा। इससे पहले ही शिंदे ने साफ किया था कि वह भाजपा नेतृत्व के फैसले को मानेंगे और सरकार गठन में अड़ंगा नहीं डालेंगे। खबर है कि बैठक में भाजपा से देवेंद्र फडणवीस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अजित पवार, कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल और प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे मौजूद थे। महायुति ने राज्य की 288 में से 230 सीटों पर जीत हासिल की है। खबरों के मुताबिक राजनेता ने यह भी बताया है कि बैठक में शिंदे ने भाजपा को अपना पुराना कथित वादा भी याद दिलाया, जो लोकसभा चुनाव के बाद किया गया था कि अगर गठबंधन बहुमत हासिल कर लेता है कि तो उन्हें मुख्यमंत्री दोबारा बनाया जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार, उनका यह अनुरोध सीधा यह कहकर खारिज कर दिया गया कि भाजपा के बहुमत के करीब सीटें हासिल करने के बाद ऐसा फैसला लेना गलत होगा।

सीएम हिमंता बिस्वा सरमा का ऐलान, असम के होटल, रेस्टोरेंट्स और सार्वजनिक स्थानों पर गोमांस बैन

दिसपुर। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बुधवार को खपत को प्रतिबंधित करने के लिए राज्य में बीफ प्रतिबंध को रेस्तरां, होटलों और सार्वजनिक कार्यक्रमों तक बढ़ा दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम में हमने निर्णय लिया है कि किसी भी रेस्तरां या होटल में गोमांस नहीं परोसा जाएगा और किसी भी सार्वजनिक समारोह या सार्वजनिक स्थान पर भी गोमांस नहीं परोसा जाएगा, इसलिए आज से हमने निर्णय लिया है कि होटल, रेस्तरां और में गोमांस का सेवन पूरी तरह से बंद कर दिया जाएगा।

हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि पहले हमारा निर्णय मंदिरों के पास गोमांस खाना बंद करने का था लेकिन अब हमने इसे पूरे राज्य में विस्तारित कर दिया है कि आप इसे किसी भी सामुदायिक स्थान, सार्वजनिक स्थान, होटल या रेस्तरां में नहीं खा पाएंगे। मौजूदा असम मवेशी संरक्षण अधिनियम 2021 के अनुसार, उन क्षेत्रों में गोमांस और गोमांस उत्पादों की बिक्री या खरीद पर प्रतिबंध लगा दिया गया था जो मुख्य रूप से हिंदू, जैन, सिख और अन्य गैर गोमांस खाने वाले समुदायों द्वारा बसाए गए हैं या किसी मंदिर या अन्य धार्मिक संस्थान के 5 किलोमीटर के दायरे में हैं।

भारत ने खरीदा मल्टीरोल हैलिकॉप्टर यह कई टास्क को एक साथ देगा अंजाम

*** अमेरिका ने रोमियों से जुड़े आधुनिक उपकरणों की बिक्री को दी मंजूरी**

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने भारतीय नौसेना के लिए अमेरिका में बने एमएच-60 रोमिया मल्टीरोल हेलीकॉप्टर डील का एलान किया था और अब दूसरी बार ट्रंप के राष्ट्रपति बनने से पहले ही अमेरिका ने रोमियों से जुड़े आधुनिक उपकरणों को बिक्री को मंजूरी दे दी।

एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट ने फॉरन मिलेट्री सेल के तहत 1.17 बिलियन डॉलर कीमत के कम्युनिकेशन, सेंसर और लॉजेस्टिक भारतीय नौसेना के रोमियो हैलिकॉप्टर की ताक़त को और बढ़ाएगी। नौसेना के लिए करोड़ 2.6 बिलियन की कीमत से 24 एमएच-60 रोमिया मल्टीरोड हेलीकॉप्टर की खरीद की है। रोमियो हैलिकॉप्टर चौथी जेनेरेशन के हैलिकॉप्टर में सबसे बेहतर तकनीक है। ये एक मल्टीरोल हैलिकॉप्टर यानी एक साथ कई टास्क को अंजाम दे सकता है। रडार और सोनार इस हैलिकॉप्टर को दुनिया में पंडुब्बियों के लिए सबसे ख़तरनाक बनाती है। इसे एंटी-सबमरीन एडवांस हैलिकॉप्टर के तौर पर जाना जाता है। इसकी दो सबसे बड़ी खासियत यह है कि पानी में छिपी पनडुब्बियों पर हमला करना और एयर टू सरफेस यानी हवा से जमीन पर हमला करना है। वहीं हेलफायर एयर टू सरफेस मिसाइल जहाजों को निशाना बनाती है।

ख़ास बात है कि जिस तरह के कॉनफ़िगरेशन को अमेरिका नेवी इस्तेमाल में लाती है। पहले 9 हैलिकॉप्टर जो भारत में आए है वह उसी कॉनफ़िगरेशन के साथ हैं। बाकी के हैलिकॉप्टर में कुछ बदलाव भी किए जा सकते है। अभी तक भारतीय नौसेना को 9 हैलिकॉप्टर मिले हैं और इसका पहला स्क्वाड्रन कोच्चि में स्थापित भी किया जा चुका है।

चीन लगातार अपनी मौजूदगी भारतीय समुद्री इलाक़ों में बढ़ा रहा है। ऐसे में हमारी समुद्री सीमाओं को सुरक्षित रखने के लिए उन्नत हथियारों की जरूरत है। उसी में मद्देनज़र नौसेना को उन्नत तकनीक वाले एक मल्टी रोल हैलिकॉप्टर की जरूरत थी। और वह जरूरत खत्म हुई एमएच-60 रोमिया मल्टीरोल हेलीकॉप्टर के तौर पर दरअसल नौ सेना के बेड़े में शामिल ब्रिटेन के बने सी किंग हैलिकॉप्टर की फ्लीट पुरानी हो चुकी है उनकी जगह ले रहे है ये नए रोमियो हैलिकॉप्टर।

बिहार में चुनाव से पहले तेजस्वी का बड़ा दांव, बोले- हमारी सरकार बनी तो लोगों को 200 यूनिट मुफ्त बिजली देंगे

पटना (एजेंसी)। राजद नेता तेजस्वी यादव ने बुधवार को बिहार में आगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा ऐलान कर दिया है। तेजस्वी यादव ने कहा कि राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन की सरकार बनने पर पूरे बिहार में उपभोक्ताओं को हम 200 यूनिट मुफ्त बिजली देंगे। मुंगेर में राजद कार्यकर्ताओं के साथ बातचीत के मौके पर पत्रकारों से बात करते हुए, पूर्व उपमुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले जनता के साथ साझा करने के लिए एक रोडमैप तैयार कर रही है।

विधानसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि राज्य के लोग अत्यधिक बिजली दरों और स्मार्ट प्री-पेड मीटरों द्वारा अनियमित बिलिंग से जूझ रहे हैं, जो स्मार्ट धोखेबाज कहलाने लायक हैं। उन्होंने कहा कि हम चीजों को सही करने और 200 यूनिट मुफ्त बिजली प्रदान करके लोगों को राहत देने का इरादा रखते हैं। हम सत्ता में आने पर ऐसा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं लेकिन तब तक हम नीतीश कुमार सरकार पर इसके लिए दबाव बनाएंगे। युवा नेता ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार वह नहीं रहे जो वह थे और वह उस मंडली के लिए 'मुखौटा' (मुखौटा) बन गए हैं जो राज्य में सत्ता खींच रही है।

राजद नेता ने बिहार के लिए विशेष दर्जा सुरक्षित करने और वंचित जातियों के लिए बढ़ा हुआ कोटा प्रदान करने वाले कानूनों की रक्षा करने में विफलता के लिए जद (यू) सुप्रीमो को लताड़ा, बावजूद इसके कि उनकी पार्टी केंद्र में एनडीए सरकार का हिस्सा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि महिला संवाद यात्रा के लिए 250 करोड़ रुपये का बजटीय आवंटन किया गया है, जिसे मुख्यमंत्री जल्द ही शुरू करने वाले हैं और कहा कि सार्वजनिक धन को बर्बाद किया जा रहा है। ऐसा लगता है कि नौकरशाही को लूट में लिप्त होने की खुली छूट दे दी गई है।

पीने लायक नहीं रह गया है हरिद्वार का गंगाजल, रिपोर्ट में हुआ खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरिद्वार में गंगा नदी का पानी लोग बोतलों से लेकर केन में भरकर घर लाते हैं, ताकि इसके शुद्ध पानी से घर को भी स्वच्छ किया जा सके। गंगाजल का उपयोग वर्षों से कई धार्मिक कार्यों में भी किया जाता है। गंगाजल से शुद्ध हिंदू धर्म में और कुछ नहीं है। मगर बीते कई वर्षों में ऐसी रिपोर्ट सामने आई है जिसमें कहा गया है कि गंगाजल में उपलब्ध वो बैक्टीरिया जो इसे पवित्र बनाते हैं, उनकी संख्या अब कम होती जा रही है।

इसी बीच उत्तराखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की भी एक रिपोर्ट सामने आई है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि हरिद्वार में गंगा नदी का पानी बी श्रेणी में पाया गया है। पीने के लिए ये पानी सुरक्षित नहीं माना जा सकता है। हालांकि इस पानी का उपयोग नहाने के लिए किया जा सकता है। गौरतलब है कि उत्तराखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड हर महीने हरिद्वार के आसपास करीब आठ स्थानों पर गंगा के पानी की जांच करता है। हाल ही में किए गए परीक्षण के दौरान नवंबर महीने के लिए गंगा नदी का पानी 'बी' श्रेणी का पाया गया। नदी के पानी को पाँच श्रेणियों में बांटा गया है, जिसमें 'ए' सबसे कम जहरीला है, जिसका मतलब है कि पानी को कीटाणुरहित करने के बाद पीने के स्रोत के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है और 'ई' सबसे जहरीला है। एएनआई से खास बातचीत में यूकेपीसीबी के क्षेत्रीय अधिकारी राजेंद्र सिंह ने बताया, 'केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने पानी की गुणवत्ता को पांच श्रेणियों में बांटा है। चार मापदंडों (पीएच, घुलित ऑक्सीजन, जैविक ऑक्सीजन और कुल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया) के आधार पर गंगा की गुणवत्ता 'बी' श्रेणी में पाई गई है। इसका मतलब है कि गंगा का पानी नहाने के लिए उपयुक्त है।' स्थानीय पुजारी उज्ज्वल पंडित ने भी जल प्रदूषण में हो रही वृद्धि पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि मानव मल के कारण गंगा जल की शुद्धता प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा, 'केवल गंगाजल से स्नान करने से हमारे शरीर के रोग दूर हो जाते हैं। इससे कैंसर जैसी बीमारियां ठीक हो जाती हैं। हमारा दावा है कि अगर आप अभी गंगाजल लें और 10 साल बाद इसकी जांच करें तो आपको इसमें कोई अशुद्धता नहीं मिलेगी। गंगाजल की शुद्धता के बारे में जो भी बात सामने आ रही है वह मानव मल के कारण है और हमें इसे बदलने की जरूरत है।'

इस बीच, भारत की नदी निकायों, विशेषकर दिल्ली में यमुना नदी में प्रदूषण पिछले कुछ वर्षों से गंभीर चिंता का कारण रहा है। 1 दिसंबर को यानुमा नदी की सतह पर जहरीले झाग की एक मोटी परत तैरती देखी गई, जिससे संभावित स्वास्थ्य जोखिम के बारे में चिंताएं बढ़ गईं।

अब उद्धव को लगा झटका, बोले- हिंदुत्व का एजेंडा उठाओ वरना खत्म हो जाएगी पार्टी

मुंबई (एजेंसी)। कहते हैं सुबह का भूला शाम को घर लौट आए तो उसे भूला नहीं कहते हैं। हिंदु सम्राट बाला साहेब ठाकरे के बेटे उद्धव ठाकरे भी हिंदुत्व से भटक गए थे। अब,जब महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में उन्हे केवल 20 सीटें मिली तो एकदम से उन्हे बड़ा झटका लगा और बोले कि इस बार 20 सीटें आईं। यदि ऐसा ही रहा तो आने वाले समय में एक भी सीट नहीं बचेगी। इससे बेहतर है कि हिंदुत्व का एजेंडा लगातार चलते रहना चाहिए। एक पूर्व पार्षद ने कहा, उन्होंने हमें कहा है कि शिवसेना यूबीटी हमेशा हिंदुत्व के लिए काम कर रही थी और हमेशा करती रहेगी, लेकिन विपक्ष ने गलत बात फैला दी कि हमने हिंदुत्व छोड़ दिया है। उन्होंने हमें हिंदुत्व का एजेंडा लोगों तक ले जाने के लिए कहा है। शिवसेना यूबीटी प्रमुख ने नेताओं से मुंबई की 36 विधानसभाओं में फैले 227 वार्डों में तैयारी शुरू करने के लिए कहा है। महाविकास अघाड़ी में शामिल शिवसेना यूबीटी

अब हिंदुत्व का एजेंडा घर घर ले जाने की तैयारी कर रही है। पार्टी ने यह फैसला बृह्नमुंबई महानगर पालिका चुनाव से पहले उठाया है। नवंबर में संपन्न हुए महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में पार्टी महज 20 सीटें ही जीत सकी थी। कहा जा रहा है कि शिवसेना यूबीटी के कई नेता अब एमवीए से अलग होकर चुनाव लड़ने का सुझाव दे रहे हैं। खबर है कि मंगलवार को पार्टी अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने पूर्व पार्षदों को बीएमसी चुनावों की तैयारी शुरू करने के लिए कहा है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा जा रहा है कि उद्धव ने पूर्व पार्षदों से भाजपा और महायुति की उस बात का विरोध करने के लिए कहा है, जिसमें दावा किया जाता है कि शिवसेना यूबीटी ने हिंदुत्व विचारधारा छोड़ दी है।

बीएमसी चुनावों में नहीं होगा गठबंधन

रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा है कि अधिकांश पूर्व पार्षद चाहते हैं कि शिवसेना यूबीटी को बीएमसी चुनावों में किसी गठबंधन का हिस्सा नहीं होना चाहिए। खबर है कि उद्धव ने पहले उन्हें जमीन पर काम शुरू करने के लिए कहा है। पार्टी ने मुंबई में चुनाव की तैयारियों के लिए विधायकों, नेताओं, सचिवों और संयोजकों को भी नियुक्त कर दिया है। शिवसेना के एक पदाधिकारी का कहना है कि निकाय चुनावों के लिए 18 पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई है। साथ ही खबर है कि अगले सप्ताह तक उद्धव ने नेताओं से विस्तृत रिपोर्ट भी मांगी है।

लोकसभा में राहुल गांधी के साथ वाली सीट पर बैठने को तैयार नहीं अखिलेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में 99 सांसदों के साथ सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी बनकर उभरी कांग्रेस की इच्छा थी कि सदन में उनके नेता राहुल गांधी के ठीक बराबर वाली सीट पर समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव बैठें। सत्ता पक्ष के सामने विपक्ष की मजबूत एकता का खुला नजारा पेश किया जाएगा। जिससे सरकार हमेशा सचेत रहेगी। लेकिन अखिलेश इसके लिए तैयार नहीं हुए। मंगलवार को सदन की कार्रवाई की शुरुआत से कुछ देर पहले कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद केसी वेणुगोपाल और अन्य सदस्यों के द्वारा अखिलेश यादव से इसे लेकर अपील भी की गई। लेकिन उन्होंने इसे मानने से इंकार दिया और वह सदन में विपक्षी दलों की कांग्रेस के बाद वाली दूसरी पंक्ति की अपनी पूर्व नियोजित सीट पर बैठने के लिए ही तैयार नजर आए। अखिलेश के मना करने पर हालांकि खुद कांग्रेस नेता राहुल गांधी अपनी सीट से उठे और उन्होंने भी अखिलेश यादव को मनाने की कोशिश की और उन्हें अपने साथ वाली सीट पर बैठने का अनुरोध किया। जिस पर भी अखिलेश ने अपनी पुरानी सीट पर ही बैठने की इच्छा जताई। मूल रूप से सदन में कांग्रेस के सांसदों के बैठने के क्रम में सबसे आगे राहुल गांधी बैठते हैं। उनके साथ वाली एक सीट कांग्रेस ने द्रमुक के वरिष्ठ नेता टी.आर.बालू को दी है और अब पार्टी की इच्छा बालू के साथ वाली खाली सीट अखिलेश यादव को देने की थी। लेकिन सपा मुखिया इसके लिए तैयार नहीं हुए।

वहीं, जानकार इसके पीछे लोकसभा में विपक्ष की दूसरी पंक्ति में समाजवादी पार्टी के लगभग सभी सांसदों के बैठने को मुख्य वजह के रूप में देख रहे हैं। उनका कहना है कि अगर सपा मुखिया अखिलेश यादव सदन में अपने दल की तरफ से कोई मुद्दा उठाएंगे तो उन्हें समर्थन प्रदान करने के लिए सपा के बाकी सांसद उनके पीछे या आसपास होने चाहिए। यही व्यवस्था वर्तमान में सदन में बनी हुई है। लेकिन अगर अखिलेश इसकी जगह पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के पास जाकर बैठते हैं तो उनके और सपा के सदस्यों के बीच बना हुआ यही मजबूत तारतम्य टूटेगा। संभवतः यही कारण हो सकता है कि अखिलेश यादव ने राहुल गांधी के बराबर वाली सीट पर बैठने से इंकार किया होगा।

महाकुंभ की टेंट सिटी किसी सुपर डीलक्स होटल से नहीं होगी कम

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रयागराज महाकुंभ 2025 में आने वाले करोड़ों भक्तों की सुविधाओं को ध्यान में रखकर योगी सरकार महाकुंभ मेला क्षेत्र के सेक्टर-20 (अरैल) में 2,000 से ज्यादा स्विस कॉटेज बेस्ड टेंट्स की स्थापना कर रही है। इन टेंट्स में ठहरने वाले लोगों की सुविधा के लिए विला टेंट्स को 900 स्क्वेयर फीट, सुपर डीलक्स टेंट्स को 480 से 580 स्क्वेयर फीट तथा डीलक्स ब्लॉक्स की स्थापना 250 से 400 स्क्वेयर फीट के क्षेत्र में बनाया जा रहा है। इन टेंट्स में एसी, डबल बेड, मैट्रेस, सोफा सेट, कस्टमाइज्ड इंटीरियर्स, राइटिंग डेस्क, इलेक्ट्रिक गीजर, फायर एक्सटिंगुइशर्स, रजाई, ब्लैंकेट, मॉस्किटो नेट, वाईफाई, डाइनिंग एरिया व कॉमन सिटिंग एरिया जैसी सुविधाएं उपलब्ध होगी, जो नदी किनारे सुखद पर्यावरणीय दृष्यों के अवलोकन का अनुभव प्रदान करेंगे। वहीं, इनके पैकेज में योग, कल्चरल इवेंट्स व प्रयागराज से जुड़ी अन्य प्रमुख स्थलों व धार्मिक महत्व के क्षेत्रों की जानकारी उपलब्ध कराना भी सम्मिलित होगा। यह सुपर डीलक्स टेंट विला, महाराजा, स्विस कॉटेज व डॉर्मेटरी फॉर्मेट में उपलब्ध रहेंगी, जिनका प्राइसिंग 1,500 से 35,000 के बीच प्रतिदिन के हिसाब से तय रहेंगी। वहीं, डॉर्मेटरी के अलावा 4,000 से 8,000 का शुल्क अतिरिक्त व्यक्ति के ठहरने पर देना होगा। यूपीएसटीडीसी द्वारा जो टेंट सिटी स्थापित की जा रही है, वह सीएम योगी के विजन के अनुरूप तैयार की जा रही है। अनुमान है कि महाकुंभ 2025 में 75 देशों के 45 करोड़ से अधिक विजिटर्स आ सकते हैं, ऐसे में उन्हें वर्ल्ड क्लास अकॉमोडेशन फैसिलिटी उपलब्ध कराने के लिए 1 जनवरी से 5 मार्च की समयावधि के बीच इन टेंट्स का संचालन किया जाएगा। इन टेंट्स को यूपीएसटीडीसी की वेबसाइट और महाकुंभ ऐप के जरिए भी बुक किया जा सकता है। इन टेंटों की स्थापना उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड (यूपीएसटीडीसी) द्वारा किया जा रहा है और 6 पार्टनर्स के साथ मिलकर विभिन्न टेंट ब्लॉक्स की स्थापना कर रहे हैं। इनमें आगमन, कुंभ कैम्प इंडिया, ऋषिकुल कुंभ कॉटेज, कुंभ विलेज, कुंभ कैनवास व एरा प्रमुख हैं।

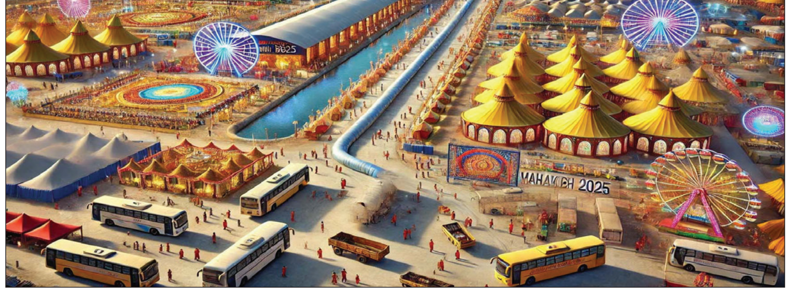

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चीन की सेना को खोखला कर रहा भ्रष्टाचार ! शी जिनपिंग भी परेशान

बीजिंग, एजेंसी। चीन की सेना में इन दिनों खलबली मची हुई है। यहां एक के बाद एक भ्रष्टाचार के कई मामले सामने आए हैं और कई बड़े अधिकारियों पर भी गाज गिरी है। फिलहाल चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग अपने सैन्य नेतृत्व में भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रखे हुए हैं। इसी क्रम में उन्होंने एक और बड़े अधिकारी पर शिकंजा कसा है। हाल ही में रक्षा मंत्रालय ने घोषणा की है कि केंद्रीय सैन्य आयोग (सीएमसी) के सदस्य और राजनीतिक कार्य विभाग के प्रमुख एडमिरल मियाओ हुआ को अनुशासनहीनता के गंभीर आरोपों के चलते निलंबित कर दिया गया है और उनके खिलाफ जांच शुरू कर दी गई है। चीन में यह शब्द आमतौर पर भ्रष्टाचार के मामलों के लिए प्रयोग किया जाता है।

मियाओ को हाल ही में लिया गया था हिरासत में : रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता वू क्यान ने बताया कि मियाओ की उम्र 69 वर्ष है और वह शी जिनपिंग के करीबी माने जाते हैं। उन्होंने 1990 और 2000 के दशक की शुरुआत में फुजियान प्रांत में एक राजनीतिक अधिकारी के रूप में कार्य किया था, जब शी वहां स्थानीय अधिकारी थे। मियाओ को कथित तौर पर नौ नवंबर को हिरासत में लिया गया था।

पीएलए में भ्रष्टाचार के खिलाफ व्यापक अभियान : पिछले वर्ष से, शी

जिनपिंग ने चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) में भ्रष्टाचार के खिलाफ व्यापक अभियान छेड़ा है। उनके निशाने पर विशेष रूप से रॉकेट फोर्स है, जो चीन के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों को संभालती है। इस दौरान कई उच्च रैंक के जनरलों को उनके पदों से हटा दिया गया, जिनमें पूर्व रक्षा मंत्री ली शांगफु और वेई फेंघे शामिल हैं। दोनों को जून में पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था।

पीएलए नेताओं के लिए एक बड़ी नाकामयाबी : एशिया सोसाइटी पॉलिसी इंस्टीट्यूट के राष्ट्रीय सुरक्षा विशेषज्ञ लाइल मॉरिस ने कहा, अक्तूबर 2022 में 20वीं पार्टी कांग्रेस में छह सदस्यीय सीएमसी की घोषणा की गई थी। बाद में दो लोगों ली शांगफू और मियाओ हुआ को जांच के दायरे में रखा गया। यह अकेले ही शी के सबसे भरोसेमंद पीएलए नेताओं के लिए एक बड़ी नाकामयाबी है। उन्होंने कहा कि मियाओ ने नौसेना की वर्दी पहनी हुई थी, लेकिन उनकी पृष्ठभूमि मुख्य रूप से ताइवान का सामना करने वाली जमीनी सेना में थी। वास्तव में, फुजियान प्रांत में उनकी पोस्टिंग शी के प्रशासनिक समय के साथ मेल खाती थी। शी के एक शिष्य होने के नाते, उन्हें दिसंबर 2014 में पीएलए नेवी (पीएलएएन) में स्थानांतरित होने और इसका राजनीतिक आयुक्त बनने की अनुमति मिली। उनकी गैर-पारंपरिक क्रॉस-सेवा पुनः नियुक्तियां शी के स्थापित नेटवर्क को दरकिनार करने और व्यक्तिगत वफादारी विकसित करने के प्रयास के पैटर्न को दर्शाती हैं। इतना ही नहीं, शी के सत्ता में आने के बाद से मियाओ सातवें सीएमसी सदस्य बने। शी ने व्यक्तिगत रूप से 31 जुलाई 2015 को उन्हें पूर्ण एडमिरल के पद पर पदोन्नत किया और अक्तूबर 2017 में उन्हें सीएमसी में पदोन्नत किया।

शी जिनपिंग का सैन्य सुधार अभियान : शी जिनपिंग का उद्देश्य चीन की सेना को विश्व-स्तरीय बनाने का है, जिसके तहत उन्होंने सेना की युद्ध क्षमता और क्षेत्रीय दावों की रक्षा को मजबूत करने के लिए अरबों डॉलर का निवेश किया है। इसके बावजूद, पीएलए में भ्रष्टाचार की गहरी जड़ें शी जिनपिंग के सैन्य सुधार अभियान को चुनौती दे रही हैं। लाइल मॉरिस ने कहा, चीन की सेना में भ्रष्टाचार केवल कुछ अधिकारियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरी प्रणाली में गहराई से समाया हुआ है। यह समस्या शी जिनपिंग और उनके उत्तराधिकारियों के लिए आने वाले वर्षों में भी चुनौती बनी रहेगी। यह घटनाक्रम तब हो रहा है, जब शी जिनपिंग अपनी सेना को अत्याधुनिक और लड़ाई के लिए तैयार बनाने के अपने मिशन को आगे बढ़ा रहे हैं।

क्या बोले वुथनो : अमेरिका में नेशनल डिफेंस यूनिवर्सिटी में इंस्टीट्यूट फॉर नेशनल स्ट्रैटेजिक स्टडीज के जोएल वुथनो ने बताया, मियाओ हुआ को हटाना एक बड़ी बात है, क्योंकि वह अंतिम अंदरूनी व्यक्ति थे। किसी को यह भी सोचना होगा कि इसमें से कितना वित्तीय भ्रष्टाचार के बारे में है, और कितना पीएलए में अनियंत्रित शक्ति केंद्रों के उभरने की चिंताओं के बारे में है। दरअसल, भ्रष्टाचार के आरोपों में कई तरह के पाप शामिल हो सकते हैं, जैसे कि शी के राजनीतिक एजेंडे को कमजोर करना, गुट बनाना, शी के निर्देशों को पूरी तरह से लागू नहीं करना, या यहां तक कि शी की राजनीतिक सुरक्षा को भी खतरे में डालना। मियाओ के वास्तविक अपराध से कोई फर्क नहीं पड़ता, चीन की आर्थिक दुर्दशा के बिगड़ने के साथ शी तेजी से बौखलाए दिख रहे हैं। मियाओ के निलंबित होने के साथ, सीएमसी में केवल पांच लोग रह गए हैं, जिसमें शी इसके अध्यक्ष भी शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

बाइडेन ने विदाई से पहले भारत के साथ जबरदस्त रक्षा डील को दी मंजूरी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन ने सोमवार को कांग्रेस (अमेरिका की संसद) को अधिसूचित किया कि उसने 'एमएच-60आर मल्टी-मिशन हेलीकॉप्टर इक्यूपमेंट और संबंधित उपकरणों की बिक्री को मंजूरी देने का फैसला किया है

जिसकी अनुमानित लागत 1.17 अरब अमेरीकी डॉलर है। रक्षा सुरक्षा सहयोग एजेंसी ने 'कांग्रेस को एक अधिसूचना में बताया कि उपकरणों की बिक्री की प्रस्तावित योजना, भारत की पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमताओं का उन्नयन कर वर्तमान और भविष्य के खतरों को रोकने की क्षमता में सुधार करेगी। बाइडेन प्रशासन ने भारत को प्रमुख रक्षा उपकरणों की बिक्री की मंजूरी अपने चार साल के कार्यकाल के पूरा होने से कुछ सप्ताह पहले दी है। पांच नवंबर को हुए राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल करने के बाद डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी 2025 को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे। अधिसूचना के अनुसार, भारत ने 30 'मल्टीफंक्शनल इन्फॉर्मेशन डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम-जॉइंट टेक्टिकल रेडियो सिस्टम्स (एमआईडीएस-जेटीआरएस) खरीदने का प्रस्ताव रखा है। इस बिक्री में मुख्य रूप से अनुबंध 'लॉकहीड मार्टिन रोटरी और मिशन सिस्टम के साथ होगा। इसमें कहा गया है कि इसके कार्यान्वयन के वास्ते तकनीकी सहायता और प्रबंधन निरीक्षण के लिए अस्थायी आधार पर अमेरिका की सरकार 20 या अनुबंध में शामिल कंपनियों के 25 प्रतिनिधियों की भारत की यात्रा की जरूरत होगी।

इमरान खान, उनकी पत्नी और 94 अन्य के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की आतंकवाद निरोधक अदालत ने इमरान खान की पार्टी के समर्थकों द्वारा पिछले सप्ताह इस्लामाबाद में किए गए प्रदर्शन से संबंधित एक मामले में पूर्व प्रधानमंत्री खान, उनकी पत्नी बुशरा बीबी, खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर और 93 अन्य के खिलाफ सोमवार को गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। 'पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान ने 24 नवंबर को देशव्यापी प्रदर्शन के लिए ''अंतिम आह्वान किया था जिसमें उनकी और अन्य नेताओं को रिहा करने, आठ फरवरी के चुनावों में पीटीआई की जीत को मान्यता देने के अलावा 26वें संविधान संशोधन को निरस्त करने की मांग की गई थी। 26वें संविधान संशोधन ने न्यायाधीशों और मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति की प्रक्रिया को बदल दिया था। इस्लामाबाद पुलिस ने इस्लामाबाद स्थित आतंकवाद निरोधक अदालत (एटीसी) में 96 संदिग्धों की सूची सौंपी, जिसमें पार्टी के प्रमुख नेताओं जैसे इमरान खान, बुशरा बीबी, गंडापुर, पूर्व राष्ट्रपति आरिफ अल्वी, नेशनल असेंबली के पूर्व अध्यक्ष असद कैसर, पार्टी अध्यक्ष गौहर खान, नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता उमर अयूब खान और कई अन्य नेताओं के नाम शामिल था। इस्लामाबाद पुलिस ने अदालत से इन सभी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने का अनुरोध किया था।

पाकिस्तान में खिलौना बम फटने से 2 सगे भाइयों समेत तीन बच्चों की मौत

पेशावर, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में सोमवार को खिलौना बम फटने से दो सगे भाइयों समेत कम से कम तीन बच्चों की मौत हो गई। यह घटना बन्नू के वजीर उपखंड के जानी खेल इलाके में हुई। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, बच्चे मदरसे से घर लौट रहे थे तभी मोर्टार के खोल में विस्फोट हुआ और दो भाइयों समेत तीन छात्रों की मौत हो गई। मोर्टार का खोल एक सुनसान इलाके में पड़ा था। बच्चों ने इसे खिलौना समझकर उठा लिया, जिससे भीषण धमाका हुआ। पूर्व में भी कई बच्चे इस तरह के ''खिलौनों से खेलते समय अपनी जान गंवा चुके हैं। ये 'खिलौने जांच में विस्फोटक उपकरण निकले। इस तरह की घटनाएं ज्यादातर उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में ही सामने आती रही हैं। सोवियत सेना द्वारा 1980 के दशक में पड़ोसी अफगानिस्तान में उनके आक्रमण का विरोध करने वाले लोगों के खिलाफ हथियार के तौर पर इस्तेमाल करने के लिए ''खिलौना बम गिराए गए थे।

इजराइल में मस्जिदों से स्पीकर हटाए जाएंगे-पुलिस को स्पीकर जब्त करने का आदेश

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल में मस्जिदों में स्पीकर से अजान पर रोक लगा दी गई है। रक्षा मंत्री इतामार बेन ग्विर ने पुलिस को मस्जिदों में लगे स्पीकर जब्त करने और शोर करने पर जुर्माना लगाने का आदेश दिया है। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, पूर्वी यरुशलम और कई दूसरे इलाकों में मस्जिदों से आने वाले तेज शोर की शिकायत की गई है। स्पीकर बैन की मांग करने वालों का कहना है कि इसकी तेज आवाज से सुबह की नींद में खलल पड़ता है। बेन ग्विर ने पुलिस कमांडरों से कहा- वह जल्द एक बिल पेश करेंगे जो शोर मचाने वाली मस्जिदों पर जुर्माना बढ़ाया जाएगा। कुछ शहरों के मेयर ने कहा- हम बेन ग्विर के इस कदम को मुस्लिमों के खिलाफ उकसावे की कार्रवाई के तौर पर देखते हैं, इससे दंगे फैल सकते हैं।

बांग्लादेश हाई कोर्ट में भारतीय टीवी चैनलों पर प्रतिबंध लगाने की मांग

ढाका, एजेंसी। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका दायर की गई है. इस याचिका में बांग्लादेशी संस्कृति और समाज पर भारतीय मीडिया के प्रभाव पर बढ़ती चिंताओं का हवाला देते हुए देश में भारतीय टीवी चैनलों के प्रसारण पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई है. सोमवार को याचिका दायर करने वाले वकील एखलास उद्दीन भुइयां ने भारतीय टीवी चैनलों के प्रसारण पर रोक लगाने के लिए केबल टेलीविजन नेटवर्क ऑपरेशन एक्ट 2006 के तहत निर्देश देने की मांग की है.

ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, इसमें यह भी पूछा गया है कि बांग्लादेश में भारतीय टीवी चैनलों पर प्रतिबंध लगाने का निर्देश देने वाला नियम क्यों नहीं जारी किया जाना चाहिए. न्यायमूर्ति फातिमा नजीब और न्यायमूर्ति सिकदर महमूदुर रजी की उच्च न्यायालय की पीठ में आवेदन पर सुनवाई हो सकती है. याचिका में सूचना मंत्रालय और गृह मंत्रालय के सचिव, बांग्लादेश दूरसंचार नियामक आयोग (बीटीआरसी) और अन्य को प्रतिवादी बनाया गया है. ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, याचिका में स्टार जलसा, स्टार प्लस, जी बांग्ला, रिपब्लिक बांग्ला और अन्य सभी भारतीय टीवी चैनलों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई है. याचिका में आरोप लगाया गया है कि भारतीय चैनलों पर भड़काऊ खबरें प्रसारित की जा रही हैं. बांग्लादेशी संस्कृति का विरोध करने वाली सामग्री का अनियंत्रित प्रसारण युवाओं को बर्बाद कर रहा है. इसके अलावा, यह आरोप लगाया गया है कि ये चैनल किसी भी नियमन का पालन किए बिना काम करते हैं. उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समूहों के खिलाफ हिंसक हमलों में वृद्धि देखी गई है, जिससे अधिक सुरक्षा और समर्थन की मांग की जा रही है।

बांग्लादेशी हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ वैश्विक स्तर पर विरोध तेज, कनाडा में सड़कों पर प्रदर्शन

टोरंटो, एजेंसी। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार और पुजारियों की गिरफ्तारी के विरोध की लहर अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर फैल रही है। इस्कॉन (अंतर्राष्ट्रीय कृष्ण चेतना सोसायटी) ने बताया कि रविवार को दुनिया के 1000 से अधिक मंदिरों में बांग्लादेश में शांति और अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा के लिए विशेष प्रार्थना सभाएं आयोजित की गईं। कनाडा में बसे बांग्लादेशी हिंदुओं ने सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किया और सरकार से बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने के लिए दबाव बनाने की अपील की। प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश में हिंदुओं के सम्मान और सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की। बांग्लादेश प्रशासन ने इस्कॉन से जुड़े चिन्मय दास प्रभु को राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया। इसके बाद तीन अन्य हिंदू पुजारियों को भी हिरासत में लिया गया। रिपोर्ट्स के अनुसार, इन पुजारियों को दवाएं उपलब्ध कराने तक पर रोक लगा दी गई है। बांग्लादेश सरकार ने इस्कॉन के 63 ब्रह्मचारियों को वैध भारतीय वीजा और दस्तावेज होने के बावजूद भारत में प्रवेश करने से रोक दिया। इस्कॉन कोलकाता के उपाध्यक्ष राधारमण दास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि बांग्लादेशी सीमा पुलिस ने खुफिया विभाग के निर्देशों का हवाला देकर इन्हें रोका।

अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा हिजबुल्ला, संघर्ष विराम समझौते का किया उल्लंघन

यरुशलम, एजेंसी। बीते एक साल से ज्यादा समय से इस्राइल और हमास के बीच जंग जारी हैं। वहीं, इस युद्ध की लपटें लेबनान और ईरान तक पहुंच चुकी हैं। हालांकि, शांति की एक पहल के रूप में इस्राइल और लेबनान ने शुरुआती दो महीने के लिए 27 नवंबर को संघर्ष विराम समझौते पर मुहर लगाई थी। मगर इस बीच, हिजबुल्ला और इस्राइल के बीच फिर तनातनी दिखी। दरअसल, इस्राइल का दावा है कि हिजबुल्ला ने संघर्ष विराम समझौते का उल्लघंन किया है। साथ ही चेतावनी दी है कि वह भी अपने नागरिकों की रक्षा के लिए काम करना जारी रखेगा।

इस्राइल ने दिया हिजबुल्ला को मुंह तोड़ जवाब : इस्राइली रक्षा बलों ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, इस्राइल की वायुसेना ने थोड़ी देर पहले लेबनान में हिजबुल्ला के आतंकवादियों, दर्जनों लांचरों और आतंकवादी बुनियादी ढांचे को मार गिराया। इसके अलावा, माउंट डोव की ओर दो प्रोजेक्टाइल हमले करने के तुरंत बाद वायुसेना ने दक्षिणी लेबनान के बरघोज क्षेत्र में हिजबुल्ला के लॉन्चर पर हमला किया।

संघर्ष विराम समझौते का उल्लंघन : उसने आगे कहा, हिजबुल्ला का आज रात का हमला इस्राइल और लेबनान के बीच संघर्ष विराम समझौते का उल्लंघन है। इस्राइल मांग करता है कि लेबनान में संबंधित पक्ष अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करें और लेबनानी क्षेत्र के भीतर से हिजबुल्ला की शत्रुतापूर्ण गतिविधि को रोकें। इस्राइल लेबनान

में युद्धविराम समझौते की शर्तों को पूरा करने के लिए बाध्य है। साथ ही चेतावनी देते हुए इस्राइली रक्षा बलों ने कहा, आईडीएफ जहां भी जरूरी होगा संचालन जारी रखने के लिए तैयार है और इस्राइल के नागरिकों की रक्षा के लिए काम करना जारी रखेगा।

इस्राइल के युद्धविराम उल्लंघन का जवाब-हिजबुल्ला : इससे पहले, हिजबुल्ला ने सोमवार को कब्जे वाले शेबा फार्म्स पर दो मिसाइलें दागी थीं। बीते बुधवार को युद्धविराम समझौता लागू होने के बाद हिजबुल्ला का यह पहला हमला था। इस्राइली सेना ने कहा था कि ये मिसाइलें खुले इलाकों में गिरीं और किसी को नुकसान नहीं हुआ। वहीं, हिजबुल्ला ने हमले की जिम्मेदारी लेते हुए कहा था कि यह हमला इस्राइल द्वारा बार-बार युद्धविराम उल्लंघन का जवाब था। लेबनान ने इस्राइल पर पिछले छह दिनों में 50 से अधिक बार संघर्ष विराम का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। हिजबुल्ला ने कहा था कि इस्राइल के संघर्ष विराम उल्लंघनों ने कई रूप ले लिए हैं, जिनमें नागरिकों के खिलाफ गोलीबारी और लेबनान के विभिन्न क्षेत्रों पर हवाई हमले शामिल हैं। इन हमलों के परिणामस्वरूप कई नागरिक मारे गए और कई अन्य घायल हो गए।

अमेरिका में भारतीय मूल के फोटोग्राफर पर नस्लीय हमला

एलए एयरपोर्ट पर महिला ने भारतीयों को पागल कहा, एयरलाइन्स ने नो-फ्लाई लिस्ट में डाला

लॉस एंजिल्स, एजेंसी। लॉस एंजिल्स एयरपोर्ट पर शटल बस में भारतीय मूल के अमेरिकी फोटोग्राफर परवेज तौफीक और उनके परिवार पर नस्लीय हमला किया गया। एक महिला ने तौफीक के परिवार पर नस्लीय टिप्पणी करते हुए कहा- तुम्हारा परिवार भारत से है, तुम्हें रूल्स की कोई इज्जत नहीं है... भारतीय पागल हैं। महिला की इस हरकत पर यूनाइटेड एयरलाइन्स ने उसे नो-फ्लाई लिस्ट में डाल दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। मामले की शुरुआत तब हुई जब महिला ने तौफीक के बेटे पर नस्लीय टिप्पणी करना शुरू कर दिया। तौफीक ने जैसे ही इसका वीडियो बनाना शुरू किया तो महिला ने मिडिल फिंगर दिखाते हुए चिल्लाना शुरू कर दिया। महिला ने कहा- तुम्हारा परिवार भारत से है, तुम्हें रूल्स की कोई इज्जत नहीं है, तुम्हें लगता है कि तुम हर किसी को धक्का दे सकते हो। तुम लोग पागल हो। खुद को ही पीड़ित बताने लगी महिला मामला बिगड़ता देख जब सिक्योरिटी गार्ड्स को बुलाया गया तो महिला खुद को ही पीड़ित बताने लगी। महिला ने कहा- वह (एयरलाइन कर्मचारी)

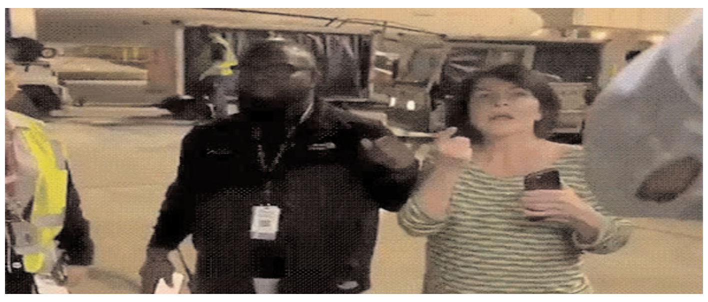

इस बात की परवाह नहीं करती कि मैं नस्लवादी हूं, तुम मेरे लिए नस्लवादी हो, मैं अमेरिकन हूं। तौफीक ने कहा- हम भी अमेरिकन ही हैं। जवाब में महिला कहा- तुम अमेरिकी नहीं हो। ओरिजिनली नहीं। तुम भारत से हो। हालांकि, दूसरे पैसेंजर्स फोटोग्राफर का सपोर्ट किया। तौफीक ने घटना का वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए लिखा- इस वक्त मेरा खून खौल रहा है। मैं इस पर यकीन भी नहीं कर सकता। वह मेरे बच्चों को चुप रहने के लिए कह रही थी, और मैं अपना आपा खो बैठा। मैंने कहा- तुम्हें मेरे बच्चों से इस तरह बात करने का हक नहीं है। अमेरिका में भारतीय के खिलाफ नस्लीय हिंसा बढ़ी अमेरिका में पिछले कुछ वक्त से भारतीयों के खिलाफ नस्लीय हिंसा में बढ़ोतरी देखी गई है। साल 2024 के शुरुआती तीन महीनों में ही भारतीय छात्रों की हत्या का आंकड़ा दहाई को पार कर गया था। कंजर्वेटिव पार्टी ने इसे लेकर अमेरिकी संसद में सवाल भी पूछा था। जिसके जवाब में व्हाइट हाउस की तरफ से जारी बयान में इस तरह के मामले को लेकर जीरो टॉलरेंस की बात कही गई थी। इंडो-अमेरिकी डेमोक्रेट लीडर और कांग्रेस मैन श्री थानेदार ने हिंदूफोबिया के खिलाफ लड़ने की बात कही थी। उन्होंने जोर देकर कहा कि अमेरिका में घृणा के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए

ट्रम्प ने हमास को धमकी दी-कहा- 20 जनवरी तक बंधकों को रिहा करो, नहीं तो गंभीर नतीजे भुगतने होंगे

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति-चुनाव डोनाल्ड ट्रंप ने मध्य पूर्व में चल रहे बंधक संकट के बारे में हमास को एक कड़ी चेतावनी जारी की है. उन्होंने कहा है कि यदि नियत समय से पहले बंधकों को रिहा नहीं किया गया तो मध्य पूर्व के कई देश नरक में बदल जायेंगे. ट्रम्प ने अपनी बात कहने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल का इस्तेमाल किया है. ट्रंप ने कहा कि कृपया इस सच्चाई को सभी लोग जान लें कि यदि 20 जनवरी तक बंधकों को रिहा नहीं किया गया. तो फिलिस्तिन के समर्थक मध्यपूर्व देशों को नरक बनते देर नहीं लगेगी. बता दें कि 20 जनवरी को ट्रंप अमेरिका के नये राष्ट्रपति के तौर पर शपथ लेंगे. यह बतौर राष्ट्रपति उनका दूसरा कार्यकाल होगा. ट्रंप ने इस मामले पर पिछली बातचीत में कहा कहा था कि हर मुद्दे पर वार्ता करने की बात हो रही है, लेकिन कोई भी मजबूत ढंग से बंधकों की रिहाई की बात नहीं कर रहा है. उनके लिए कोई कार्रवाई नहीं हो रही है. यह बहुत ही हिंसक बात है. उन्होंने कहा कि हर कोई उन बंधकों के बारे में बात कर रहा है, लेकिन सिर्फ बातें ही हो रही हैं. कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही है. ट्रंप ने कसम खाई कि बंधक बनाने वाले लोग अमेरिका की ओर से विदेशी संस्थाओं के खिलाफ की गई किसी भी कार्रवाई से अधिक भीषण कार्रवाई का सामना करेंगे. उन्होंने कहा कि उन जिम्मेदार लोगों को अमेरिका के लंबे और संग्रहीत इतिहास में अबतक के सबसे भीषण हमलों का सामना करन पड़ेगा. 7 अक्टूबर को, हमास ने इजराइल पर एक आतंकी हमला किया, जिसमें 1,200 से अधिक लोग मारे गए और 250 से अधिक बंधकों को लिया. उनमें से लगभग 100 अभी भी कैद में हैं, और कई लोगों को मृत होने की आशंका है. जवाब में, इजराइल ने गाजा में हमास इकाइयों को एक मजबूत जवाबी लक्ष्य लॉन्च किया. हालांकि, इजरायल के ऑपरेशन के परिणामस्वरूप, गाजा में 45,000 से अधिक फिलिस्तीनियों की मौत हो गई है. इस हफ्ते पेरिस जाएंगे ट्रम्प ट्रम्प इस हफ्ते के अंत में पेरिस जाने की योजना बना रहे हैं। वहां वे 7 दिसंबर को नोट्रे डेम कैथेड्रल चर्च के पुनः उद्घाटन समारोह का हिस्सा बनेंगे। राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद यह ट्रम्प की पहली विदेश यात्रा होगी। फ्रांस सरकार ने ट्रम्प को उद्घाटन समारोह में शामिल होने के लिए न्योता भेजा था। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प की टीम इस यात्रा को लेकर फ्रांसीसी अधिकारियों से कई दिनों से बात कर रही थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक न्योता मिलते ही ट्रम्प तुरंत फ्रांस जाने के लिए तैयार हो गए। ट्रम्प को नोट्रे डेम कैथेड्रल से काफी लगाव है। अप्रैल, 2019 में जब यहां आग लगी थी तो ट्रम्प ने इसपर दुख जताया था। इस समारोह में 50 राष्ट्राध्यक्षों के आने की उम्मीद है।

ऑस्ट्रेलिया : 2.34 टन कोकीन जब्त, पुलिस ने तय किए 13 लोगों पर आरोप

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई पुलिस ने देश के इतिहास में कोकीन की रिकॉर्ड खेप जब्त करने के मामले में 13 लोगों को गिरफ्तार कर उन पर आरोप तय किये हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, ऑस्ट्रेलियाई संघीय पुलिस (एएफपी) ने ऐलान किया कि उसने एक अंतरराष्ट्रीय आपराधिक गिरोह से जुड़ी जांच के बाद 11 वयस्कों और दो किशोरों को आरोपी बनाया है। इन पर समुद्र के रास्ते उत्तरपूर्वी ऑस्ट्रेलियाई राज्य क्वींसलैंड में 2.34 टन कोकीन आयात संबंधित आरोप लगाए गए है। बताया जा रहा है कि यह आस्ट्रेलियाई इतिहास में कोकीन की सबसे बड़ी जब्ती है, जिसका अनुमानित मूल्य 760 मिलियन आस्ट्रेलियाई डॉलर (493.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर) है। एएफपी और क्वींसलैंड पुलिस सेवा (क्यूपीएस) के अधिकारियों ने शनिवार रात और रविवार तड़के आरोपियों की गिरफ्तारियां की। गिरफ्तार किए गए लोगों में एक जहाज का चालक दल भी शामिल है जो कथित तौर पर क्वींसलैंड में कोकीन आयात करने की कोशिश कर रहा था और कई लोग अवैध ड्रग्स को इकट्ठा करने के लिए तट पर इंतजार कर रहे थे। एएफपी अदालत में आरोप लगाएगा कि उनमें से एक व्यक्ति एक गैरकानूनी मोटरसाइकिल गिरोह का उपाध्यक्ष भी है। एएफपी कमांडर स्टीफन जे ने एक बयान में कहा, ÷हम जानते हैं कि अपराधी ऑस्ट्रेलिया में ड्रग्स की तस्करी करने के लिए अपनी जान जोखिम में डालने से भी नहीं कतराते। अपराधी इस बात की भी परवाह नहीं करते कि वे ऑस्ट्रेलियाई लोगों को कितना नुकसान पहुंचा रहे हैं।÷ उन्होंने कहा, ÷समुद्र से दो टन से अधिक कोकीन इकट्ठा करने का यह कथित प्रयास दर्शाता है कि अपराधी अपने लालच और लाभ के लिए कुछ भी कर

सकते हैं। सभी 13 व्यक्तियों पर बॉर्डर कंट्रोल्ड ड्रग्स की व्यावसायिक मात्रा आयात करने की साजिश रचने का आरोप लगाया गया है। यदि वे दोषी पाये जाते हैं तो उन्हें अधिकतम आजीवन कारावास की सजा हो सकती है। जे और क्यूपीएस डिटेक्टिव के कार्यवाहक मुख्य अधीक्षक क्रेग मोरो ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि संयुक्त जांच नवंबर में शुरू हुई थी, जब उन्हें खुफिया जानकारी मिली थी कि एक आपराधिक गिरोह ऑस्ट्रेलिया में ड्रग्स आयात करने की योजना बना रहा है। उन्होंने कहा कि एएफपी, क्यूपीएस और ऑस्ट्रेलियाई सीमा बल ने एक रिक्रिएशनल फिशिंग बोट पर नजर रखी, जो क्वींसलैंड लौटने से पहले कोकीन लेने के लिए कथित तौर पर एक जहाज की तरफ समुद्र में गई थी। नाव के खराबी के कारण समुद्र में फंस जाने के बाद गिरफ्तारियां शुरू की गई।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत भाजपा महिला नेता आत्महत्या मामले में मामला उलझा

खटोदरा PI को जांच सौंपे गए,पार्षद चिराग का मोबाइल जब्त पालिका की टिकट के नाम पर दो करोड़ रुपये ठगने की चर्चा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में भाजपा महिला नेता की आत्महत्या मामले में तफ्तीश उलझगई है। खटोदरा पुलिस स्टेशन के पीआई को इस मामले की जांच सौंप दी गई है। इस मामले में पार्षद चिराग का मोबाइल भी जब्त कर लिया गया है। खबरें हैं कि पालिका की टिकट किसी ने दो करोड़ रुपये ठगने की कोशिश की थी, जिसे लेकर अब जांच की जा रही है। सूरत में अलथाण स्थित भाजपा महिला नेता की आत्महत्या का मामला दिन-ब-दिन उलझता हुआ नजर आ रहा है। अब तक अलथाण पुलिस इस मामले की जांच कर रही थी, लेकिन अब खटोदरा पुलिस स्टेशन के PI रबारी को जांच सौंप दी गई है। साथ ही, पार्षद चिराग का मोबाइल भी जब्त किया गया है और उसकी जांच की जा रही है। भाजपा नेता दीपिका पटेल के परिवार ने मौन धारण कर लिया है, जिसके कारण विभिन्न चर्चाएं तेज हो गई हैं। इन चर्चाओं में सबसे अधिक जोर इस बात पर है कि दीपिका को पालिका की टिकट देने के नाम पर दो करोड़ रुपये ठगने की बात सामने आ रही है।

महिला भाजपा नेता ने फांसी लगाकर आत्महत्या की
भीमराड गांव के ब्राह्मण फलिया में रहने वाली और वार्ड नंबर 30 की भाजपा महिला मोर्चा की वार्ड प्रमुख दीपिका नरेश पटेल ने पिछले रविवार को अपने बेडरूम में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस मामले की प्रारंभिक जांच अलथाण पुलिस स्टेशन के पुलिस इंस्पेक्टर ब्रह्मभट्ट द्वारा की जा रही थी, लेकिन अब यह जांच खटोदरा पुलिस स्टेशन के PI बी आर रबारी को सौंप दी गई है। इस चर्चित आत्महत्या मामले में पुलिस ने एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लैब) की भी मदद ली है। दीपिका पटेल का फोन एफएसएल में भेजा गया है। इसके साथ ही, पार्षद चिरागसिंह सोलंकी का मोबाइल भी जब्त कर लिया गया है और उसकी जांच की जा रही है।

चिराग की भूमिका भी संदिग्ध दीपिका पटेल द्वारा छोड़ी गई कोई सुसाइड नोट या अन्य सहायक सामग्री नहीं मिली है। भीमराड की दीपिका पटेल ने दोपहर में दुपट्टा बांधकर आत्महत्या की, और इसके बाद चिराग सोलंकी सबसे पहले उनके घर पहुंचा था। दीपिका का शव पुलिस को सूचना दिए बिना फांसी से उतार लिया गया था, जिसके कारण चिराग पर दीपिका से रिश्ते को लेकर आरोप लगाए जा रहे हैं। चिराग का कहना है कि उनके बीच भाई-बहन जैसे रिश्ते थे। पुलिस अभी भी चिराग की भूमिका को संदिग्ध मान रही है, और इसलिए दीपिका का आईफोन एफएसएल में भेजा गया है, जबकि चिराग का फोन जब्त कर लिया गया है। इसके रिपोर्ट के आधार पर इस मामले में नई जानकारी सामने आने की संभावना बनी हुई है। हालांकि, इस मामले में पुलिस की भूमिका भी बेहद महत्वपूर्ण साबित होगी।

परिवार ने मौन धारण किया, मामला और भी उलझा
परिवार ने मौन धारण कर लिया है और किसी पर भी शक नहीं किया, जिससे मामला और भी उलझ गया है। अब सवाल यह उठता है कि, अगर सब कुछ सही था तो दीपिका को आत्महत्या जैसा कदम उठाने की नौबत क्यों आई? पुलिस इस रहस्य को उजागर करने के लिए दीपिका और नगरसेवक चिराग सोलंकी के मोबाइल फोन जब्त कर चुकी है। कॉल डिटेल और सोशल मीडिया चैट्स के लैब रिपोर्ट के बाद यह पता चलेगा। जिन लोगों का दीपिका से व्यक्तिगत संबंध था, वे मानने को तैयार नहीं हैं कि मजबूत मानसिकता वाली दीपिका आत्महत्या कर सकती थी। दीपिका पटेल के अचानक आत्महत्या करने के बाद शहर भाजपा में भी गहरे प्रभाव पड़े हैं, और इसके साथ ही विभिन्न चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

महापालिका चुनाव में दीपिका टिकट की दावेदार थीं दीपिका पटेल की आत्महत्या को लेकर परिवार ने कोई आरोप नहीं लगाए हैं और सभी परिवारजनों ने मौन धारण किया है, जिसके कारण कई चर्चाएं शुरू हो गई हैं। दीपिका पटेल के आत्महत्या मामले में कारण अभी भी चर्चा का विषय बने हुए हैं। भाजपा में एक प्रमुख चर्चा यह है कि महिला मोर्चा की वार्ड प्रमुख बनने के बाद दीपिका महापालिका चुनाव में टिकट की दावेदार थीं। इस बारे में उसने इच्छा व्यक्त की थी कि टिकट मिल जाएगा, और एक नेता ने उसे यह सपना दिखाकर दो करोड़ रुपये वसूल किए थे। दीपिका के तीन बच्चे थे, जबकि भाजपा में टिकट पाने के लिए दो बच्चों वाली महिला को प्राथमिकता दी जाती है, इस कारण उस नेता ने दीपिका को एक बच्चे को सरकारी कागजात पर दूसरे को दत्तक लेने की सलाह दी थी। महापालिका टिकट दिलवाने का आश्वासन देने वाले इस नेता के बारे में सबसे अधिक चर्चा हो रही है।

बिल्डर ने इस परिवार की कीमती ज़मीन बेची थी
भीमराड में सुखी संपन्न दीपिका पटेल का परिवार बड़े किसान के रूप में जाना जाता है। हाल ही में एक बिल्डर ने इस परिवार की कीमती जमीन बेची थी, जिसके बदले में बड़ी रकम परिवार को प्राप्त हुई थी। परिवार के सभी मामलों का संचालन दीपिका करती थीं। अब यह चर्चा भी तेज हो रही है कि एक राजनीतिक नेता ने कुछ निवेश के बहाने दीपिका से पैसे वसूल किए थे, और इसी वजह से आत्महत्या की संभावना जताई जा रही है।

प्रमुख कारणों पर चर्चा

1.प्रेम संबंध कहा जा रहा है कि दीपिका पटेल के किसी स्थानीय भाजपा नेता के साथ करीबी संबंध थे। पुलिस यह जांच कर रही है कि क्या इन संबंधों में कोई विवाद हुआ, जिसने उन्हें इतना बड़ा कदम उठाने पर मजबूर किया।

2. पैसों का विवाद नगर निगम चुनाव में टिकट हासिल करने के लिए दो करोड़ रुपये की डील होने की चर्चाएं हैं। इस मामले में पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या दीपिका टिकट हासिल करने के लिए वित्तीय या राजनीतिक दबाव में थीं।

3. मानसिक पीड़ा दीपिका के आत्महत्या मामले में मानसिक उत्पीड़न और व्यक्तिगत परेशानी की चर्चा है इसमें चिराग सोलंकी का नाम सामने आया है। चिराग ने खुद को निर्दोष बताया है, लेकिन पुलिस इस एंगल से भी गहन जांच कर रही है।

क्या कहती है जांच?
- पुलिस ने चिराग सोलंकी से अब तक दो बार पूछताछ की है। उनकी बयानबंदी की वीडियोग्राफी भी की गई है।
- डिजिटल सबूत, जैसे कॉल रिकॉर्ड और मैसेज,की जांच की जा रही है।
- सूरत पुलिस प्रेम, पैसे, और मानसिक उत्पीड़न जैसे सभी पहलुओं पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

राजनीतिक और सामाजिक प्रतिक्रिया:
यह मामला भाजपा के लिए एक बड़ा विवाद बन चुका है। पार्टी पर पारदर्शिता की कमी और आंतरिक गुटबाजी के आरोप भी लग रहे हैं। पुलिस पर मामले की निष्पक्ष जांच करने का दबाव है, ताकि सच्चाई सामने आ सके। मामले से जुड़े सटीक कारणों का खुलासा जांच पूरी होने के बाद ही हो पाएगा।

इकोसेल द्वारा मुख्य सूत्रधार की गिरफ्तारी

धोखाधड़ी करने और 1.85 करोड़ की वसूली-पठानी करने के मामले में शिकायत दर्ज की गई।

जमीन और वित्तीय लेन-देन में फर्जी दस्तावेज

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

इकोसेल, क्राइम ब्रांच ने सूरत शहर में गिरफ्तारी की बड़ी कार्रवाई की है। शिकायतकर्ता घनश्याम कुरजीभाई पटेल की शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी मनसुख लालजीभाई बोरड को गिरफ्तार किया है। इस मामले में आरोपी और उसके सहयोगियों पर 1.85 करोड़ की अवैध वसूली और फर्जी दस्तावेज बनाकर धोखाधड़ी करने का आरोप है। जमीन का सौदा 3 करोड़ में हुआ था शिकायतकर्ता घनश्याम पटेल ने बताया कि 2016 में उन्होंने निर्माण कार्य के लिए जमीन खरीदी थी, लेकिन पूरी पेमेंट नहीं कर पाने के कारण उस जमीन को बेचने का फैसला किया। इस मामले में 2018 में आरोपी मनसुख बोरड के साथ 3 करोड़ के सौदे पर सहमति बनी। सौदे के अनुसार, जमीन के मूल मालिक को 50 लाख का भुगतान किया गया, लेकिन बाकी राशि या उसके बदले में कोई संपत्ति नहीं दी गई। फरार अन्य आरोपियों को पकड़ने की तैयारी मंसुख बोरड और अन्य सह-आरोपियों ने शेष राशि के लिए शिकायतकर्ता से जबरन वसूली शुरू कर दी थी। 90 लाख की अदायगी के आधार पर ब्याज सहित 1.85 करोड़ रुपये की रकम जबरन वसूल की गई। इतना ही नहीं, आरोपियों ने फर्जी बिल और हस्ताक्षरयुक्त वाउचर बनाकर धोखाधड़ी भी की। इस मामले में अन्य सह-आरोपियों की संलिप्तता का पुलिस को पता चला है। जांच के दौरान क्राइम ब्रांच और खुलासे करने की तैयारी में है। फरार सह-आरोपियों को पकड़ने के लिए भी कार्रवाई जारी है।

एक नाम परिवर्तन की याचिका दायर की गई और 126 लोगों के नाम बदल दिए गए

मानदरवाजा क्षेत्र में रहने वाले लोगों के वेरा बिल दूसरों के नाम से आए;स्थानीय लोगों ने विरोध दर्ज किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के मानदरवाजा क्षेत्र में रहने वाले कुछ निवासियों के वेरा बिल अन्य लोगों के नाम से जारी हुए थे, जिसके बाद एक नाम परिवर्तन की याचिका दायर की गई और 126 लोगों के नाम बदल दिए गए। इस मामले को लेकर स्थानीय लोगों ने विरोध जताया और गलत बिलों की जांच की मांग की। मान दरवाजा क्षेत्र में रहने वाले लोग समय-समय पर लिम्बायत जोन में विरोध प्रदर्शन करने जाते हैं, क्योंकि उनके वेरा बिल में उनके नाम के बजाय दूसरों के नाम लिखे जाते हैं। इस बार फिर से लिम्बायत जोन द्वारा रहवासी क्षेत्र के मकान मालिकों को जो वेरा बिल भेजे गए थे, उनमें दूसरों के नाम लिखे गए थे। अनुमानित रूप से 126 मकान मालिकों को जो वेरा बिल भेजे गए थे, उनमें नाम गलत लिखे गए थे। स्थानीय निवासी भावना दबरि ने बताया कि, "हम पिछले कई सालों से मान दरवाजा क्षेत्र के उमरवाड़ा में स्थित रेल राहत कॉलोनी में रह रहे हैं, लेकिन इस कॉलोनी के सभी 126 मकान मालिकों को जो वेरा बिल भेजे गए थे, उनमें दूसरे के नाम लिखे गए हैं। पहले भी इसी प्रकार से अन्य लोगों के नाम लिखे गए थे, जिससे हम झोन में आवेदन करने गए थे। जब नाम में बदलाव होता है, तो इसे सुधारने के लिए हमें बार-बार आवेदन करना पड़ता है। लिम्बायत झोन के अधिकारी बार-बार यह गलती करते हैं। एक बार फिर हमारी जगह दूसरे का नाम लिखे जाने से हम सब चिंतित हो गए थे और आवेदन करने के लिए लिम्बायत झोन पहुंचे हैं। हमने अधिकारियों से निवेदन किया है कि ऐसी गलती न करें।'' लिम्बायत ज़ोन के अधिकारी अजय जगताप ने बताया कि, "इस बोर्ड में एक व्यक्ति ने नाम बदलवाने के लिए आवेदन किया था। नाम परिवर्तन के दौरान डेटा एंट्री में गलती हुई थी, जिसके कारण रेल राहत कॉलोनी के कुछ संपत्ति मालिकों के वेरा बिल में उनका नाम गलत तरीके से शामिल हो गया। यह गलती हमारे ध्यान में आई है। हम इसे दो दिनों में सुधार लेंगे।''

सूरत में शिक्षा समिति के स्कूल के गार्डन में एक युवक ने आत्महत्या कर ली।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में लगातार आत्महत्या के मामले सामने आ रहे हैं। इस बीच, कापोद्रा क्षेत्र में एक युवक ने नगर प्राथमिक शिक्षा समिति के स्कूल के गार्डन में झूले की चेन से फांसी लगाकर अपनी जान ले ली। स्कूल के गार्डन में आत्महत्या की घटना से पूरे क्षेत्र में हलचल मच गई है। बताया जा रहा है कि स्कूल का सुरक्षा गार्ड छुट्टी पर था।

स्कूल का स्टाफ और छात्र दहशत में आ गए
मिली जानकारी के अनुसार, कापोद्रा क्षेत्र में स्थित हीराबाग के नगर प्राथमिक शिक्षा समिति स्कूल में एक अनजान व्यक्ति का लटका हुआ शव मिला था। डॉ. विक्रम साराभाई प्राथमिक क्रमांक 136 नगर प्राथमिक शिक्षा समिति कुमार स्कूल और कवि श्री राजेंद्र शाह क्रमांक 143 कन्या स्कूल में सुबह स्कूल खोलते ही इस प्रकार का दृश्य सामने आया। जिसके कारण स्कूल का स्टाफ और छात्र भी दहशत में आ गए थे। स्कूल के गार्डन में झूले की चेन से युवक ने फांसी लगाई थी।

पुलिस ने युवक की पहचान के प्रयास शुरू किए
स्कूल के गार्डन में झूले की चेन से आत्महत्या कर चुके युवक का लटका हुआ शव देखकर तुरंत पुलिस को सूचना दी गई थी। घटना की जानकारी मिलने के बाद कापोद्रा पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची। झूले से लटकते युवक के शव को नीचे उतारकर पोस्टमॉर्टम के लिए स्मीमेर अस्पताल भेजा गया। फिलहाल, कापोद्रा पुलिस युवक के आत्महत्या के मामले में उसकी पहचान की दिशा में जांच कर रही है।

सूरत में देसी पिस्टल के साथ आरोपी पकड़ा गया, पहले भी शराब के मामले में गिरफ्तार हो चुका है

गंभीर अपराध को अंजाम देने से पहले गिरफ्तारी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में एक आरोपी को देसी पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया गया है, जिससे पुलिस ने गंभीर अपराध को अंजाम देने से पहले उसे पकड़ लिया। यह आरोपी पहले भी शराब के मामले में गिरफ्तार हो चुका था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया और जांच शुरू कर दी है। शहर की लिम्बायत पुलिस स्टेशन टीम ने गैरकानूनी हथियार रखने वाले अपराधी को पकड़ने के लिए महत्वपूर्ण कार्रवाई की है। मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने देसी निर्मित पिस्टल के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी इन हथियारों का इस्तेमाल किसी गंभीर आपराधिक गतिविधि को अंजाम देने के लिए योजना बना रहा था। आरोपी का नाम 31 वर्षीय गौड़ा उर्फ अजय उर्फ राजभाई उर्फ मोटू इंद्रजीत प्रधान है। वह सुखीनगर, पांडेसेरा, सूरत का निवासी है और मूल रूप से ओडिशा के गंजाम जिले के पोलसरा गांव का रहने वाला है। आरोपी पहले भी कई अपराधों में शामिल रह चुका है। 2018 में उच्छल पुलिस स्टेशन में दर्ज प्रोहिबिशन एक्ट के मामले में उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया

प्रिय फेशन के मालिक का 2.11 करोड़ का उठमण, इस्कॉन मंदिर में 71 हजार की चेन चोरी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में प्रिय फेशन के मालिक का 2.11 करोड़ रुपये का उठमण हुआ है। इस घटना के साथ ही, इस्कॉन मंदिर में भी 71 हजार रुपये की चेन चोरी की घटना सामने आई है। पुलिस इन दोनों मामलों की जांच कर रही है और आरोपियों की तलाश जारी है। सूरत शहर में अरिहंत टेक्सटाइल मार्केट में स्थित प्रिय फेशन के मालिक प्रदीप चौधरी के खिलाफ 2.11 करोड़ रुपये की उठमण का मामला दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता दीपक पाछाणी, जो कतारगाम में सहजानंद क्रिएशन और श्लोक फेशन नामक चनीयाचोली बनाने वाली पेडी चलाते हैं, ने बताया कि प्रदीप ने दिसंबर 2023 से जून 2024 तक उधारी पर माल खरीदा था। प्रदीप चौधरी ने विश्वासघात करते हुए भुगतान न करने की साजिश रची प्रदीप चौधरी ने लगभग 2.91 करोड़ रुपये का चनीयाचोली का माल खरीदा था, जिसमें से केवल 79.90 लाख रुपये का भुगतान किया था। बाकी 2.11 करोड़ रुपये के लिए बार-बार उधारी की मांग करने पर चौधरी ने भुगतान करने के झूठे वादे किए, और बाद में रातों-रात अपनी दुकान और मोबाइल बंद करके गायब हो गया। इस घटना के बाद पीड़ित दीपकभाई ने क्राइम ब्रांच में शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें कहा गया है कि प्रदीप ने विश्वासघात करते हुए भुगतान न करने की साजिश रची है। पुलिस ने प्रदीप चौधरी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

इस्कॉन मंदिर में 71 हजार की चेन चोरी जहांगीरपुरा क्षेत्र में स्थित इस्कॉन मंदिर परिसर में 1 दिसंबर, 2024 को चोरी की घटना हुई थी। 40 वर्षीय भूमिकाबेन कलथिया दर्शन के लिए मंदिर गई थीं, इस दौरान भीड़ का फायदा उठाकर किसी अज्ञात चोर ने उनकी 71,500 रुपये की सोने की चेन चुरा ली। इस मामले में भूमिकाबेन ने जहांगीरपुरा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने चोरों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।